राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार, 04 सितम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –219 पृष्ठ–08 मूल्य–01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिर चीन के बहकावे में आया नेपाल, लिपुलेख में सेना तैनाती के दिए आदेश

इंटरनेशनल डेस्क।

लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर भारत और चीन के बीच चल रही टेंशन से पड़ोसी देश नेपाल की चिंता भी बढ़ गई है। लिपुलेख इलाके में भारतीय सेना की गतिविधियों पर नेपाल सरकार पैनी नजर रख रही है क्योंकि भारत-नेपाल के बीच बीते कई महीनों से लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा इलाके को लेकर तनाव बना हुआ है। अब चीन की शह पर नेपाल ने इस इलाके में सेना की पूरी बटालियन तैनात कर दी है। इंटेलिजेंस एजेंसी सूत्रों के मुताबिक नेपाल सरकार ने आर्म्ड पुलिस फोर्स को निर्देश जारी किए हैं कि लिपुलेख एरिया में भारतीय सेना की गतिविधि को लगातार मॉनिटर करें। लिपुलेख एक ट्राइ जंक्शन हैं जहां भारत-चीन-नेपाल की सीमा मिलती है। इंटेलिजेंस एजेंसी सूत्रों के मुताबिक नेपाल आर्म्ड पुलिस फोर्स की जो बटालियन लिपुलेख में तैनात है उसने गृह मंत्रालय से लॉग रेंज पट्रोलिंग की इजाजत भी मांगी है। इसमें कहा गया है कि भारत-चीन तनाव को देखते हुए उस इलाके में फोर्स की लॉन्ग रेंज यानी लंबी दूरी की पट्रोलिंग की इजाजत दी जाए। नेपाल ने इस इलाके में हाल ही में फोर्स की एक नई परमानेंट पोस्ट भी बनाई है। सूत्रों के मुताबिक चीन ने भी इस इलाके में अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई है। 8 मई को जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लिपुलेख के पास तक की एक सड़क का उद्घाटन किया तब से नेपाल ने यहां पर ऐतराज जताना शुरू कर दिया था। यह सड़क बीआरओ ने बनाई है। इसके बनने के साथ ही पहली बार चीन बॉर्डर के इतना करीब तक गाड़ियां जाने का रास्ता बना। नेपाल ने इलाके को अपना बताते हुए सड़क बनाने के विरोध किया। हालांकि पहले इस एरिया में नेपाल से कभी विवाद नहीं रहा। इसके बनने के साथ ही पहली बार चीन बॉर्डर के इतना करीब तक गाड़ियां जाने का रास्ता बना। नेपाल ने इलाके को अपना बताते हुए सड़क बनाने के विरोध किया। हालांकि पहले इस एरिया में नेपाल से कभी विवाद नहीं रहा।

राहुल गांधी ने नोटबंदी पर फिर घेरी सरकार, पीएम मोदी से पूछा- क्या देश से मिट गया काला धन

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी देश के मौजूदा हालात को लेकर मोदी सरकार को जिम्मेदार मानते हैं। वह ट्वीट और वीडियो का सहारा लेकर आए दिन सरकार के प्रति अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। अब एक बार उन्होंने नोटबंदी के मसले पर मोदी सरकार को घेरा। मोदी जी का 'कैश-मुक्त' भारत दरअसल 'मज़दूर-किसान-छोटा व्यापारी' मुक्त भारत है। जो पाँसा 8 नवंबर 2016 को फेंका गया था, उसका एक भयानक नतीजा 31 अगस्त 2020 को सामने आया। राहुल गांधी ने वीरवार को अपने 4 वीडियो की सीरीज का दूसरा वीडिया जारी किया, जिसमें वह नोटबंदी को गरीबों के खिलाफ लिया गया फैसला बता रहे हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि मोदी जी का 'कैश-मुक्त' भारत दरअसल 'मज़दूर-किसान-छोटा व्यापारी' मुक्त भारत है। जो पासा 8 नवंबर 2016 को फेंका गया था, उसका एक भयानक नतीजा 31 अगस्त 2020 को सामने आया। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि में गिरावट के अलावा नोटबंदी ने देश की असंगठित अर्थव्यवस्था को कैसे तोड़ा ये जानने के लिए मेरा वीडियो देखिए। उन्होंने वीडियो में बोला कि नोटबंदी हिंदुस्तान के गरीब-किसान-मजदूर पर आक्रमण था। 2016 में पीएम मोदी ने 500-1000 के नोट बंद कर दिए।

जर्जर सड़कें देखकर फूटा बीजेपी विधायक का दर्द, कहा- अगर इसे बनवा नहीं पाया तो विधायकी से इस्तीफा दे दूंगा

हरदोई।

उत्तर प्रदेश के बीजेपी विधायक श्याम प्रकाश अपनी ही सरकार की कार्यप्रणाली से खुश नहीं हैं। एक बार फिर उन्होंने योगी सरकार के विकास को आईना दिखाया है। श्याम प्रकाश ने फेसबुक के माध्यम से अपने क्षेत्र की सड़कों का मुद्दा उठाते हुए लिखा कि यदि अपनी सरकार में पिहानी, गोपामऊ के चारों तरफ की जर्जर सड़कें न बनवा सका तो अपनी नैतिक और राजनैतिक जिम्मेदारी समझते हुए विधायक पद से ही त्यागपत्र दे दूंगा। श्याम प्रकाश ने फेसबुक पर जर्जर सड़क की फोटो भी पोस्ट की है और लिखा है कि पिहानी व गोपामऊ के चारों तरफ के भाइयों, दर्द जो देखा इनका हमने, तो हम अपना भूल गए। क्योंकि अपना गम इनसे कम है। मैं आप और आप की भावनाओं के साथ हूं। प्रयास जारी है।

उन्होंने यह भी लिखा कि मेरा और मेरे क्षेत्र की जनता का दर्द है, कृपया इसे सरकार पर हमला

और सरकार विरोधी बयान न कहें। बताते चलें कि विधायक श्याम प्रकाश कई मामलों में सरकार और अधिकारियों के खिलाफ फेसबुक पर लिख चुके हैं।

चीन के साथ तनाव के बीच आर्मी चीफ नरवणे लद्दाख दौरे पर, सेना की तैयारियों का लिया जायजा

नेशनल डेस्क। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पूर्वी लद्दाख में ताजा घटनाक्रम की जानकारी देने के एक दिन बाद सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे आज खुद सैन्य तैयारियों का जायजा लेने के लिए दो दिन के दौरे पर लद्दाख पहुंचे। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ करीब चार महीने से जारी गतिरोध के दौरान पिछले सप्ताह एक बार फिर तनाव बढ़ गया क्योंकि चीन ने पैगोंग झील के दक्षिणी किनारे के निकट एक बार फिर दोनों पक्षों की सहमति का उल्लंघन करते हुए यथा स्थिति बदलने की कोशिश की। भारतीय सेना ने इस कोशिश को विफल कर दिया और इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए सामरिक महत्व के ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर डेरा डाल लिया। इसके बाद से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। सेना के सूत्रों के अनुसार सेना प्रमुख आज सुबह लद्दाख पहुंचे जहां वह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सैन्य संचालन तैयारियों की समीक्षा करेंगे। जनरल नरवणे ने एक दिन पहले ही एक उच्च स्तरीय बैठक में रक्षा मंत्री को लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर ताजा हालातों से अवगत कराया था। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए सेना की तैयारियों और भविष्य की योजना पर भी चर्चा की थी। भारत का कहना है कि चीनी सैनिकों ने मंगलवार को एक बार फिर आक्रामक गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश की थी। चीन मुद्दों के समाधान के लिए कमांडर स्तर की वार्ता जारी रहने के बावजूद इस तरह की हरकतें कर स्थिति को बिगाड़ना चाहता है। इस बीच तनाव कम करने और स्थिति सामान्य बनाने के लिए दोनों और के सैन्य अधिकारियों के बीच तीन दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। चीन मुद्दों के समाधान के लिए कमांडर स्तर की वार्ता जारी रहने के बावजूद इस तरह की हरकतें कर स्थिति को बिगाड़ना चाहता है। इस बीच तनाव कम करने और स्थिति सामान्य बनाने के लिए दोनों और के सैन्य अधिकारियों के बीच तीन दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है।

संक्षिप्त समाचार

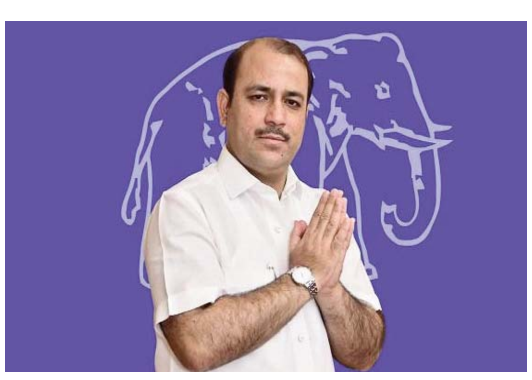

प्रश्नकाल के निलंबन पर बोले बसपा सांसद दानिश अली- यह नए भारत की 'डरावनी तस्वीर है

नयी दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद कुंवर दानिश अली ने संसद के आगामी मानसून सत्र में प्रश्नकाल निलंबित किए जाने के फैसले को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि यह नए भारत की 'डरावनी तस्वीर है। उन्होंने ट्वीट किया, ''ट्वीट करें तो अवमानना..., सड़क पर सवाल करें तो देशद्रोह... । देश की सबसे बड़ी पंचायत बची थी जनता के सवालों को उठाने के लिए। लेकिन वहां सरकार ने प्रश्नकाल ही ख़त्म कर दिया। 'ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी। यह है 'नए भारत की डरावनी तस्वीर! गौरतलब है कि संसद के आगामी मानसून सत्र में न तो प्रश्नकाल होगा और न ही गैर सरकारी विधेयक लाए जा सकेंगे। कोरोना वायरस महामारी के इस दौर में पैदा हुई असाधारण परिस्थितियों के बीच होने जा रहे इस सत्र में शून्यकाल को भी सीमित कर दिया गया है। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, दोनों सदनों की कार्यवाही अलग-अलग पालियों में सुबह नौ बजे से एक बजे तक और तीन बजे से सात बजे तक चलेगी। शनिवार तथा रविवार को भी संसद की कार्यवाही जारी रहेगी। संसद सत्र की शुरुआत 14 सितम्बर को होगी और इसका समापन एक अक्टूबर को प्रस्तावित है।

जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार और मोटरसाइकिल की टक्कर, एक घायल

साम्बा। जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर साम्बा बसंतर दरिया पर सुबह के समय कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान राम लाल पुत्र चुआ राम लाल निवासी पंगवाल साम्बा के रूप में की गई। जानकारी अनुसार यह व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर जा था कि पुल पर एक दिल्ली न. की एक कार ने इसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया और स्थानीय लोगों ने उसे जिला अस्पताल साम्बा में पहुंचाया, जहां पर डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जी.एम.सी. जम्मू रैफर कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी। साम्बा शहर के बुदवानी के पास दोपहर के समय एक टिप्पर और लोड कैरियर वाहन की टक्कर हो गई, जिसमें लोड कैरियर वाहन का आगे का हिस्सा पूरा टिप्पर के नीचे आ गया, लेकिन गनिमत यह रही कि इसमे कोई घायल नहीं हुआ। जानकारी अनुसार राजमार्ग पर दोनों वाहन एक ही दिशा में जा रहे थे कि अचानक रूके वाहन के चलते टिप्पर के पिछले हिस्से के नीचे लोड कैरियर वाहन फंस गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को साइड किया।

पीएम

दानवीरों से कई आगे निकले पीएम मोदी, अपनी बचत के 103 करोड रुपये कर चुके हैं दान

नेशनल डेस्क।

लोक कल्याण के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न माध्यमों से दिए गए दान की कुल राशि एक सौ तीन करोड़ रुपये से अधिक है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मोदी ने अपनी बचत में से बालिकाओं की शिक्षा से लेकर गंगा की सफाई जैसे कार्यों के लिए दान दिया है। साथ ही, प्रधानमंत्री को प्राप्त उपहारों की नीलामी से मिले धन को भी सार्वजनिक हित के लिए दान दिया गया है। हाल ही में मोदी ने कोविड-19 के मद्देनजर स्थापित किए गए सार्वजनिक किए गए खाते के विवरण के अनुसार मार्च में स्थापना के महज पांच के भीतर इस कोष में 3,076.62 करोड़ रुपये जमा हुए थे। लोक हित के लिए मोदी द्वारा दिए गए दान को रेखांकित करते हुए सूत्रों ने बताया कि 2019 में कुंभ मेले में सफाई कर्मचारियों के कल्याण के लिए बनाए गए कोष में प्रधानमंत्री ने अपनी निजी बचत में से 21 लाख रुपये दान दिए थे। सूत्रों ने कहा कि दक्षिण कोरिया में 2019 में सियोल शांति पुरस्कार प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री ने पुरस्कार में मिली 1.30 करोड़ रुपये की राशि को नमामि गंगे परियोजना में दान देने की घोषणा की थी।

सूत्रों के अनुसार, मोदी द्वारा लोक कल्याण के लिए दिए गए दान की कुल राशि अब एक सौ तीन करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। प्रधानमंत्री को मिले स्मृति चिह्नों की हाल ही में हुई नीलामी से तीन करोड़ चालीस लाख रुपये प्राप्त हुए जिन्हें नमामि गंगे परियोजना में दान दे दिया गया। सूत्रों ने कहा कि 2014 में गुजरात के मुख्यमंत्री पद को छोड़कर प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद मोदी ने गुजरात सरकार में कार्यरत एक कर्मचारी की बेटी की शादी के लिए अपनी निजी बचत में से 21 लाख रुपये दान दे दिए ।

21 लाख रुपये दान दे दिए थे। मोदी ने मुख्यमंत्री के तौर पर मिले उपहारों की नीलामी से प्राप्त 89.96 करोड़ रुपये 'कन्या केलवणी कोष में दान दे दिए थे जो कि बालिकाओं की शिक्षा के लिए शुरू की गई एक योजना है। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उपहारों की नीलामी 2015 में शुरू की थी जिससे प्राप्त 8.35 करोड़ रुपये की

राशि को नमामि गंगे परियोजना में दान दे दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उपहारों की नीलामी 2015 में शुरू की थी जिससे प्राप्त 8.35 करोड़ रुपये की राशि को नमामि गंगे परियोजना में दान दे दिया गया था।

पबजी सहित 118 एप्स पर बैन के बाद बौखलाया चीन, भारत से अपनी गलती सुधारने को कहा

बीजिंग।

भारत के चीन के 118 ऐप्स पर पाबंदी लगाए जाने के फैसले पर चीन ने आपत्ति जताई है और इस पक्षपातपूर्ण कदम करार दिया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता गाओ फेंग ने कहा, भारत चीनी कंपनियों पर पक्षपातपूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है और भारत की यह कार्रवाई विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के प्रासंगिक नियमों के खिलाफ है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने भारत सरकार के इस कदम पर कड़ा विरोध जताया है और भारत से अपनी गलती सुधारने को कहा है। उल्लेखनीय है कि भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए मशहूर गेमिंग ऐप पबजी सहित चीन के 118 ऐप्स पर बुंधवार को पाबंदी लगा दी थी।

भारत अब तक चीन के 224 ऐप्स पर लगा चुका है प्रतिबंध

भारत अब तक चीन के 224 ऐप्स पर प्रतिबंध लगा चुका है। इनमें से सबसे पहले 29 जून को भारत ने चीन के 59 ऐप्स को प्रतिबंधित किया था। इसके बाद 28 जुलाई के चीन के 47 ऐप्स पर पाबंदी लगाई थी। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत कड़ी मेहनत से स्थापित किए गए द्विपक्षीय सहयोग और विकास के लिए चीन के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और चीनी कंपनियों सहित अन्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक खुला और उचित कारोबारी माहौल का निर्माण किया जा सके। उन्होंने कहा कि चीन-भारत आर्थिक और व्यापारिक सहयोग दोनों पक्षों के लिए परस्पर लाभकारी है। एक खुला और उचित कारोबारी माहौल का निर्माण किया जा सके। उन्होंने कहा कि चीन-भारत आर्थिक और व्यापारिक सहयोग दोनों पक्षों के लिए परस्पर लाभकारी है।

कांग्रेस के खत का फेसबुक ने दिया जवाब, हम निष्पक्ष हैं, घृणा को करते हैं खारिज

नई दिल्ली। भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कथित तौर पर दखल देने से जुड़े विवाद में घिरे फेसबुक ने कांग्रेस पार्टी से कहा है कि वह एक निष्पक्ष मंच है और सभी तरह की घृणा एवं कट्टरता को खारिज करता है तथा वह एक ऐसे मंच के तौर बने रहने का प्रयास करता है जहां लोग खुलकर अपनी भावनाएं प्रकट कर सकें। कांग्रेस ने अपनी ओर से उठाई गई चिंताओं के जवाब में आए फेसबुक के पत्र को जारी किया है। फेसबुक के जवाबी पत्र पर एक सितंबर की तारीख है। फेसबुक के निदेशक (पब्लिक पॉलिसी, ट्रस्ट एंड सेफ्टी) नील पॉट्स ने इस पत्र में कहा है कि सोशल मीडिया कंपनी ने कांग्रेस की ओर से लगाए गए भेदभाव के आरोपों को गंभीरता लिया है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वह निष्पक्ष बना रहे और उच्चतम स्तर की ईमानदारी को बनाए रखने को वह प्रतिबद्ध है। कांग्रेस ने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि इस सोशल मीडिया कंपनी की भारतीय शाखा भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सामाजिक तानेबाने में दखल दे रही है तथा नफरत भरे भाषण के नियमों के संदर्भ में सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों के प्रति इसका नरम रुख है। पार्टी ने अमेरिकी अखबार वाल स्ट्रीट जर्नल और पत्रिका टाइम की खबरों का हवाला देते हुए जुकरबर्ग को पत्र लिखा था। इन दोनों प्रकाशनों ने अपनी खबरों में फेसबुक पर पक्षपात और भाजपा के साथ निकटता का दावा किया था। कांग्रेस फेसबुक के मुद्दे को पिछले कुछ हफ्तों से लगातार उठा रही है और भाजपा पर हमले बोल रही है। उधर, कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भी जुकरबर्ग को तीन पृष्ठों का पत्र लिखकर कहा कि फेसबुक के कर्मचारी चुनावों में लगातार हार का सामना करने वाले लोगों तथा प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को कथित अपशब्द कहने वालों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फेसबुक इंडिया टीम में बैठे लोग पक्षपात के मामलों की शिकायत के बावजूद कोई जवाब नहीं देते। उधर, कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भी जुकरबर्ग को तीन पृष्ठों का पत्र लिखकर कहा कि फेसबुक के कर्मचारी चुनावों में लगातार हार का सामना करने वाले लोगों तथा प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को कथित अपशब्द कहने वालों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फेसबुक इंडिया टीम में बैठे लोग पक्षपात के मामलों की शिकायत के बावजूद कोई जवाब नहीं देते।

कोरोना महामारी के चलते पंजाब वासियों को स्वास्थ्य मंत्री की अपील

चंडीगढ़/जालंधर । पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने मरीजों को सामने आने और खुद को कोविड-19 का टैस्ट करवाने की अपील की है। सरकार ने मरीजों को घरों में एकांतवास (आइसोलेशन) की सुविधा प्राप्त करने के नियमों को आसान कर दिया है। कोविड-19 पॉजिटिव मरीज का इलाज कर रहे मैडीकल अफसर की क्लीनिकल सलाह अनुसार कम लक्षणों/ पूर्व -लक्षण /बिना लक्षण वाले मामलों को घरों में आसानी से एकांतवास की सुविधा दी जा सकती है। ऐसे केस, जिनके पास घरों में खुद को और परिवार को एकांतवास (आइसोलेट) करने की सुविधा है और 60 साल से ऊपर की उम्र वाले बुजुर्ग व्यक्ति, जिन्हें हाइपरटैंशन, शूगर, दिल, कोरोनिक लंग्स/लिवर /किडनी डिजीज, केअरबरो -वसकुलर आदि बीमारियां हैं, को मैडीकल अफसरों की सलाह के साथ ही घर में आइसोलेट करने की सुविधा दी जा सकती है। मंत्री ने जानकारी दी कि एकांतवास के लिए मरीज की तरफ से स्वै-घोषणा पत्र लिख कर दिया जाएगा कि घर में अलग कमरा और टायलट की सुविधा है। इसी तरह मरीज को किट खरीदनी जरूरी होगी, जिसमें पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, विटामिन सी और जिंक की गोली शामिल है। देखभाल करने वाले व्यक्ति की 2437 के आधार पर उपलब्ध होना चाहिए। घर में एकांतवास के पूरे समय दौरान मरीज की संभाल करने वाले व्यक्ति और अस्पताल में तालमेल रखा जाएगा। मरीज के मोबाइल में कोवा एप्लीकेशन डाऊनलोड की जाए और ब्लूटूथ व वाई-फाई एक्टिव रखा जाए। मरीज की सहमति जरूरी होगी कि दिन में 3 बार ऑक्सीजन और बुखार की जांच करेगा/करेगी और स्वास्थ्य का पूरा रिकार्ड रखा जाएगा। लगातार स्वास्थ्य स्थिति संबंधी जिला नोडल अफसर को जानकारी दी जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सोशल प्लेटफॉर्म की चिंता

फेसबुक पर अभिव्यक्ति और अभिव्यक्ति पर अंकुश, दोनों ही विषयों पर भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में चिंता का आलम है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों को ही फेसबुक से शिकायत है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पिछले कुछ दिनों से लगातार फेसबुक की शिकायत करती आ रही है, तो अब केंद्र सरकार ने भी आधिकारिक रूप से अपनी नाराजगी का इजहार कर दिया है। बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति इस मामले पर ज्यादा सक्रिय थी, तो उधर पश्चिम बंगाल सरकार या तृणमूल कांग्रेस ने भी फेसबुक से अपनी नाखुशी का इजहार कर दिया है। कुल निचोड़ यह है कि सभी को फेसबुक से शिकायत है और सभी चाहते हैं कि इसे नियंत्रित किया जाए। ताजा खबर यह है कि अनेक देशों में फेसबुक ने अपने अधिकार बढ़ा लिए हैं और अब वह आपत्तिजनक या स्थानीय कानूनों या नियामकों के मद्देनजर कंटेंट को हटा या बाधित कर सकता है। एक अक्तूबर से फेसबुक यह काम करने लगेगा। उसने अपने उपभोक्ताओं को इस बारे में सूचित करना शुरू कर दिया है। यह जरूरी है कि ऐसे ही नियम भारत में भी लागू हों। स्थानीय कानूनों के अनुरूप ही किसी पोस्ट के प्रसारण को मंजूरी मिले। दरअसल, फेसबुक अमेरिका से लेकर भारत तक एक ऐसा सशक्त मंच बच चुका है, जिस पर हरेक पक्ष, विचार, संगठन के लोग समान रूप से सक्रिय हैं। यह बात छिपी नहीं है कि अनेक कंपनियां और सियासी पार्टियां भारी धन खर्च करके फेसबुक के माध्यम से अपना-अपना नैरेटिव लोगों के गले उतारने में जुटी रहती हैं और इस प्रक्रिया को किसी भी सोशल मंच पर रोकने के लिए नियम-कायदे कड़े करने की जरूरत है। यह जरूरी है कि फेसबुक को अंकुश में रखा जाए और अंकुश किसी सत्ताधारी पार्टी या सरकार का नहीं, बल्कि नियम-कायदों का हो। भारत में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पार्टी की सरकारें हैं और जो पार्टी जहां मजबूत है, वहां वह अपने हिसाब से फेसबुक को ही नहीं, बल्कि अन्य सोशल मंचों को भी संचालित करने की कोशिश करती है। एक गंभीर समस्या और है। ऐसे सोशल मंच वाली कंपनियों में काम करने वाले इंसान ही हैं और उनकी भी अपनी विचारधारा संभव है। आज फेसबुक कंपनी के विरुद्ध सबसे बड़ी शिकायत यही है कि वह विचारधारा के आधार पर कंटेंट का संपादन कर रही है। अच्छा यही होगा कि फेसबुक अपने संपादकों व कर्मचारियों को निष्पक्ष और संवदेनशील बनाए। ऐसा नहीं हो सकता कि कोई सोशल मीडिया मंच पैसे लेकर किसी कंटेंट को रोके या प्रसारित करे। यह आम लोगों का मंच है और यहां जिसकी लाठी उसकी भैंस की कहावत चरितार्थ नहीं होनी चाहिए। आज सरकार से भी बड़ी जिम्मेदारी संसदीय समिति की है, जिसमें सभी दलों के नेता हैं। उन्हें सर्वानुमति से एक आचार संहिता का निर्माण करना चाहिए। कानून के दायरे में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा बहुत जरूरी है और उससे भी जरूरी है सोशल मंचों के दुरुपयोग को रोकना। यदि हम इस मंच के दुरुपयोग को रोक पाते हैं, तो यह हमारी एक बड़ी सफलता होगी। जहां तक फेसबुक का सवाल है, तो उसके लिए सबसे बड़ी सफलता यही होगी कि वह सत्ता या धन के अनावश्यक दबाव में अपना दुरुपयोग न खुद करे और न किसी को करने दे।

आज के ट्वीट

वोट

'वोट' और 'टैक्स' केवल नाली, सडक, पेट्रोल आलू, टमाटर, प्याज के लिए नहीं दिया जाता 'राष्ट्र की अखंडता', 'सुरक्षा', 'स्वाभिमान', 'धर्म' के लिए भी दिया जाता है।

– अर्नब गोस्वामी

पाक पर भारी पड़ी भारत विरोधी मुहिम

जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान की विदेशी मामलों की कूटनीति की प्राथमिकताओं में है : इस्लामिक मुल्कों, खासकर खाड़ी और पश्चिम एशियाई देशों में बिना रुके भारत को बदनाम करते रहना। पाकिस्तान लगातार तथाकथित भारत-इस्राइल गठजोड़ को 'हिंदू-यहूदी साजिश' बताकर मुस्लिम विरोधी ठहराने का प्रयास करता आया है। इस्लामिक कानफ्रेंस नामक 53 मुस्लिम मुल्कों का समूह, जिसमें सऊदी अरब का खासा प्रभाव है, उसके मंच का इस्तेमाल कर पाकिस्तान भारत विरोधी प्रचार करता रहा है, विशेषकर जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर। लेकिन कश्मीर राग अलापने के दिन लदने लगे हैं क्योंकि इस्लामिक जगत के साथ भारत के संबंधों में, विशेषकर पड़ोसी खाड़ी मुल्कों के तेल संपन्न अरब सल्तनतों के साथ, काफी सुधार हुआ है। इनमें इराक भी शामिल है। भारत की तरह अरब देश भी इस्राइल-फिलीस्तीन मुद्दे पर 'द्वि-राष्ट्र हल' बनाने के पक्ष में हैं। इससे अधिक यह कि उक्त देश पाकिस्तान को एक याचक की तरह लेते हैं जो जब देखो पैसा मांगता रहता है। भारत के खिलाफ लगातार किए जाने वाले पाकिस्तानी प्रलाप से अब इस्लामिक देश भी उकताने लगे हैं। अलबत्ता यह इमरान खान का अतिशय घमंड और अल्प ज्ञान है कि वे जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत को नीचा दिखाने के मंसूबे पाले हुए हैं, जबकि इन बातों ने तेल संपन्न अरब जगत के साथ पाकिस्तान के रिश्तों को बिगाड़ दिया है। इमरान खान ने अपने मंतव्यों की पूर्ति हेतु तुर्की, ईरान और मलेशिया के साथ अलग गठजोड़ बनाने की कोशिश करके अपने सबसे बड़े दानकर्ता सऊदी अरब को वाकई नाराज कर दिया है क्योंकि उक्त सभी मुल्कों को सऊदी अरब इस्लामिक जगत में अपने प्रभुत्व के लिए प्रतिद्वंद्वी मानता है। इमरान खान ने 'इस्लामिक उम्माह' (संयुक्त पंचायत) का आह्वान करते हुए जम्मू-कश्मीर के विषय पर संयुक्त कार्रवाई करवानी चाही थी, लेकिन यह प्रयास औंधे मुंह गिरा है। इस झोंक में उन्हें यह ख्याल तक नहीं रहा कि सदियों से इस्लामिक उम्माह में न केवल फारसी-अरबी और अरब-तुर्की के बीच वर्गीय प्रतिद्वंद्विता रही है बल्कि शिया-सुन्नी के मध्य सांप्रदायिक श्रेष्ठता को लेकर वैर रहा है। यह बात भी समझ से परे है कि मलेशिया के 93 वर्षीय महात्तीर समीर और अपने ही देश में अलोकप्रिय एवं घमंडी नेता कहे जाने वाले तुर्की के रेसेप एर्दोगान को साथ जोड़कर इमरान जिस तरह का नया इस्लामिक गुट बनाने जा रहे थे, वह अपने देश को कूटनीतिक रूप से दलदल में फंसाने जैसा है। हालांकि बाद में सऊदी अरब द्वारा सख्त नाराजगी दिखाने के बाद उन्हें अपना यह प्रस्ताव वापस लेना पड़ा है। जाहिर है इमरान खान को भारत और सऊदी अरब एवं यूएई के नेतृत्व वाले खाड़ी के अरब देशों के बीच रहे घनिष्ठ संबंधों के बारे में गहरी जानकारी नहीं थी। जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत को घेरने हेतु 53 सदस्यीय आर्गनाइज़ेशन ऑफ इस्लामिक कानफ्रेंस (ओआईसी) की बैठक को बुलाने का बार-बार आह्वान करने पर सऊदी अरब ने एक से ज्यादा बार इमरान खान को लताड़ा है। उनके वाचाल विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी मांग की थी कि सऊदी अरब को ओआईसी के विदेश मंत्रियों की अलग बैठक शीघ्र बुलानी चाहिए। इसके लिए कुरैशी ने धमकी भरे अंदाज में कहा था: 'अगर आप इस सभा को नहीं बुलाते हैं तो मैं प्रधानमंत्री इमरान को कहने को मजबूर हो जाऊंगा कि वह अपनी ओर से उन इस्लामिक देशों की बैठक बुलाएं जो कश्मीर के मामले और दबाए जा रहे कश्मीरियों पर हमारे साथ खड़े होने को तैयार हैं।' यह सब करते वक्त इमरान खान भूल गए लगते हैं कि पाकिस्तान की आर्थिकी सऊदी अरब और पश्चिमी देशों से मिलने वाली सालाना खैरात पर टिकी हुई है। पाकिस्तानी दुस्साहस पर भुनभुनाए सऊदी अरब ने त्वरित प्रतिकर्म करते हुए पाकिस्तान को दी जाने वाली 3.2 खरब डॉलर की तेल ऋण सहायता पर रोक लगा दी और मांग की कि पाकिस्तान पहले उधार ले चुके 3 खरब डॉलर चुकाए। जैसे ही सऊदी अरब ने यह घोषणा की तुरंत रावलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय में हड़कंप मच गया और इमरान खान एवं कुरैशी को दरकिनार करते हुए सेनाध्यक्ष कमर बाजवा ने पाकिस्तान में सऊदी अरब के राजदूत को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। इमरान खान ने प्रधानमंत्री मोदी से कोई शिक्षा नहीं ली, जिन्होंने खाड़ी देशों की यात्राएं कर सुल्तानों के साथ अच्छी दोस्ती कायम की है। सऊदी अरब और यूएई भारत को राजनयिक और आर्थिक मामलों में एक भरोसेमंद साझेदार की तरह लेते हैं। वहां की अग्रणी तेल कंपनियों ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में बनने वाली विशाल पेट्रोकेमिकल परियोजना में 60 खरब डॉलर का निवेश करने का निर्णय लिया है। ठीक इसी समय यह अरब मुल्क पाकिस्तान से इसलिए भी नाखुश हैं क्योंकि उसके 'सदाबहार दोस्त' चीन ने उनके शिया बहुल प्रतिद्वंद्वी ईरान के साथ 400 खरब डालर का आर्थिक सौदा किया है। आखिरकार वे ईरान को अपनी सुरक्षा के लिए मुख्य खतरा मानते हैं। इससे भी अधिक पाक के लिए जरूरी यह है कि सऊदी सल्तनत ने अपने यहां लाखों पाकिस्तानियों को रोजगार दे रखा है। डेमेज कंट्रोल के लिए पाक सेना प्रमुख जनरल बाजवा आननफानन में रियाद की यात्रा पर निकल गए ताकि सऊदी नेतृत्व से बातचीत कर मना सकें। लेकिन पाकिस्तान के इस 'समानांतर शासनाध्यक्ष' और साथ गए आईएसआई प्रमुख ले. जनरल फैज़ हमीद की अगवानी करने हवाई अड्डे पर एक भी बड़ा सऊदी सेना अधिकारी नहीं आया! रोचक बात यह है कि पाक मीडिया ने जनरल बाजवा की स्वागतहीन रियाद यात्रा की सभी खबरों को गोल कर दिया। ये महत्वपूर्ण घटनाएं इस बात की पुष्टि करती हैं कि भारत ने तेल संपन्न खाड़ी देशों में अपने राजनयिक पत्ते बहुत कुशलता से चले हैं। इस्लामिक देशों के साथ संबंध सुधारते हुए हमने सऊदी अरब, यूएई और अन्य खाड़ी मुल्कों से लेकर इराक, जॉर्डन और सीरिया तक अपने संबंध प्रगाढ़ किए हैं। ईरान के साथ भी हमारे संबंध मैत्रीपूर्ण हैं, सिवाय जम्मू-कश्मीर पर ईरान द्वारा अपनाई गई अप्रत्याशित एवं कम दोस्ताना नीति से उपजी खटास के। सबसे महत्वपूर्ण यह कि भारत ने इस्राइल के साथ मजबूत साझेदारी बनाई है जबकि ठीक इसी वक्त हम फिलीस्तीनियों द्वारा अपने लिए व्यावहारिक राज्य की मांग का भी समर्थन करते हैं। इन कदमों ने सुनिश्चित किया है कि भारत को एक मित्र-भरोसेमंद-क्षेत्रीय ताकत के तौर लिया जाए। हो सकता है इमरान खान फिर से अपनी पुराने विचारों पर अमल करते हुए उस अलग इस्लामिक गुट में दुबारा शिरकत करना चाहेंगे, जिसमें पहले-पहल ईरान, मलेशिया, तुर्की और पाकिस्तान थे। रिवायती तौर पर अरब देश तुर्की को लेकर ज्यादातर असहज ही रहे हैं। हालांकि अलग गुट के मुल्कों के पास नकदी का टोटा झेल रहे पाकिस्तान को देने के लिए आसान धन नहीं है। इमरान खान या जो कोई भी उनकी जगह लेगा, उसे अंततः घुटनों के बल क्षमायाचना करते हुए सऊदी अरब के साथ फिर से साझेदारी करने की गुहार लगानी ही पड़ेगी। जाहिर है सऊदी अरब भी इस बार दोस्ती बनाने की एवज में सख्त शर्तें रखेगा। पाक ने अब इतना तो सबक लिया होगा कि संकीर्ण और भारत विरोधी विदेश नीति से बहुत ज्यादा आसक्ति पालने का नतीजा है खुद की आर्थिक तबाही करवाना और राजनीतिक तौर पर अलग-थलग पड़ना।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

बेकारी

श्रीराम शर्मा आचार्य

कहावत है 'खाली दिमाग शैतान की दुकान'। यह कहावत उन सबके लिए है जो परिश्रम से जी चुराते हैं। परिश्रम के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा सा रहता है। अब तो विज्ञान भी मानने लगा है कि परिश्रम से जी चुराने से ही नाना प्रकार की बीमारियां पनपती हैं। परिश्रम चाहे व्यायाम का ही क्यों न हो, किन्तु करना अवश्य चाहिए। जो बेकार रहेगा, उसे शैतानी सूझेगी। बेकारी की समस्या इसीलिए खतरनाक नहीं मानी जाती कि उन दिनों आदमी कमाता नहीं, वरन मुख्यतया इसलिए उसे भयंकर मानते हैं कि बेकार आदमी को उत्पात ही सूझेंगी। बुराई का आज चारों ओर बाहुल्य है। बेकार आदमी सहज ही उस ओर आकर्षित होते हैं। कार्य में व्यस्त व्यक्ति फुरसत न मिलने के कारण बुराइयों से बचा रहता है पर बेकार आदमी के लिए तो सर्वनाश का द्वार खुला पड़ा है। बेकारी का कारण सदा काम का अभाव नहीं है। बहुधा आलस्य भी होता है। नौकरी के लिए दर-दर ठोकरें खाते फिरने वालों में से अधिकांश वे होते हैं, जो ऊंची आमदनी की, आरामतलब की, बिना मेहनत की नौकरी चाहते हैं, श्रम में जिनका जी दुखता है, मेहनत-मजदूरी से जिन्हें अपनी शान और इज्जत घटती मालूम होती है। उनके लिए बाबूगीरी की नौकरियां मिलना मुश्किल हो सकती हैं पर परिश्रम करने वाले के लिए काम की कहीं कमी नहीं है। हर आदमी को हर जगह काम मिल सकता है। बहुत न सही, पर थोड़ा-सा तो वह कमा ही सकता है। थोड़ी भी कमाई न हो तो समय की बेकारी तो किसी काम में लगे रहने से बच ही जाती है। खुराफात में मन दौड़ाने का अवसर नहीं मिलता, यह भी क्या कुछ कम लाभ है? पुरानी कहावत है कि 'कुछ न कुछ किया कर, कुछ न हो तो पाजामा उधेड़ कर सिया कर'। वक्त बेकार बातों में गंवाने की अपेक्षा अच्छा है कि पाजामा उधेड़ने और सीने की कला का अभ्यास होता रहे ओर उस कार्य में हाथ सध जाए। कारीगरों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। देश में उद्योग-धंधे बढ़ रहे हैं। उनमें कुशल कारीगरों की भारी कमी रहती है। उनमें आजीविका अच्छी मिलती है और स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। लोग मेहनतकश बनने को तैयार हों, तो उनकी शान-शेखी में ही थोड़ी कमी हो सकती है, पर लाभ उन्हें भी होगा और सारे समाज को भी।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

समान हक के लिए आम आदमी की जंग

लक्ष्मीकांता चावला

यह नहीं कहा जा सकता कि आज़ादी के बाद देश में विकास नहीं हुआ। बहुत से क्षेत्रों में हम स्वावलंबी हो गए। कभी दूसरे देशों से अन्न मांगने वाले आज हम दुनिया को अन्न देने में समर्थ हैं। देश की सुरक्षा के लिए जो कुछ चाहिए, वह सब देश ने अपने बलबूते पर बना लिया है। हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं। सच यह भी है कि स्वतंत्रता के पश्चात आज तक देश की महिलाओं ने भी शिक्षा, विज्ञान, ज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में शानदार कारनामे किए हैं, पर आम आदमी का शोषण अभी तक बंद नहीं हो सका। जो शोषण सरकारी स्तर पर होता है, वह ज्यादा दर्दनाक है। संविधान की शपथ लेकर सत्ता के शिखरों पर बैठने वाले यह भूल जाते हैं कि उनका पहला कर्तव्य उन लोगों तक अन्न, धन और जीवन की आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना है जो इस देश के कमजोर गरीब नागरिक हैं और जिनके वोटों से वे सत्ताधीश बने हैं। अब पंजाब का ही एक उदाहरण देखिए। कभी यह होड़ लग जाती है कि जो बुजुर्ग, बेसहारा, विधवाएं और अनाथ बच्चे हैं, उनकी पेंशन लगवाई जाए। पर उससे भी ज्यादा कुठाराघात आज की सरकार कर रही है। ऐसा ही काम सन् 2002 में सरकार में आते ही तत्कालीन और वर्तमान मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने किया था। एक ही झटके में लगभग पचास हजार लोगों को अयोग्य लाभार्थी कहकर उनकी पेंशन काट दी। एक प्रशासनिक अधिकारी को हजारों लोगों की जांच का काम दिया जाएगा तो ऐसा ही होगा। सरकारी तंत्र की सबसे बड़ी खामी यह रहती है कि उनके आंख-कान बंद रहते हैं। देखना, सुनना उनका विषय नहीं। इसी प्रकार मजदूरों का न्यूनतम वेतन कितने लोगों को मिल रहा है, पूरे देश में ही यह विडंबना है। पहले सरकार ठेकेदारों से काम करवाती है और फिर ठेकेदार आगे ठेकेदारी करते हैं। क्या देश की सरकार, सभी प्रांतों की सरकारें यह नहीं जानतीं कि प्राइवेट तंत्र को तो छोड़ दिया जाए, सरकारी तंत्र में कितना शोषण है, उसे रोकने या कम करने के लिए एक भी प्रयास नहीं। इसके साथ ही कोई सांसद, मंत्री या पूर्व सांसद, विधायक किसी बीमारी का इलाज देश-विदेश में या प्राइवेट अस्पतालों में करवाता है तो उस पर असीमित खर्च किया जाता है। क्या कोई विश्वास करेगा कि एक ही परिवार पर तीन करोड़ से ज्यादा चिकित्सा खर्च किया गया, लेकिन आमजन सरकारी अस्पतालों की दहलीज पर धक्के खाता और कभी-कभी बिना उपचार के ही मर जाता है। कभी सरकारी कर्मचारियों से पूछिए कि जब वे अपना मेडिकल बिल देते हैं तो उसमें से कितनी कटौती सरकार करती है और कभी-कभी तो वर्षों तक उन्हें खर्च किया धन नहीं मिलता। अगर सरकार यह तय करे कि जनप्रतिनिधियों का उपचार भी सरकारी अस्पताल में ही बिना खर्च होगा, प्राइवेट उपचार या विदेशों में उपचार उन्हें अपने खर्च पर ही करवाना पड़ेगा तब संभव है राज्यों के करोड़ों रुपये बच जाएं। पूरे देश में तो अरबों बच जाएंगे। जिस राशि को आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं देने में खर्च किया जा सकता है। एक और ज्वलंत समस्या। पूर्व विधायकों और सांसदों को तो जीवन भर के लिए पेंशन मिलती है। पेंशन मिलनी चाहिए, इसमें कोई बुरी बात नहीं, पर लाखों में पेंशन देना कहां का न्याय है, जबकि सरकारी कर्मचारियों को सन् 2004 के बाद पेंशन नहीं मिलेगी। कड़वे करेले पर नीम यह कि जो सीमाओं की रक्षा कर रहे अर्द्धसैन्य बल हैं, उनको भी सेवानिवृत्ति के बाद कोई पेंशन नहीं मिलेगी। यही आज का काला

कानून है। जो शहीद हो गया, उसी के परिवार को पेंशन। अध्यापकों को राष्ट्र निर्माता कहते हैं, पर पंजाब में उन्हें पेंशन देने को पंजाब सरकार तैयार नहीं।

सन् 2000 में मुख्यमंत्री बादल से बार-बार यूनियनों के पदाधिकारी मिलते रहे, पर बादल और उनके उच्चाधिकारी टस से मस नहीं हुए। इसी प्रकार नेशनल चाइल्ड लेबर प्रोजेक्ट के अंतर्गत काम करने वाले सैकड़ों अध्यापकों को अमृतसर में और भी कई नगरों में संभवतः देश के कई प्रांतों में दो वर्ष से ज्यादा समय से वेतन नहीं मिला। कुल मिलाकर चार वर्ष का वेतन सरकार की ओर से देय हैं। हमारे ग्रंथों में भी कहा गया है कि श्रमिक का पसीना सूखने से पहले उसे पारिश्रमिक दिया जाए, पर अपने यहां जो बड़े-बड़े कानून के ग्रंथ पढ़ सकते हैं, लाखों रुपये खर्च कर अदालत की शरण में जा सकते हैं, उनको तो समानता मिलती होगी, पर जिन बेचारों ने हजारों भी नहीं देखे, उनके लिए कोई समानता इस देश में नहीं है। प्रश्न यह है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी संविधान प्रदत्त समानता का अधिकार उनको क्यों नहीं मिला जो अपने साधनों से सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक जाकर अपने लिए समानता नहीं मांग सकते। समानता केवल दिवास्वप्न है।

वर्क फॉर होम करने वाले 90 प्रतिशत कर्मचारी हुए परेशान, जाना चाहते हैं ऑफिसः सर्वे

नई दिल्ली।

संपत्ति को लेकर परामर्श देने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया के एक सर्वेक्षण के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में घर से काम कर रहे लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारी कार्यालय के माहौल को याद करते हैं। सर्वेक्षण में कॉरपोरेट रियल एस्टेट क्षेत्र के ऊपर 'घर से काम' के प्रभाव का दो तरीके 'कर्मचारी अंतर्दृष्टि और लागत संरचना' से अध्ययन किया गया। नाइट फ्रैंक इंडिया की 'वर्क फ्रॉम होम एंड दी इंपैक्ट ऑन कॉरपोरेट रियल एस्टेट' रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल लगभग 90 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे घर से काम के इस दौर में कार्यालय के महौल को याद करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के सर्वाधिक 98 प्रतिशत कर्मचारी कार्यालय के माहौल को याद करते हैं। इसके बाद मुंबई में 94 प्रतिशत, बेंगलुरू में 91 प्रतिशत, चेन्नई में 90 प्रतिशत, पुणे में 88 प्रतिशत और हैदराबाद में 81 प्रतिशत लोग कार्यालय के माहौल को याद करते हैं। सर्वेक्षण में यह भी जानकारी सामने आयी कि 'घर से काम' के कारण उत्पादकता और काम की गुणवत्ता में गिरावट आयी है। इसमें शामिल 60 प्रतिशत लोगों ने कहा कि 'घर से काम' के चलते उनका समय बच रहा है, क्योंकि अब उन्हें कार्यालय नहीं जाना पड़ रहा है। नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, इस साल मार्च में लॉकडाउन लागू होने के साथ ही 'घर से काम' अनिवार्य हो गया। कोविड-19 का संक्रमण अभी भी जारी है और भारत में संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है, ऐसे में बहुत से लोग अभी भी घर से काम करना पसंद कर रहे हैं। हालांकि, जैसे-जैसे स्थिति सामान्य हो रही है और अर्थव्यवस्था खुल रही है, यह देखना होगा कि आने वाले समय में कितने कर्मचारी 'घर से काम' जारी रखना पसंद करते हैं।

इंडिगो ने कोच्चि-माले के बीच शुरू की विमान सेवा

नई दिल्ली। इंडिगो ने कोच्चि-माले मार्ग पर बृहस्पतिवार से उड़ान सेवा शुरू कर दी। भारत और मालदीव के बीच विशेष द्विपक्षीय उड़ान व्यवस्था के बीच यह उड़ान शुरू की गई है। विशेष द्विपक्षीय उड़ान समझौते (एयर बबल पैक्ट) के तहत दोनों देशों की विमानन कंपनियां तय मानकों और प्रतिबंधों के साथ विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन कर सकती हैं। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'इंडिगो ने आज से एयर बबल के तहत भारत और मालदीव के बीच उड़ान शुरू कर दी है। यह सप्ताह में दो दिन बृहस्पतिवार और रविवार को चलेगी।' इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक ने कहा, 'मालदीव के पर्यटन के लिए भारत एक प्रमुख बाजार है जबकि मालदीव से बड़ी संख्या में लोग भारत में स्वास्थ्य पर्यटन के लिए आते हैं।'इंडिगो के मुख्य वाणिज्यिक ने कहा, 'मालदीव के पर्यटन के लिए भारत एक प्रमुख बाजार है जबकि मालदीव से बड़ी संख्या में लोग भारत में स्वास्थ्य पर्यटन के लिए आते हैं।'

कमजोर मांग से सोयाबीन वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को सोयाबीन की कीमत 16 रुपये की हानि के साथ 3,926 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी। एनसीडीईएक्स में सोयाबीन के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 16 रुपये अथवा 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,926 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 26,795 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि वायदा कारोबार में कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को कम करने से सोयाबीन कीमतों में गिरावट आई। हालांकि, सोयाबीन के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत छह रुपये अथवा 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,894 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 38,255 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

कमजोर मांग से धनिया वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को धनिया की कीमत दो रुपये की हानि के साथ 6,800 प्रति क्विन्टल रह गयी। एनसीडीईएक्स में धनिया के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत दो रुपये अथवा 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,800 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 2,465 लॉट के लिए कारोबार हुआ। धनिया के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 32 रुपये अथवा 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,868 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी जिसमें 2,925 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्य रूप से यहां धनिया वायदा कीमतों की गिरावट आई।

कमजोर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को एल्युमीनियम की कीमत 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 145.10 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। एमसीएक्स में एल्युमीनियम के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 50 पैसे अथवा 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 145.10 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 622 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यत यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट आई। कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यत यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट आई।

युपी के वित मंत्री सुरेश खन्ना बोले, आर्थिक गतिविधियों में तेजी- अगस्त में राजस्व 600 करोड़ रुपए बढ़ा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा है कि राज्य ने लॉकडाउन के कारण हुए नुकसान से उबरते हुए अगस्त 2020 में 9545.21 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 600 करोड़ रुपये अधिक है। खन्ना ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण घोषित लॉकडाउन की वजह से अप्रैल, मई और जून में प्रदेश का राजस्व काफी घट गया था, लेकिन जुलाई से इसने रफ्तार पकड़ी। उन्होंने बताया, 'अगस्त 2019 में विभिन्न मदों के तहत 8942.76 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि अगस्त 2020 में इन मदों में कुल 9545.21 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले लगभग 600 करोड़ रुपये ज्यादा है।' उन्होंने इस आधार पर दावा किया कि राज्य की आर्थिक गतिविधियां पहले से बेहतर स्थिति में पहुंच रही हैं। वित्त मंत्री ने आगे बताया कि जीएसटी और वैट के तहत अगस्त 2019 में 5126.56 करोड रुपये का राजस्व मिला था, जो अगस्त 2020 में बढ़कर 5329.58 करोड़ रुपये हो गया है।

रॉकेट लांचर में अब टाटा का पावर, मिला 490 करोड़ रुपए का ठेका

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा पावर को रक्षा मंत्रालय से रॉकेट लांचर प्रणाली के लिये 490 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बीएसई को बताया कि मंत्रालय ने उसे दो पिनाका रेजीमेंट के लिये ठेका मिला है। पिनाका एक प्रकार की रॉकेट लांचर प्रणाली है। कंपनी ने कहा, 'हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कंपनी के रणनीतिक अभियांत्रिकी खंड ने रक्षा मंत्रालय के साथ पिनाका-3 अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं।' पिनाका मल्टी बैरल लांचर रॉकेट सिस्टम एक ऐसी प्रणाली है, जो हर मौसम में काम करने में दक्ष है और परोक्ष तरीके से प्रक्षेपण करने में सक्षम है।पिनाका मल्टी बैरल लांचर रॉकेट सिस्टमएक ऐसी प्रणाली है, जो हर मौसम में काम करने में जो हर मौसम में काम करने में दक्ष है और परोक्ष तरीके से प्रक्षेपण करने में सक्षम है।

ऋण को पूंजी में बदलने के बाद कॉरपोरेट दिवालिया प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकतीः एनसीएलएटी

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कहा है कि ऋण को कंपनी की इक्विटी की तरह पूंजी में बदलने के बाद दिवालिया प्रक्रिया को शुरू नहीं किया जा सकता है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह भी कहा कि कोई भी निवेश 'वित्तीय ऋण' नहीं हो सकता है और किसी वित्तीय ऋणदाता द्वारा सीआईआरपी की शुरुआत के लिए दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता की धारा सात के प्रावधान सिर्फ तभी लागू हो सकते हैं, जब मामले में कोई 'ऋण' और 'देनदारी से चूक' हो। सीआईआरपी कॉरपोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने इन टिप्पणियों के साथ ही राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें 26 नवंबर, 2019 को रीता कपूर की याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस याचिका में इन्वेस्टर्स केयर रियल

एस्टेट एलएलपी के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई थी।

कपूर का दावा था कि वह कंपनी में किए गए निवेश के आधार पर वित्तीय ऋणदाता थीं, और कंपनी ने कथित रूप से उन्हें वापस भुगतान करने में चूक की और ऋण को इक्विटी में बदल दिया। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान अपीलीय न्यायाधिकरण ने संहिता की धारा सात का हवाला देते हुए कहा कि यह स्पष्ट है कि एक बार 'ऋण' को 'पूंजी' में बदल दिया जाए, भुगतान करने में चूक की और ऋण को इक्विटी में बदल दिया। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान अपीलीय न्यायाधिकरण ने संहिता की धारा सात का हवाला देते हुए कहा कि यह स्पष्ट है कि एक बार 'ऋण' को 'पूंजी' में बदल दिया जाए, तो इसे 'वित्तीय ऋण' और अपीलकर्ता को 'वित्तीय ऋणदाता' नहीं कहा जा सकता है। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा कि इसलिए एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा कि इसलिए अपील को खारिज किया जाता है, हालांकि न्यायाधिकरण ने याचिकाकर्ता को उचित मंच पर अपील करने की इजाजत दी।

डीजल के दाम करीब छह महीने में पहली बार घटे, पेट्रोल के दाम नहीं बदले

नयी दिल्ली। डीजल की कीमतें करीब छह महीने में पहली बार बृहस्पतिवार को कम हुई। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने इसमें 16 पैसे प्रति लीटर की कटौती की है। कंपनियों की अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में अब डीजल की कीमत 73.40 रुपये प्रति लीटर हो गयी। पहले यह 73.56 रुपये प्रति लीटर थी वहीं पेट्रोल का दाम 82.08 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। डीजल की कीमतों में मध्य मार्च के बाद से यह पहली कटौती है। उस समय लॉकडाउन के चलते इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने 82 दिन के लिए इसकी कीमतों में बदलाव को रोक दिया था। इस दौरान उत्पाद शुल्क की बढ़ोतरी को इसमें समायोजित किया गया। बाद में सात जून को जब तेल कंपनियों ने दोबारा कीमतों में बदलाव शुरू किया तो 25 जुलाई तक डीजल के दाम में 12.55 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी। हालांकि 25 जुलाई से डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, सिवाय दिल्ली को छोड़कर जहां राज्य सरकार ने डीजली पर मूल्यवर्द्धित कर में 8.38 रुपये प्रति लीटर की कमी की थी। सात जून से 29 जून के बीच पेट्रोल की कीमतों में 9.17 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी हुई। उसके बाद इसमें विराम लग गया और फिर 16 अगस्त को इसकी कीमत में फिर बदलाव हुआ।

सुरक्षा, निगरानी, डेटा संबंधी चिंताओं को लेकर प्रतिबंधित किए गए 118 ऐपः प्रसाद

नई दिल्ली।

केंद्रीय दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जिन 118 मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगाये गये हैं, उनके साथ सुरक्षा, निगरानी और भारतीय उपयोक्ताओं (यूजरों) की सूचनाओं की गोपनीयता से संबंधित दिक्कतें थीं। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे देशों में से है, जहां मोबाइल ऐप सर्वाधिक डाउनलोड किये जाते हैं। अब सरकार ने 'मेड इन इंडिया' ऐप पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। प्रसाद ने अमेरिका-भारत रणनीतिक भागीदारी फोरम की एक आभासी संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा हमने आज ऐसे अन्य 118 ऐप को प्रतिबंधित कर दिया, जिनके साथ सुरक्षा, निगरानी और डेटा संबंधी दिक्कतें थीं। सरकार ने लोकप्रिय गेमिंग ऐप पबजी सहित चीन की कंपनियों से जुड़े 118 अन्य मोबाइल ऐप पर बुधवार को प्रतिबंध लगा दिया। इन्हें भारत की संप्रभुता, अखंडत, सुरक्षा और शांति-व्यवस्था के लिये खतरनाक मानते हुए इन पर पाबंदी लगायी गयी है। इससे चीन की कंपनियों से संबंधित जिन ऐप पर भारत में प्रतिबंध लगाया गया है, उनकी संख्या बढ़कर अब 224 हो गयी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बुधवार को प्रतिबंधित ऐप में बायदू, बायदू एक्सप्रेस एडिशन, अलीपे, टेनसेंट वॉचलिस्ट, फेसयू, वीचैट रीडिंग, गवर्नमेंट वीचैट, टेनसेंट वेयुन, आपुस लांचर प्रो, आपुस सिक्योरिटी, कट कट, शेयरसेवा बाइ श्याओमी और कैमकार्ड के अलावा पबजी मोबाइल और पबजी मोबाइल लाइट शामिल हैं। बयान में कहा गया कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय को विभिन्न स्रोतों से कई शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों में एंड्रॉयड व आईओएस जैसे प्लेटफॉर्म पर मौजूद कुछ मोबाइल ऐप के उपयोक्ताओं (यूजरों) का डेटा चुराकर देश से बाहर के सर्वरों पर भंडारित किये जाने की रपटें भी शामिल हैं। बयान में कहा गया इन सूचनाओं का संकलन, इनका विश्लेषण आदि ऐसे तत्व कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की रक्षा के लिये खतरा हैं। यह अंततः भारत की संप्रभुता और अखंडता पर जोखिम उत्पन्न करता है। यह बेहद गंभीर मसला है, जिसके लिये त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता थी। प्रसाद ने इस बीच बताया कि सैमसंग, अनुबंध पर विनिर्माण करने वाली कंपनियों समेत कई अन्य कंपनियों ने आने वाले पांच साल में भारत में 153 अरब डॉलर के मोबाइल फोन व कल-पुर्ज बनाने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'यह इस चुनौतीपूर्ण समय में भी भारत की संभावनाएं बताता है।' उन्होंने कहा, जैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, हम अगले एक हजार दिन के भीमर छह लाख गांवों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ने वाले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक लाख गांवों को डिजिटल गांव के रूप में तैयार करना चाहती है। उन्होंने अमेरिका की कंपनियों से कुछ गांवों का चयन करने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में उनका सलाह देने का भी अनुरोध किया।

एपीआई ने मायलन के तेलंगाना संयंत्र को चेतावनी पत्र जारी किया, कंपनी ने कहा- कोई असर नहीं होगा

हैदराबाद। अमेरिकी खाद्य एवं दवा नियामक ने मायलन लैबोरेटरीज लिमिटेड के तेलंगाना स्थित संयंत्र को चेतावनी पत्र जारी किया है। यह चेतावनी पत्र सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) के लिए बनाए गए गुणवत्ता के मानक सीजीएमपी से विचलन के लिए जारी किया गया है। अमेरिकी दवा नियामक ने एक सितंबर को जारी पत्र में कहा कि एफडीए जांच के दौरान संयंत्र में कमियां पाई गईं, वहां सामग्रियों को दूषित होने से रोकने के लिए पर्याप्त सफाई के इंतजाम नहीं थे और ऐसे में एपीआई की गुणवत्ता बदल सकती है। वहां सामग्रियों को दूषित होने से रोकने के लिए पर्याप्त सफाई के इंतजाम नहीं थे और ऐसे में एपीआई की गुणवत्ता बदल सकती है। एफडीए ने 24 फरवरी से 28 फरवरी 2020 के बीच इस संयंत्र का निरीक्षण किया था। इस चेतावनी पत्र के जवाब में माइलन ने कहा कि संयंत्र में विनिर्माण या वितरण में किसी भी रुकावट की आशंका नहीं है। साथ ही कंपनी ने कहा कि इसका उसके कारोबार पर कोई असर होने की आशंका नहीं है। साथ ही कंपनी ने कहा कि इसका उसके कारोबार पर कोई असर होने की आशंका नहीं है।

बिजली मांग में बढ़ोतरी को पूरा करने की तैयारी में उत्तर प्रदेशः मंत्री श्रीकांत शर्मा

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा है कि राज्य में बिजली पारेषण क्षमता को बढ़ाने की तैयारी की जा रही है, क्योंकि अगली गर्मियों तक बिजली की मांग 26,500 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने एक बयान में गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश पारेषण निगम लिमिटेड (यूपीटीसीएल) के अधिकारियों को राज्य में बिजली की बेरोकटोक आपूर्ति के लिए 50 नए बिजली पारेषण उपकेंद्र चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। इस समय राज्य में लगभग बिजली 550 उपकेंद्र हैं। शर्मा ने कहा, 'इस साल अधिकतम मांग 23,419 मेगावाट थी, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अगली गर्मियों (सीजन) तक अधिकतम मांग 26,500 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। हम अपने नेटवर्क में लगातार सुधार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि ऐसे में आयात क्षमता को बढ़ाकर 14000 मेगावाट और पारेषण क्षमता को 28000 मेगावाट तक किया जाएगा। शर्मा ने आगे कहा कि 50 नए उपकेंद्रों को लगाने का काम जून 2021 तक पूरा हो जाएगा, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक ट्रिपिंग और कम वोल्टेज की समस्या से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए भी कड़े उपाए किए हैं।

न्यायालय में याचिकाकर्ताओं ने स्थगित किस्त पर ब्याज लगाने को 'जुर्माने' के समान बताया

नई दिल्ली।

कोविड-19 संकट के समय ऋणों की मासिक किस्त स्थगन की अवधि पर ब्याज वसूले जाने को उच्चतम न्यायालय के समक्ष कर्जदारों और विभिन्न प्रतिनिधि संस्थाओं ने बुधवार को 'दंडात्मक' कार्रवाई बताते हुए इसका विरोध किया। मामले में विभिन्न याचिकाओं पर न्यायालय ने बुधवार को अंतिम सुनवाई शुरू की। इससे पहले शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से ऋण किस्त स्थगन (मोरेटोरियम) की अवधि के दौरान मासिक किस्त पर ब्याज वसूले जाने के फैसले की समीक्षा करने के लिए कहा था केंद्र और रिजर्व बैंक ने न्यायालय को सूचित किया कि ऋण किस्त स्थगन अवधि की मासिक किस्तों पर ब्याज से छूट देना 'वित्त के साधारण नियमों' के खिलाफ होगा। साथ ही यह उन लोगों के साथ अन्याय होगा जिन्होंने समय पर किस्तों का भुगतान किया। सरकार और केंद्रीय बैंक ने कहा कि रिजर्व बैंक पहले ही अधिक दबाव वाले चुनिंदा कर्जदारों के लिए पहले ही स्थगन अवधि को दो साल तक बढ़ाने की योजना पेश कर चुका है। इसका फैसला संबंधित बैंक कर्जदार की स्थिति का जायजा लेकर कर सकते हैं। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव दत्ता ने याचिकाकर्ता गजेंद्र शर्मा की ओर से कहा, 'बैंक ऋणों का पुनर्गठन करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वह मोरेटोरियम योजना के तहत स्थगित मासिक किस्तों पर ब्याज लगाकर ईमानदार कर्जदारों को दंडित नहीं कर सकते।' पीठ में न्यायमूर्ति आर. एस. रेड्डी और न्यायमूर्ति एम. आर. शाह भी शामिल हैं। दत्ता ने पीठ से कहा, 'स्थगन अवधि के दौरान स्थगित किस्तों पर ब्याज लेना योजना का लाभ लेने वाले कर्जदारों पर 'दोहरी मार' है।' गजेंद्र शर्मा पर एक बैंक का आवास ऋण है। उनकी ओर से पेश दत्ता ने कहा, 'आरबीआई यह योजना लाया और हमने सोचा कि हम किस्त स्थगन अवधि के बाद ईएमआई भुगतान करेंगे, बाद में हमें बताया गया कि चक्रवृद्धि ब्याज लिया जाएगा। यह हमारे लिए और भी मुश्किल होगा, क्योंकि हमें ब्याज पर ब्याज देना पड़ेगा।' उन्होंने आगे कहा उन्होंने (आरबीआई) बैंकों को बहुत अधिक राहत दी है।

लेकिन असल मायनों में हमें कोई राहत नहीं दी गई।' उन्होंने कहा मेरी (याचिकाकर्ता) तरफ से कोई चूक नहीं हुई और एक योजना का हिस्सा बनने के लिए ब्याज पर ब्याज लेकर हमें दंडित नहीं किया जा सकता।

ऑडिटर ने डीएचएफएल में 17,394 करोड़ रुपये का गलत तरीके से लेन-देन पाया

नई दिल्ली।

कर्ज में डूबी आवास ऋण देने वाली डीएचएफएल में वित्त वर्ष 2006-07 से 2018-19 के दौरान 17,394 करोड़ रुपये के कथित तौर पर गलत तरीके से लेन-देन किये गए। ऑडिटर ग्राथोर्नटन ने यह बात उठाई है। इस साल की शुरूआत में दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत नियुक्त दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लि. (डीएचएफएल) के प्रशासक ने कंपनी के मामलो की जांच के लिये ग्रांट थोर्नटन की सेवा ली। पिछले साल, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने कंपनी को ऋण शोधन समाधान के लिये स्वीकार किया था। पीठ ने इंडियन ओवरसीज बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ आर एस कुमार को कंपनी का प्रशासक नियुक्त किया था। शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि शुरूआती अनुमान में संबंधित लेन-देन 14,046 करोड़ रुपये का आंका गया है। यह अनुमान एनसीएलटी के समक्ष पेश आवेदन में शामिल है। 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार यह राशि कंपनी के बही-खाते में बकाये के रूप में है। 30 जून, 2019 की स्थिति के अनुसार यह राशि कंपनी के बही-खाते में बकाये के रूप में है। इसके अलावा 3,348 करोड़ रुपये का नुकसान कुछ इकाइयों को दिये गये कर्ज पर कम ब्याज लगाने के कारण हुए नुकसान में रूप में अनुमानित है। लेन-देन की जांच कर रहे ऑडिटर ग्रांट थोर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार संबंधित लेन-देन वित्त वर्ष 2006-07 से 2018-19 के दौरान हुए थे।

2019 में करीब 43,000 किसानों और दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या कीः एनसीआरबी

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 2019 में करीब 43,000 किसानों और दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या की। वर्ष के दौरान देशभर में कुल 1,39,123 लोगों ने आत्महत्या की। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष के दौरान 32,563 दिहाड़ी मजदूरों ने अपना जीवन समाप्त कर लिया। कुल मामलों में यह संख्या लगभग 23.4 प्रतिशत रही। वहीं एक साल पहले 2018 में यह संख्या 30,132 थी। एनसीआरबी आंकड़ों के मुताबिक 2019 में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10,281 लोगों (जिसमें 5,957 किसान और 4,324 खेतिहर मजदूर शामिल हैं) ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में 2019 के आत्महत्या के कुल 1,39,123 मामलों का 7.4 प्रतिशत है। इससे पहले 2018 में खेती किसानी करने वाले कुल 10,349 लोगों ने आत्महत्या की थी। यह संख्या उस साल के कुल आत्महत्या के मामलों का 7.7 प्रतिशत थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत कार्य करने वाले, एनसीआरबी ने कहा कि वर्ष 2019 में आत्महत्या करने वाले 5,957 किसानों में से 5,563 पुरुष और 394 महिलाएं थीं। वहीं वर्ष के दौरान आत्महत्या करने वाले कुल 4,324 खेतिहर मजदूरों में से, 3,749 पुरुष और 575 महिलाएं थीं। आंकड़ों के मुताबिक आत्महत्या करने वाले सबसे ज्यादा किसान महाराष्ट्र से (38.2 प्रतिशत), कर्नाटक (19.4 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (10 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (5.3 प्रतिशत) और छत्तीसगढ़ और तेलंगाना हालांकि, एनसीआरबी ने कहा कि पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, उत्तराखंड, मणिपुर, केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, दमन और दीव, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुदुचेरी से किसानों के साथ-साथ खेतिहर मजदूरों की 'आत्महत्या का कोई मामला नहीं रहा है।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैनचेस्टर सिटी के मालिकों ने फ्रांस के क्लब को खरीदा

मैनचेस्टर । फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी के अबु धाबी के मालिकों ने गुरुवार को फ्रांस की दूसरी डिविजन की टीम ट्रॉयेस के रूप में 10वें क्लब को खरीदने की घोषणा की। सिटी फुटबॉल ग्रुप (सीएफजी) पिछले मालिक डेनियल मेसोनी की हिस्सेदारी खरीदने के बाद ट्रॉयेस में बहुमत शेयरधारक बन गया है। सीएफजी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फेरान सोरियानो ने कहा, 'फ्रांस की फुटबॉल टीमों में पिछले कुछ समय से हमारी रुचि थी और हम ईएसटीएसी (ट्रॉयेस) पर गौर कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'हमें खुशी है कि हमने 10वें क्लब के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली और हम फ्रांस में हमारी स्थाई मौजूदगी है। उन्होंने कहा, 'हमें खुशी है कि हमने 10वें क्लब के अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली और हम फ्रांस में हमारी स्थाई मौजूदगी है।

शतरंज

भारतीय शतरंज का भविष्य - निहाल सरीन और प्रग्गानंधा !

नई दिल्ली ।

देश का भविष्य उसकी आने वाली पीढ़ी पर निर्भर करता है। भारतीय शतरंज टीम का भविष्य कहे जा रहे दुनिया के सबसे युवा ग्रांड मास्टरों मे शामिल 15 वर्षीय आर प्रग्गानंधा और 16 वर्षीय निहाल सरीन नें भारतीय शतरंज टीम को पहला शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक जीतने मे खास भूमिका अदा की , विश्व शतरंज संघ द्वारा जूनियर खिलाड़ियों को टीम मे शामिल करने का सबसे बड़ा फायदा भारत को ही हुआ । दोनों खिलाड़ियों नें मिलकर पूरे टूर्नामेंट मे भारत के लिए 13 मैच मे 10.5 अंक बनाए और एक बेहद परिपक्व खिलाड़ी की तरह खेले । आइये देखते है कैसा रहा इन दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन । बात करे प्रग्गानंधा की तो ग्रुप चरण मे वह टीम के सबसे बड़े खिलाड़ी बनाकर उभरे और 5 मे से 5 अंक बनाकर उन्होने चीन के खिलाफ जीत मे बड़ी भूमिका निभाई । सेमी फाइनल मे पोलैंड के खिलाफ वह एक बाजी हारे तो फाइनल मे रूस के खिलाफ उन्होने बाजी ड्रॉ खेली कुल मिलाकर उन्होने 7 मैच से टीम के लिए 5.5 अंक जुटाये मुझे बेहद खुशी है की मैं इस टीम का हिस्सा हूँ विश्वनाथन आनंद और अन्य सभी सीनियर के साथ खेलना एक सपना था ,कप्तान विदित गुजराती और उपकप्तान श्रीनाथ नारायणन नें मुझे बहुत सहयोग किया और जिस तरह से हमें प्रशंसको को प्यार मिला वह असाधारण था । निहाल सरीन की बात करे तो ग्रुप चरण मे निहाल नें 4 मैच खेलकर दो जीते दो ड्रॉ खेले जबकि क्वाटर फाइनल मे उन्होने अर्मेनिया के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत दर्ज की तो पोलैंड के महत्वपूर्ण जीत दर्ज की तो पोलैंड के खिलाफ भी सेमी फाइनल मे वह जीते जबकि फाइनल मे रूस के खिलाफ उनकी बाजी रद्द हुई तो उस लिहाज से देखे तो निहाल पूरे टूर्नामेंट मे अविजित रहे और कुल 6 मैच खेलकर 5 अंक बनाए । उन्होने अर्मेनिया के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत दर्ज की तो पोलैंड के खिलाफ भी सेमी फाइनल मे वह जीते जबकि फाइनल मे रूस के खिलाफ उनकी बाजी रद्द हुई तो उस लिहाज से देखे तो निहाल पूरे टूर्नामेंट मे अविजित रहे और कुल 6 मैच खेलकर 5 अंक बनाए । मैं अपनी पूरी टीम को इस असाधारण उपलब्धि के लिए बधाई देता हूँ हमारी टीम मे हर किसी नें शानदार शतरंज खेला और हम जीत के हकदार थे ,मेरे लिए सम्मान की बात है की मैं महान खिलाड़ियों से भरी इस टीम का हिस्सा बन सका खासतौर आनंद जी का टीम मे होना एक सपना है ।

होटल नहीं किराए के घर में रह रहे जोकोविच, इतने लाख रुपए है किराया

न्यूयार्क ।

नोवाक जोकोविच ने अपने शानदार करियर में अब तक 14 करोड़ डॉलर के अलावा विज्ञापनों से भी कई करोड़ डॉलर कमाये हैं और ऐसे में अगर वह यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दौरान होटल के बजाय किराए पर बड़ा घर लेकर ले रहे हैं तो कोई हैरानी की बात नहीं। वह 2 पखवाड़े (दो सप्ताह) तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए 40,000 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपए) किराया दे रहे हैं लेकिन उनके शब्दों में इससे मिलने वाले आराम की कोई लागत नहीं है। जोकोविच ने दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद कहा, 'जैसे ही हमें होटल के बजाय के किसी घर में रहने का विकल्प दिया गया, मैंने तुरंत इस पर अमल किया। मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। उन्होंने कहा, 'किसी भी खिलाड़ी के पास ऐसा मौका था। यह केवल शीर्ष खिलाड़ियों के लिए ही विशेषाधिकार नहीं था। कोई भी पैसा खर्च करके किराए के घर में रह सकता था। मैं जानता हूं कि बहुत कम खिलाड़ी किराए पर घर लेकर रह रहे हैं लेकिन यह अपनी पसंद है। इस साल कोरोना वायरस के बावजूद यूएस ओपन में भाग ले रहे अधिकतर खिलाड़ियों ने आधिकारिक टूर्नामेंट होटल में ठहरने को प्राथमिकता दी। अमेरिकी टेनिस संघ उसमें प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक कमरे का भुगतान कर रहा है। यदि कोई खिलाड़ी अपने सहयोगी के लिए अलग से कमरा चाहता है तो उसका भुगतान उसे करना होगा। जोकोविच सहित 8 खिलाड़ियों ने लांग आइलैंड में पूरा घर किराए पर लिया है। इनमें सेरेना विलियम्स और मिलोस राओनिच भी शामिल हैं।

होटल के कमरे से खुश नहीं थे सुरेश रैना, इस कारण आ गए वापस; खिलाड़ी ने दिया जवाब

स्पोर्ट्स डेस्क । पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल शुरू होने से पहले ही निजी कारणों के चलते चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़कर वापस लौट आए हैं। चेन्नई की टीम के 13 सदस्यों जिसमें एक क्रिकेटर भी शामिल था, के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उन्होंने ये फैसला लिया। अब रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं रैना को दुबई के होटल में जो कमरा मिला था वह उससे खुश नहीं थे जिस कारण उन्होंने ऐसा कदम उठाया। इस पर खिलाड़ी ने चुप्पी तोड़ते हुए इन बातों को मनगढ़ंत कहानियां बताया है। रैना ने एक न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान कहा, ये सभी मनगढ़ंत कहानियां हैं और जो कोई भी मुझे जानता है, उन्हें पता है कि ये सभी कहानियां हैं जो उन लोगों द्वारा रची गई हैं जो मुझे या चेन्नई सुपर किंग्स को सफल नहीं होने देना चाहते हैं। इस दौरान खिलाड़ी ने अपनी वापसी का इशारा देते हुए कहा कि आप नहीं जानते, क्या पता आप मुझे फिर से शिविर में देखें। पहले मुझे यहां अपनी जिम्मेदारियों का ध्यान रखना है और फिर तैयार हूं। यूएई से वापस आने और अपनी टीम को अकेला छोड़ने पर रैना ने कहा कि ये उनका निजी फैसला था और मैं अपने परिवार की खातिर वापस आया हूं। उन्होंने कहा, कुछ ऐसा था जिसे घरेलू मोर्चे पर तुरंत संबोधित करने की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा, चेन्नई भी मेरा परिवार है और माही भाई (महेंद्र सिंह धोनी) मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और ये मेरे लिए बेहद मुश्किल फैसला था लेकिन परिवार के कारण मुझे वापस आना पड़ा।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर का दावा- नस्लवाद के कारण करने वाला था आत्महत्या

लंदन ।

इंग्लैंड के पूर्व अंडर-19 कप्तान अजीम रफीक ने दावा किया कि जब वह काउंटी टीम यार्कशर में थे तो नस्लवाद के कारण वह आत्महत्या करने के बारे में भी सोचने लगे थे। रफीक ने क्लब पर संस्थागत रूप से नस्लवादी होने का आरोप लगाया। कराची में जन्में इस ऑफ स्पिनर ने क्लब में कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाली। उन्होंने कहा कि उन्हें बाहरी व्यक्ति (आउटसाइडर) जैसा लगता था और 2016 से 2018 के बीच खेलने के दौरान जब उन्होंने नस्ली व्यवहार की शिकायत की तो उनकी शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया गया जिसके बाद उनका मानवता से भरोसा ही उठ गया। रफीक ने कहा, 'मैं जानता हूं कि मैं यार्कशर में अपने खेलने के दिनों के दौरान आत्महत्या करने के कितने करीब था। मैं अपने परिवार के 'पेशेवर क्रिकेटर के सपने को साकार कर रहा था लेकिन अंदर से मैं मर रहा था। मैं काम पर जाते हुए डरता था। मैं हर दिन दर्द में रहता था। उन्होंने साथ ही क्लब में 'संस्थागत नस्लवाद का दावा किया जिसने अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। उनतीस साल के इस खिलाड़ी ने कहा, 'स्टाफ में कोई कोच नहीं था जो इस बात को समझ सकता कि यह कैसा महसूस होता है। रफीक ने कहा, 'जो परवाह करता है, यह किसी के लिये भी स्पष्ट है कि इसमें समस्या है। क्या मैं सोचता हूं कि वहां संस्थागत नस्लवाद होता था? मेरी राय में यह तब शिखर पर थी। यह पहले से कहीं ज्यादा बदतर थी। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि क्लब संस्थागत नस्लवादी है और मुझे नहीं लगता कि वे इस तथ्य को स्वीकारने के लिए तैयार हैं या फिर इसमें बदलाव के इच्छुक हैं। क्लब के बोर्ड के एक सदस्य ने रफीक से बात की और इस मामले में रिपोर्ट दायर की जायेगी। रफीक ने कहा, 'किसी ने मुझे एक हफ्ते पहले फोन किया। यह पहले ही स्पष्ट कर दिया गया कि हमारे बीच की बातचीत दोस्त की तरह है और यह अधिकारिक वार्ता नहीं है। अब ऐसा लगता है कि यह दिखाने का प्रयास था कि वे कुछ कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो मैं काफी गुमराह महसूस कर रहा हूं। रफीक ने कुछ वाकयों का भी जिक्र किया जिसमें क्लब नस्लवादी बर्ताव के खिलाफ कोई कदम उठाने में नाकाम रहा। उन्होंने यह भी दावा किया कि यार्कशर ने उनके मृत पैदा हुए बेटे की मौत का हवाला देते हुए उन्हें क्लब से रिलीज कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अपने (मृत पैदा हुए) बेटे को अस्पताल से सीधा अंतिम संस्कार के लिए ले गया। यार्कशर ने मुझे कहा कि वे पेशेवर और व्यक्तिगत तौर पर मेरी देखभाल करेंगे। यार्कशर ने मुझे कहा कि वे पेशेवर और व्यक्तिगत तौर पर मेरी देखभाल करेंगे। यार्कशर ने मुझे कहा कि वे पेशेवर और व्यक्तिगत तौर पर मेरी देखभाल करेंगे। लेकिन मुझे सिर्फ एक छोटा सा ईमेल मिला। मुझे कहा गया कि मुझे रिलीज कर दिया गया है। मुझे लगता है कि इसे सचमुच मेरे खिलाफ लिया गया। यह जिस तरह से किया गया, वह भयावह है।

संक्षिप्त समाचार

लंबी बीमारी के बाद इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर डेविड कैपल का निधन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर डेविड कैपल का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। कैपल को 2018 में ब्रेन ट्यूमर हुआ था। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 15 टेस्ट मैचों में 374 रन, 23 वनडे मुकाबलों में 327 रन और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के 313 मुकाबलों में 12202 रन बनाए थे। प्रथम श्रेणी में उन्होंने 16 शतक और 72 अर्धशतक जड़े है। 1998 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह 2006 में नॉर्थम्पटनशायर के मुख्य कोच बने। इसके अलावा कैपल बंगलादेश की महिला टीम के मुख्य कोच भी बने और 2013 में उन्होंने इंग्लैंड महिला टीम के सहायक कोच की भूमिका अदा की। इस साल मई में उन्हें नॉर्थम्पटनशायर के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने कहा, 'कैपल के निधन की खबर चौंकाने वाली है और यह खबर इंग्लिश क्रिकेट के लिए काफी दुखभरी है। वह अपने समय के बेहतरीन ऑलराउंडर में से एक थे। मुझे उनके साथ खेलने का मौका मिला था। मैं उनकी दोस्ती को याद करूंगा।

हैदराबाद एफसी ने आस्ट्रेलियाई फारवर्ड जोएल चियानीज से करार किया

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग की टीम हैदराबाद एफसी ने टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिये गुरूवार को आस्ट्रेलियाई फारवर्ड जोएल चियानीज से करार करने की घोषणा की। तीस साल का आस्ट्रेलियाई करार से पहले ए-लीग टीम पर्थ ग्लोरी के लिये खेल रहा था जो 2019-20 सत्र के हाल में समाप्त हुए प्लेआफ के सेमीफाइनल में पहुंची थी। चियानीज ने विज्ञप्ति में कहा, ''मैं हैदराबाद एफसी से जुड़ने के लिये काफी उत्साहित हूं। मैं टीम के साथियों से मिलने और क्लब में हर किसी के साथ काम करने को तैयार हूं। अभी तक मुझे जो सारे संदेश मिले हैं, वो काफी सकारात्मक रहे हैं इसलिये मुझे महूसस हो रहा है कि मेरा अभी से ही स्वागत किया जा रहा है।

पहाड़ी से गिरकर इस भारतीय खिलाड़ी की हुई मौत, सदमे में क्रिकेट जगत

नासिक। महाराष्ट्र के पूर्व रणजी खिलाड़ी शेखर गाव्ली की ट्रैकिंग के दौरान पहाड़ी से गिरकर मौत हो गई। वह 45 वर्ष के थे। गाव्ली ने 1990 और 2000 के दशक में महाराष्ट्र के लिए दो प्रथम श्रेणी मैच खेले थे। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने ट्वीट कर कहा, 'एक दुखद घटना में हमारे पूर्व खिलाड़ी और महाराष्ट्र टीम के मौजूदा ट्रेनर गाव्ली की मौत हो गयी। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ है। इस दुख की घड़ी में हम शोकाकुल परिवार के साथ है। वह अपने कुछ दोस्तों को साथ मंगलवार की शाम नासिक के इगातपुरी के वेस्टर्न घाट पहाड़यिों में ट्रैकिंग करने गए थे। वह फिलहाल महाराष्ट्र अंडर- 23 टीम के फिटनेस ट्रेनर थे।वह फिलहाल महाराष्ट्र अंडर- 23 टीम के फिटनेस ट्रेनर थे।

टी20 श्रृंखला के साथ फिर शुरू होगी ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता

साउथम्पटन ।

कोरोना वायरस महामारी के कारण टी20 विश्व कप के रोमांच से महरूम रहे क्रिकेट प्रशंसकों को आगामी दिनों में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच टी20 श्रृंखला के साथ क्रिकेट का नया रोमांच देखने को मिलेगा। टी20 विश्व रैंकिंग में शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाली इस श्रृंखला के काफी रोमांचक होने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया दुनिया की नंबर एक टीम है और इंग्लैंड के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है। दोनों टीमों के पास दुनिया के कुछ सबसे आक्रामक बल्लेबाज और तेज गेंदबाज हैं। अगला टी20 विश्व कप अब अक्टूबर-नवंबर 2021 में भारत में होगा और इसके संदर्भ में आस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने कहा, 'उम्मीद करता हूं कि यह फाइनल की झलक होगा। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिद्वंद्विता हमेशा रोमांचक होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता की आप किसके सामने खेल रहे हैं या कहां खेल रहे हैं। अगर आप सड़क पर भी खेल रहे हैं तो भी रोमांच होगा। साउथम्पटन के रोज बाउल में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला की शुरुआत शुक्रवार से होगी और कोविड-19 से जुड़ी पाबंदियों के बीच यह श्रृंखला खाली स्टेडियम में खेली जाएगी। इंग्लैंड की टीम के लिए हालांकि खाली स्टेडियम में खेलना अब नई चीज नहीं है। टीम महामारी के बावजूद वेस्टइंडीज, आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सभी प्रारूपों में श्रृंखला खेल चुकी है। ऑस्ट्रेलिया इस कड़ी में इंग्लैंड पहुंचने वाली अगली टीम है और जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेगी। यहां 11 दिन पहले पहुंचने के बाद आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने या तो अभ्यास किया है या फिर होटल में समय बिताया है। पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की टी20 श्रृंखला 1-1 से बराबरी रही लेकिन इससे मेजबान टीम को आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला की तैयारी करने का अच्छा मौका मिला। इंग्लैंड की टी20 टीम जोस बटलर, जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड की वापसी से मजबूत हुई है। लेकिन टीम को आलराउंडर बेन स्टोक्स और सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय की कमी खल सकती है। स्टोक्स कैंसर से पीड़ित अपने बिता के पास न्यूजीलैंड लौट गए हैं जबकि रॉय की बायीं तरफ की मांसपेशियों में खिचाव है।

खेल रत्न पुरस्कार पर बबीता फोगाट ने दिया सुझाव, खिलाड़ी के नाम पर रखा जाए अवॉर्ड

चंडीगढ़।

भारतीय पहलवान बबीता फोगाट ने बुधवार को कहा कि राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम किसी प्रतिष्ठित खिलाड़ी के नाम पर रखा जाना चाहिए। बबीता ने ट्वीट किया, 'खेल से जुड़े पुरस्कार किसी महान या सम्मानित खिलाड़ी के नाम पर होने चाहिए और किसी राजनेता के नाम पर नहीं। उन्होंने कहा, 'राजीव गांधी खेल रत्न का नाम बदलकर किसी खिलाड़ी के नाम पर रखने के सुझाव आपको कैसा लगा। संवाददाताओं ने जब इस मुद्दे पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी तो बबीता ने कहा, 'खेल रत्न पुरस्कार का नाम राजीव गांधी के नाम पर रखा गया है।

इसकी जगह यह किसी खिलाड़ी के नाम पर होता तो अधिक उपयुक्त होता। उन्होंने कहा, 'हमारे देश में इतने सारे ओलंपिक और विश्व चैंपियन हैं और खिलाड़ी भी पुरस्कार लेते हुए अधिक गौरवांवित और प्रेरित महसूस करेंगे अगर ये किसी प्रतिष्ठित खिलाड़ी के नाम पर होगा। खेल रत्न देश का सर्वोच्च खेल सम्मान है और इसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर रखा गया है।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनना चाहती हूं : महिला हॉकी स्ट्राइकर नवजोत

बेंगलुरू । भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर नवजोत कौर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को देते हुए कहा कि वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनना चाहती हैं। भारतीय अग्रिम पंक्ति की महत्वपूर्ण खिलाड़ी नवजोत ने कहा, 'किसी भी हॉकी टीम के लिये फिनिशर की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और मुझे खुशी है कि मुझे मेरी साथियों के बनाए गए मौकों को भुनाने का अवसर दिया गया है। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'इस काम के साथ काफी दबाव भी जुड़ा है लेकिन मैंने अब तक इस चुनौती का पूरा लुत्फ उठाया है। मैं अपनी तकनीक पर काम जारी रखना चाहती हूं और उम्मीद है कि एक दिन मैं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फिनिशर बनूंगी। भारत की तरफ से अब तक 172 मैच खेलने वाली नवजोत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया जो शुरू से चाहते थे कि उनके तीनों बच्चे खेलों से जुड़ें । नवजोत ने कहा, 'अगर मुझे अपने माता पिता विशेषकर पिताजी का सहयोग नहीं मिलता तो आज मैं जहां हूं वहां नहीं पहुंच पाती। मेरे पिताजी ने मुझे स्कूल में हॉकी खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

केकेआर के कोच अभिषेक नायर बोले- खिलाड़ी यूएई के वातावरण में ढल रहे हैं

धाबी।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच अभिषेक नायर का कहना है कि खिलाड़ी तेजी से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के वातावरण में ढल रहे हैं।आईपीएल के 13वें सत्रा का आयोजन यूएई में 19 सितंबर से 10 नवंबर तक होना है और इसी को देखते हुए केकेआर के खिलाड़ियों ने अबु धाबी के शेख जैयद स्टेडियम में तीन दिन तक नेट अभ्यास करने के बाद ओपन नेट सत्र शुरु किया। नायर ने कहा, 'ओपन नेट सत्र जरुरी था क्योंकि खिलाड़ी चार-पांच महीने के अंतराल के बाद खेलने उतरे हैं और इन्होंने ज्यादा अभ्यास नहीं किया है। पहले कुछ दिन हम चाहते थे कि ये लोग नेट्स पर ज्यादा से ज्यादा गेंद डाले और समय गुजारें। उन्होंने कहा, 'मेरे ख्याल से हमें ओपन नेट्स का मौका मिला है जो काफी अलग है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी खेल से जुड़ी कठिनाईयों को समझें। हम धीरे-धीरे शुरुआत कर रहे हैं और यहां से हम टूर्नामेंट के काफी करीब पहुंच रहे हैं। सहायक कोच ने कहा, 'हमारी टीम के भारतीय खिलाड़ी लय में है तो आंद्रे रसेल, बेंटन और सुनील नारायण जैसे विदेशी खिलाड़ी शानदार तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। 'हमारी टीम के भारतीय खिलाड़ी लय में है तो आंद्रे रसेल, बेंटन और सुनील नारायण खिलाड़ी लय में है तो आंद्रे रसेल, बेंटन और सुनील नारायण जैसे विदेशी खिलाड़ी शानदार तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। हर बार ये खिलाड़ी टूर्नामेंट में अच्छी फॉर्म और लय में आते हैं जिससे काफी बेहतर लगता है। नायर ने कहा, 'टीम के खिलाड़ियों को पता है कि उन्हें बड़ी टीमों के खिलाफ खेलना है और वे इसके लिए अच्छे से तैयारी कर रहे हैं। रसेल बड़े खिलाड़ी हैं जो विपक्षी टीम के लिए खतरा बन सकते हैं।

खिलाड़ियों के तेजी से लय हासिल करने पर हैरान हुए दिल्ली कैपिटल्स के कोच

दुबई । दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच रेयान हैरिस खिलाड़ियों के महीनों तक ट्रेनिंग से दूर रहने के बाद इतनी तेज से लय हासिल करने को लेकर काफी प्रभावित हैं। छह दिन के अनिवार्य पृथकवास से गुजरने के बाद हैरिस अंतत~ बुधवार शाम अपने कमरे से बाहर निकले और दिल्ली कैपिटल्स के पहले नेट सत्र का निरीक्षण किया। हैरिस ने कहा कि देखकर लगा ही नहीं कि खिलाड़ी पिछले कुछ महीने से अभ्यास नहीं कर पाए थे। हैरिस ने टीम की ओर से जारी बयान में कहा, ''मुझे पता है कि लड़के महामारी के कारण पिछले कुछ समय से ट्रेनिंग नहीं कर पाए हैं लेकिन उन्हें गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हुए देखना, कुछ शॉट को मैदान से बाहर जाते हुए देखना, मैं उनसे प्रभावित हूं। उन्होंने कहा, 'काम के प्रति उनकी ईमानदारी अविश्वसनीय है और जिन खिलाड़ियों ने काफी ट्रेनिंग नहीं की है उन्हें इस तरह देखकर काफी अच्छा लगा- वे काफी अच्छी स्थिति में दिखे। छह दिन पृथकवास में रहने के बाद बाहर निकले हैरिस ने कहा कि वह काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो छह दिन काफी अधिक समय नहीं है लेकिन यह मेरे लिए तीन हफ्ते की तरह था 'ईमानदारी से कहूं तो छह दिन काफी अधिक समय नहीं है लेकिन यह मेरे लिए तीन हफ्ते की तरह था 'ईमानदारी से कहूं तो छह दिन काफी अधिक समय नहीं है लेकिन यह मेरे लिए तीन हफ्ते की तरह था क्योंकि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो लंबे समय तक खाली बैठक सकता है। लेकिन आज सुबह जब मुझे डॉक्टर का संदेश मिला कि मेरे पृथकवास और परीक्षण पूरे हो गए हैं तो यह संभवतः मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ संदेश था। हैरिस ने कहा, ''इसके बाद लड़कों को ट्रेनिंग करते हुए देखना शानदार था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

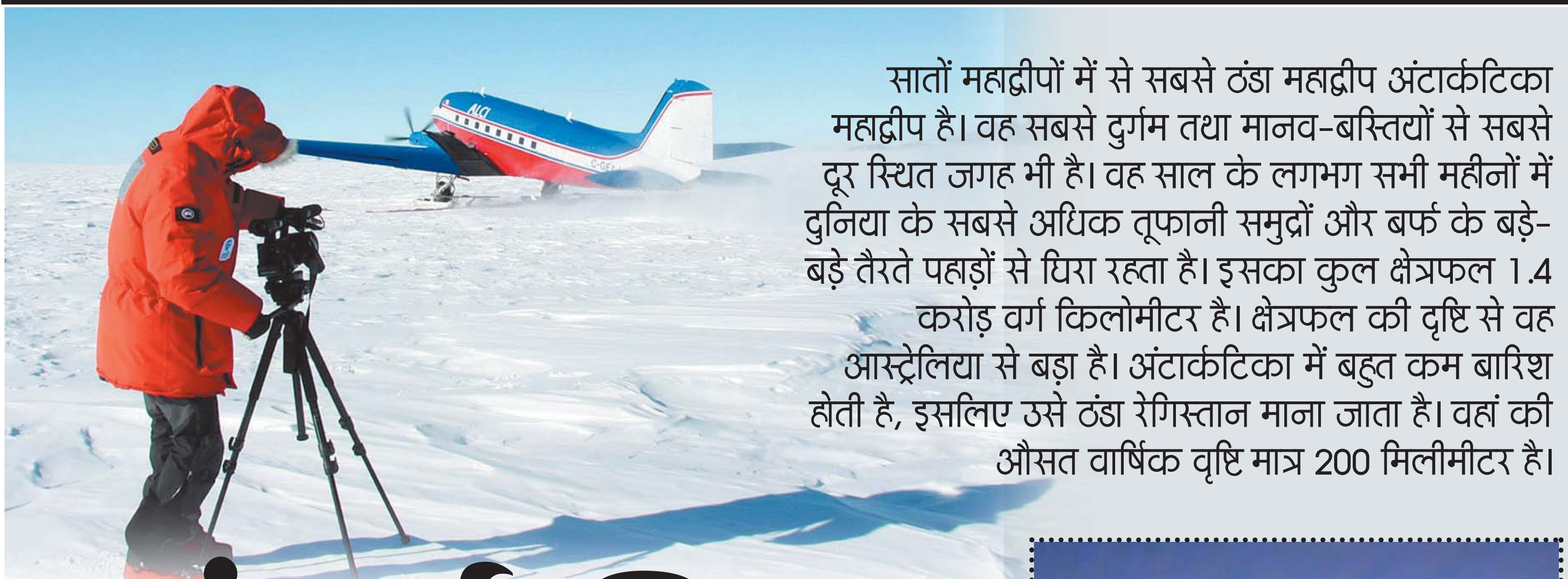

सातों महाद्वीपों में से सबसे ठंडा महाद्वीप अंटार्कटिका महाद्वीप है। वह सबसे दुर्गम तथा मानव-बस्तियों से सबसे दूर स्थित जगह भी है। वह साल के लगभग सभी महीनों में दुनिया के सबसे अधिक तूफानी समुद्रों और बर्फ के बड़े-बड़े तैरते पहाड़ों से घिरा रहता है। इसका कुल क्षेत्रफल 1.4 करोड़ वर्ग किलोमीटर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से वह आस्ट्रेलिया से बड़ा है। अंटार्कटिका में बहुत कम बारिश होती है, इसलिए उसे ठंडा रेगिस्तान माना जाता है। वहां की औसत वार्षिक वृष्टि मात्र 200 मिलीमीटर है।

अंटार्कटिका

दुनिया का सबसे ठंडा महाद्वीप

सन 1774 में अंग्रेज अन्वेषक जेम्स कुक अंटार्कटिका वृत्त के दक्षिण में किसी भूभाग की खोज में निकल पड़ा। उसे बर्फ की एक विशाल दीवार मिली। उसने अनुमान लगाया कि इस दीवार के आगे जमीन होगी। उसका अनुमान सही था, वह अंटार्कटिका की दहलीज तक पहुंच गया था। पर स्वयं अंटार्कटिका पर पैर रखने के लिए मनुष्य को 75 साल और लगे। आर्कटिक (उत्तरी ध्रुव) और अंटार्कटिका (दक्षिणी ध्रुव) में काफी अंतर है। सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि अंटार्कटिका में आर्कटिक से छह गुणा अधिक बर्फ है। यह इसलिए क्योंकि अंटार्कटिका एक महाद्वीप है, जबकि आर्कटिक क्षेत्र मुख्यत: एक महासागर है। अंटार्कटिका की बर्फ की औसत मोटाई 1.6 किलोमीटर है। अंटार्कटिका महाद्वीप का अधिकांश भाग पर्वतों के उभरे हुए कंधों और चोटियों से बना हुआ है।अंटार्कटिका का मौसम बिरले ही पाले और बर्फीली हवाओं से मुक्त रहता है। इस महाद्वीप में शायद मात्र 2,000 वर्ग किलोमीटर खुली जमीन है। साल में केवल 20 ही दिन तापमान शून्य से ऊपर रहता है। पृथ्वी की सतह पर मापा गया सबसे कम तापमान भी अंटार्कटिका में ही मापा गया है। सोवियत रूस द्वारा स्थापित वोस्टोक नामक शोधशाला में 24 अगस्त 1960 को तापमान -88.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया। अंटार्कटिका के बारे में सही ही कहा गया है कि वह पवनों की राजधानी है। कभी-कभी 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं चल पड़ती हैं, जो जमीन से मिट्टी के कणों को काट कर उड़ा ले जाती हैं। पूरे अंटार्कटिका महाद्वीप में मात्र 70 प्रकार की जीवधारियां खोजी गई हैं। इनमें से 44 कीड़े-मकोड़े हैं। सबसे बड़ा कीड़ा एक प्रकार का पंखहीन मच्छर है। जोंख, खटमल, मक्खी, जुए आदि भी वहां काफी संख्या में पाए जाते हैं। अंटार्कटिका में कोई स्थलीय स्तनधारी प्राणी नहीं है, पर बहुत से समुद्री स्तनधारी उसके तटों पर विश्राम करने आते हैं, या उसके आसपास के समुद्रों में आहार खोजते हैं। इनमें शामिल हैं कई प्रकार की व्हेलें और दक्षिणी ध्रुव के आसपास रहनेवाले पांच प्रकार के सील -केकड़ाभोजी सील, तेंदुआ सील, रोस सील, वेडेल सील और गजसील। रोस सील अत्यंत दुर्लभ प्राणी है, जबकि वेडेल सील तटों के नजदीक ही रहता है। सभी सीलों में बड़ा गजसील है। वह प्रजनन तो अंटार्कटिका के निकट के द्वीपों में करता है, लेकिन अंटार्कटिका के आसपास भोजन की तलाश करने आता है।

अंटार्कटिका के पास के समुद्रों में बिना दांतवाली व्हेलें काफी मात्रा में पाई जाती हैं। उन्हें एक समय मांस, चर्बी आदि के लिए बड़े पैमाने पर मारा जाता था। आज उनके शिकार पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा हुआ है। अंटार्कटिका में पाए जानेवाले पक्षियों में शामिल हैं दक्षिण ध्रुवीय स्कुआ तथा अडेली और सम्राट पेंग्विन।

अंटार्कटिका में शाकाहारी प्राणी अत्यंत दुर्लभ हैं, कारण कि वनस्पति के नाम पर वहां शैवाल (लाइकेन), काई आदि आदिम पौधों की कुछ जातियां और केवल दो प्रकार के फूलधारी पौधे ही हैं। अंटार्कटिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वहां अनेक प्रकार के वैज्ञानिक प्रयोग किए जा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने वहां पृथ्वी की चुंबकीय विशेषताओं, मौसम, सागरीय हलचलों, जीवों पर सौर विकिरण के प्रभाव तथा भूगर्भविज्ञान से संबंधित अनेक प्रयोग किए हैं।

भारत सहित अनेक देशों ने अंटार्कटिका में स्थायी वैज्ञानिक केंद्र स्थापित किए हैं। इन देशों में शामिल हैं चीन, ब्राजील, आर्जेन्टीना, कोरिया, पेरू, पोलैंड, उरूग्वे, इटली, स्वीडन, अमरीका, रूस आदि। भारत द्वारा स्थापित प्रथम पड़ाव का नाम था दक्षिण गंगोत्री। जब यह पड़ाव पानी के नीचे आ गया, तो मैत्री नामक दूसरा पड़ाव 1980 के दशक में स्थापित किया गया। सदियों से अंटार्कटिका प्रदूषण के खतरे से मुक्त था, पर अभी हाल में वैज्ञानिकों ने वहां की बर्फ में भी डीडीटी, प्लास्टिक, कागज आदि कचरे खोज निकाले हैं, जो वहां स्थापित वैज्ञानिक शिविरों से पैदा हुए हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अंटार्कटिका में 900 से भी अधिक पदार्थों की महत्वपूर्ण खानें हैं। इनमें शामिल हैं सीसा, तांबा और यूरेनियम। अंटार्कटिका पर अभी किसी देश का दावा नहीं है, न ही विभिन्न देशों के कुछ वैज्ञानिक शिविरों के सिवा वहां कोई मानव बस्तियां ही हैं। पर क्या यह स्थिति हमेशा ऐसी बनी रह पाएगी? जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती जाएगी, अमरीका, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया आदि महाद्वीपों के समान इसके उपनिवेशीकरण के लिए भी होड़ मच सकती है। यदि वहां किसी महत्वपूर्ण खनिज (जैसे, सोना, पेट्रोलियम, आदि) की बड़ी खानों का पता चले, तो भी उन पर अधिकार जमाने के लिए अनेक देश आगे आएंगे। पृथ्वी के गरमाने से अंटार्कटिका की काफी बर्फ पिघल सकती है, जिससे वहां काफी क्षेत्र बर्फ से मुक्त हो सकता है और मनुष्य के रहने लायक बन सकता है। इससे भी अंटार्कटिका में मनुष्यों का आना-जाना और बसना बढ़ सकता है। पर्यटन भी इसमें योगदान कर सकता है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकीय विकास होगा, ऐसे उपकरण उपबल्ध होने लगेंगे जो अंटार्कटिका जैसे अत्यंत ठंड वाले इलाकों में भी सामान्य जीवन बिताने को सुगम बनाए।

इसलिए 17वीं 18वीं सदी में श्वेत जातियों द्वारा अफ्रीका, द. अमरीका आदि में जो लूट-खसोट और विनाश लीला मचाई गई थी, उससे इस अनोखे परिवेश को बचाने और इस महाद्वीप के अधिक संतुलित और समस्त मानव-जाति के हित में उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 1959 में 12 देशों ने अंटार्कटिका संधि में हस्ताक्षर करके इस महाद्वीप को सैनिक गतिविधियों और खनन से मुक्त रखने का निर्णय लिया। अब इस संधि में 46 देशों ने हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिसमें भारत भी शामिल है।

दक्षिण ध्रुव की दुनिया

दोस्तो जरा सोचो, यूरोप और अमेरिका के उन इलाकों का क्या हाल होगा, जहां आये दिन बर्फीले तूफान आते हैं। इतना ही नहीं, दक्षिणी ध्रुव एक ऐसी जगह है, जहां पूरे साल बर्फ जमी रहती है। हाल ही में अंटार्कटिका को दुनिया की सबसे ठंडी जगह के रूप में दर्ज किया गया है...

बर्फ का रेगिस्तान

- दक्षिणी ध्रुव (साउथ पोल) पृथ्वी के सुदूर दक्षिणी हिस्से में स्थित है। यह स्थान अंटार्कटिका महाद्वीप में है।
- 9 हजार फीट से भी अधिक बर्फ की मोटी चादर यहां सालों भर बिछी रहती है। यही कारण है कि यहां उत्तरी ध्रुव (पृथ्वी के सुदूर उत्तर में) की अपेक्षा कई गुना ज्यादा ठंड पड़ती है।
- (-89.2) डिग्री होता है यहां का न्यूनतम औसत तापमान।
- यहां छह महीने का दिन और छह महीने की रात होती है। यहां वर्ष में एक बार सितंबर में सूर्योदय होता है, तो मार्च में सूर्यास्त।
- दक्षिणी ध्रुव का 2 प्रतिशत भाग चट्टानों और 90 प्रतिशत भाग बर्फ से बना है। चट्टानों पर काई (मॉस) और लाइकेन पाए जाते हैं। पेंगुइन यहां पाया जाने वाला प्रमुख जीव हैं।

पहला कदम

- 102 साल पहले 14 दिसंबर, 1911 को नार्वे के रोएल्ड एमुंडसन ने दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखा था।
- इसके बाद जनवरी 1912 में ब्रिटेन के खोजी रॉबर्ट फाल्कन स्कॉट यहां पहुंचे तो, लेकिन बेहद खराब मौसम, भूख और विकसित कपड़े न होने के कारण लौटते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।
- 1928 में अमेरिकी नौसेनाध्यक्ष रिचर्ड एवलिन बायर्ड ने साउथ पोल की यात्रा हवाई जहाज से की।

रिसर्च स्टेशन

- दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च करने के लिए 1956-57 में अमेरिका ने सबसे पहला रिसर्च स्टेशन एमुंडसन-स्कॉट साउथ पोल स्टेशन की स्थापना की।
- 30 देश (अक्टूबर 2006 तक) यहां रिसर्च स्टेशन स्थापित कर चुके हैं।

भारतीय पहल

- एनएसएओआर (नेशनल सेंटर फॉर अंटार्कटिक ऐंड ओशन रिसर्च) (भू-विज्ञान मंत्रालय) के तहत भारत अंटार्कटिका आधारित अपना रिसर्च वर्क करता है। हर साल नवंबर-दिसंबर के महीने में भारत दक्षिणी ध्रुव के लिए अपना मिशन भेजता है।
- 1983 में यहां पहले भारतीय रिसर्च बेस दक्षिण गंगोत्री की स्थापना हुई। दक्षिणी ध्रुव की स्थिति बदलते रहने के कारण यह अब बर्फ के अंदर समा गया है।
- 1989 में दूसरा रिसर्च स्टेशन मैत्री स्थापित किया गया।
- 2012 में भारत का तीसरा रिसर्च स्टेशन भारती स्थापित हुआ।

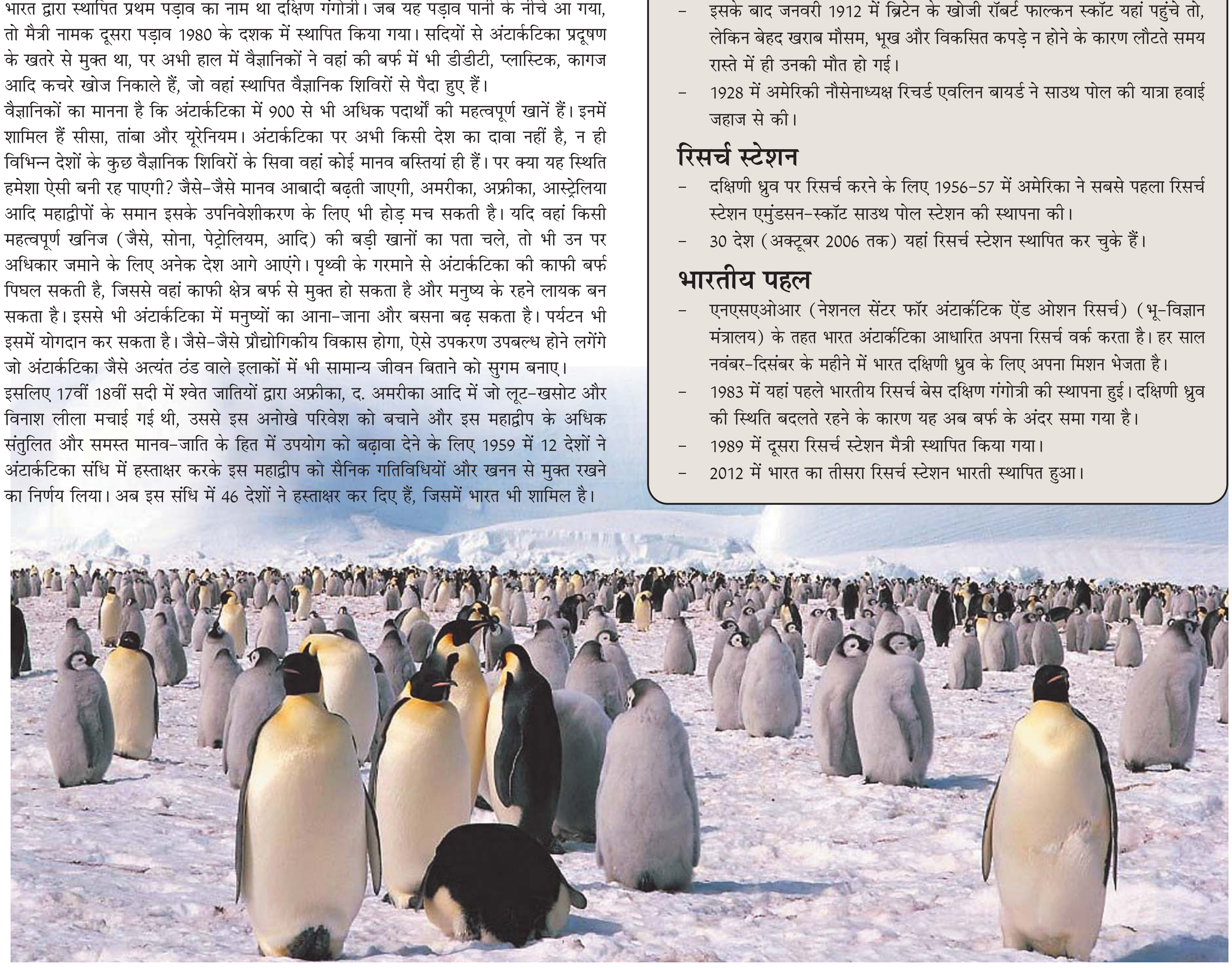

फ्लेमिंगो से सीखो साथ निभाना

फ्लेमिंगो पानी में तैरने वाली ऐसी चिड़िया है, जो बहुत ही सामाजिक है। ये ज्यादातर झुंड में रहने में विश्वास करती हैं। इनके झुंड में हजार से भी ज्यादा फ्लेमिंगो एक साथ रहती हैं। अमेरिका में फ्लेमिंगो की चार प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि दो प्रजातियां विश्व के ज्यादातर जगहों पर पाई जाती हैं। फ्लेमिंगो एक पैर पर कई घंटों तक खड़ी रह सकती हैं। ये अपना दूसरा पैर अपने पंखों के बीच छिपा लेती हैं। हाल ही में हुए रिसर्च में यह बात सामने आई कि वे शायद ज्यादा से ज्यादा बॉडी हीट कंजर्व करने के लिए ऐसा करती हैं।

सामाजिक जीवनशैली

फ्लेमिंगो बहुत ही सामाजिक पक्षी है। इन्हें बड़े-बड़े झुंडों में रहना पसंद है। इनके झुंड बना कर रहने से ही ये शिकारियों से बच पाती हैं, साथ ही भोजन सामग्री बचाने और मिल-बांटकर खाने में इन्हें मजा आता है। झुंड में रहने से इन्हें घोंसला बनाने के लिए जगह ढूंढ़ने में भी सहायता मिलती है। हां, प्रजनन क्रिया से पहले झुंड को 15-20 के ग्रुप में बांट लेते हैं, ताकि सभी एक-दूसरे का अच्छे से खयाल रख सकें।

शैवाल खाना है पसंद

फ्लेमिंगो ब्लू-ग्रीन शैवाल खाना पसंद करती है। उनके चोंच इस तरह से बने होते हैं कि वह अपने भोजन से कीचड़ और कंकड़-पत्थर को अलग कर देती है। उनकी खुरदुरी जीभ भी उसे इस काम में बहुत मदद करती है।

खास बातें

प्रारंभ में इजिप्टियन कल्चर में फ्लेमिंगो को भगवान माना जाता था, सूर्य भगवान की तरह उनकी पूजा की जाती थी। फ्लेमिंगो की छह प्रजातियां होती हैं, जिसमें दो विश्व में हर जगह पाई जाती हैं। बाकी चार साउथ अमेरिका, मध्यपूर्व अफ्रीका और यूरोप में पाई जाती हैं।

वैसे तो ये तैरने वाली चिड़िया हैं, लेकिन ये तेज रफ्तार से उड़ने के लिए भी जानी जाती हैं। यह 35 मील प्रति घंटा की गति से उड़ सकती है।

फ्लेमिंगो साल में एक ही अंडा देती है, लेकिन उसकी देखभाल बहुत अच्छी तरह से करती हैं।

इनके पंख गुलाबी, लाल या नारंगी इसलिए होते हैं क्योंकि उनके भोजन में कैरोटीनॉयड पिगमेंट होता है।

इसका भोजन झींगा, शैवाल और प्लवक है।

फ्लेमिंगो के पैर पूरे शरीर से अधिक लंबे होते हैं। इनकी लंबाई 30-35 इंच होती है।

फ्लेमिंगो बच्चे की देखभाल 6 साल तक करते हैं।

फ्लेमिंगो सबसे ज्यादा जीने वाली चिड़िया है, उनकी उम्र 40 वर्ष तक होती है।

फ्लेमिंगो अपना घोंसला कीचड़ में बनाती हैं और वहीं अंडा देती हैं। नर-मादा दोनों मिल कर उसकी देखभाल करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से अन्य जीवों की तरह फ्लेमिंगो भी प्रभावित हो रही हैं, क्योंकि वे रेनफॉल पर ही निर्भर करती हैं।

अनमोल धरोहर का केंद्र लूव्र म्यूजियम

फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित लूव्र म्यूजियम दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिमों में एक है। 6,52,300 वर्गफीट में फैले म्यूजियम में 35,000 से ज्यादा ऐतिहासिक धरोहर मौजूद हैं। इस म्यूजियम में 600 ईपू से लेकर 19वीं शताब्दी तक की चीजें सहेजी गई हैं। कला के शौकीन लोगों और इतिहासकारों के लिए यहां देखने को बहुत कुछ है। मशहूर मोनालिसा की पेंटिंग भी इसी संग्रहालय में मौजूद है। ऐसे तो सिर्फ पेरिस शहर में नब्बे से भी अधिक छोटे-बड़े संग्रहालय हैं, पर लूव्र म्यूजियम की बात ही कुछ और है।

कहानी लूव्र की

लूव्र म्यूजियम की इमारत मूल रूप से एक मध्यकालीन किला थी। फिलिप अगस्त ने 1200 ई. में इसे बनवाया था। शुरुआत में इस किले का नाम लुपारा था जिसे बाद में बदलकर लूव्र कर दिया गया। चार्ल्स पंचम ने 14वीं सदी में लूव्र को एक शाही महल में बदल दिया। फ्रांस में हुए विभिन्न युद्धों के दौरान यह लगभग 150 साल तक उपेक्षित रही। पेरिस में जब योद्धा वापस आए, तो इस किले के रिइनोवेशन का काम किया गया। 1739 में इसे पूर्णत: म्यूजियम का रूप दिया गया। फ्रांसीसी क्रांति के दौरान इस म्यूजियम को पहचान मिली।

खजाने में है बहुत कुछ

लूव्र म्यूजियम बहुत बड़ी है, इसलिए इसे कई हिस्सों में बांटा गया है। ओरिएंटल पुरावशेषों को देखने के लिए ही अच्छा खासा समय लग जाता है। मिश्र की प्राचीन सभ्यता का प्रामाणिक परिचय पाने के लिए भी लूव्र म्यूजियम प्रसिद्ध है। यूनानी और रोमन पुरावशेषों के भी अद्भुत रूप इस म्यूजियम में देखे जा सकते हैं।

पेंटिंग का कलेक्शन

लूव्र के पेंटिंग कलेक्शन को विश्व का सबसे अच्छा कलेक्शन माना जाता है। हालांकि, संख्या के मामले में यह विश्व का नंबर एक नहीं है, पर गुणवत्ता और विविधता की दृष्टि से इसे नंबर एक माना जाता है। स्वाभाविक रूप से इस संग्रह में दो तिहाई हिस्सा फ्रांसीसी चित्रकला का है, पर इटली के महान चित्रकारों की कला के अद्वितीय रूप भी लूव्र म्यूजियम में मौजूद हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ को बकाया राशि के भुगतान से किया इंकार

वाशिंगटन।

ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन को छह करोड़ डॉलर से ज्यादा बकाया राशि का भुगतान नहीं करेगा और बाकी धन वह संयुक्त राष्ट्र में अन्य मदों में देगा। बुधवार को इस बाबत की गई घोषणा के एक दिन पहले व्हाइट हास ने कहा था कि कोविड-19 के टीके के विकास एवं वितरण की की परियोजना में वह शामिल नहीं होगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोरोना वायरस महामारी से निपटने के तरीके को लेकर डब्ल्यूएचओ से खफा हैं और संगठन पर चीन के अनुचित प्रभाव में होने का आरोप लगाते रहे हैं। इसीलिए उन्होंने को 2020 में देय राशि में से करीब 6.2 करोड़ डॉलर की राशि रोकने का फैसला किया।

संगठन से अलग होने की प्रक्रियाओं के बावजूद प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका की चुनिंदा बैठकों में शामिल होता रहेगा और अलग होने की प्रक्रिया की एक वर्ष की अवधि के दौरान विशेष कार्यक्रमों में एक बार का योगदान भी देगा। इन कार्यक्रमों में अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान में पोलिया उन्मूलन, लीबिया तथा सीरिया में मानवीय सहायता एवं इनफ्लूऐंजा से निपटने के प्रयास से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं जुलाई में ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका जुलाई 2021 तक डब्ल्यूएचओ से अलग हो जाएगा, साथ ही प्रशासन को निर्देश दिए थे कि वे एजेंसी के वित्तपोषण एवं सहयोग संबंधी काम निपटाने शुरू कर दें। उस घोषणा तक अमेरिका 2020 के लिए अनुमानित 12 करोड़ डॉलर की राशि में से 5.2 करोड़ डॉलर का भुगतान कर चुका था।

कोलंबिया में महिला को बालों से खींच कर जमीन पर पटकने वाला अधिकारी बर्खास्त

कोलंबिया।

दक्षिण कैरोलिना के एक अधिकारी को एक महिला को बाल से खींचकर जमीन पर पटक देने के मामले में बर्खास्त कर दिया गया है। शेरिफ ने इसकी जानकारी दी । रिचलैंड काउंटी के शेरिफ लियोन लॉट ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस बारे में उन्हें शिकायत मिली थी । लॉट ने बताया कि कुछ विशेष जानकारी हासिल होने के बाद उन्होंने सोमवार को बॉडी कैमरा फुटेज की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि अभियोजकों की समीक्षा के बाद कायले ओलिवर (29) को उन्होंने बर्खास्त करने का निर्णय किया। शेरिफ ने कहा कि अधिकारी की यह हरकत अस्वीकार्य है और मैं अपने किसी डिप्टी द्वारा की गयी ऐसी हरकत को बर्दाश्त नहीं कर सकता। महिला को घरेलू हिंसा के मामले में गिरफ्तार किया गया था। महिला के हाथ बंधे थे और वह अपना सिर दीवार में मार रही थी, तभी ओलिवर उसके पास गया और बाल से पकड़कर उसे जमीन

पर पटक दिया। 'बॉडी कैमरा फुटेज के अनुसार महिला को घरेलू हिंसा के मामले में गिरफ्तार किया गया था। महिला के हाथ बंधे थे और वह अपना सिर दीवार मे मार रही थी, तभी ओलिवर उसके पास गया और बाल से पकड़कर उसे जमीन पर पटक दिया।

कोरोना वायरस के टीके के शुरुआती परिणाम में सुरक्षा संबंधी कोई दिक्कत नहीं आई

वाशिंगटन।

कोरोना वायरस के टीके के प्रयोग के शुरुआती परिणामों में किसी तरह की सुरक्षा संबंधी दिक्कत सामने नहीं आई है और पता चला है कि यह प्रतिरक्षा प्रणाली की अपेक्षित प्रतिक्रिया को बढ़ाता है। शोधकर्ताओं के हवाले से न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में बुधवार को यह जानकारी दी गई। अमेरिकी सरकार ने मेरीलैंड के गिथर्सबर्ग स्थित नोवावेक्स कंपनी को टीके के विकास और निर्माण के लिए 1.6 अरब डॉलर की मदद दी। यह टीका तीन हफ्ते के अंतर पर दो शॉट के रूप में दिया जाता है। इसमें कोरोना वायरस से प्राप्त प्रोटीन होता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को संक्रमण से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। शोध में 108 स्वस्थ लोगों पर दो डोज का स्तर जांच गया और अन्य उपचार पाने वाले 23 लोगों से प्रतिक्रिया की तुलना की गई। जिन्हें टीका दिया गया उन्हें प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने वाली एक और दवा दी गई। यह दवा भी सुरक्षित पाई गई। दवा लेने वाले लोगों में एंटीबॉडी उन लोगों की तुलना में अधिक बनीं जो कोविड-19 से प्राकृतिक रूप से स्वस्थ हो रहे थे।

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ को बकाया राशि का भुगतान नहीं करने का फैसला किया

वाशिंगटन।

ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन को छह करोड़ डॉलर से ज्यादा बकाया राशि का भुगतान नहीं करेगा और बाकी धन वह संयुक्त राष्ट्र में अन्य मदों में देगा। बुधवार को इस बाबत की गई घोषणा के एक दिन पहले व्हाइट हास ने कहा था कि कोविड-19 के टीके के विकास एवं वितरण की डब्ल्यूएचओ की परियोजना में वह शामिल नहीं होगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोरोना वायरस महामारी से निपटने के तरीके को लेकर डब्ल्यूएचओ से खफा हैं और संगठन पर चीन के अनुचित प्रभाव में होने का आरोप लगाते रहे हैं। इसीलिए उन्होंने डब्ल्यूएचओ को 2020 में देय राशि में से करीब 6.2 करोड़ डॉलर की राशि रोकने का फैसला किया। संगठन से अलग होने की प्रक्रियाओं के बावजूद प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ की चुनिंदा बैठकों में शामिल होता रहेगा और अलग होने की प्रक्रिया की एक वर्ष की अवधि के दौरान विशेष कार्यक्रमों में एक बार का योगदान भी देगा। अलग होने की प्रक्रिया की एक वर्ष की अवधि के दौरान विशेष कार्यक्रमों में एक बार का योगदान भी देगा। इन कार्यक्रमों में अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान में पोलिया उन्मूलन, लीबिया तथा सीरिया में मानवीय सहायता एवं इनफ्लूऐंजा से निपटने के प्रयास से जुड़े कार्यक्रम शामिल के प्रयास से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं। जुलाई में ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका जुलाई 2021 तक डब्ल्यूएचओ से अलग हो जाएगा, साथ ही प्रशासन को निर्देश दिए थे कि वे एजेंसी के वित्तपोषण एवं सहयोग संबंधी काम निपटाने शुरू कर दें। उस घोषणा तक अमेरिका 2020 के लिए अनुमानित 12 करोड़ डॉलर की राशि में से 5.2 करोड़ डॉलर का भुगतान कर चुका था।

संक्षिप्त समाचार

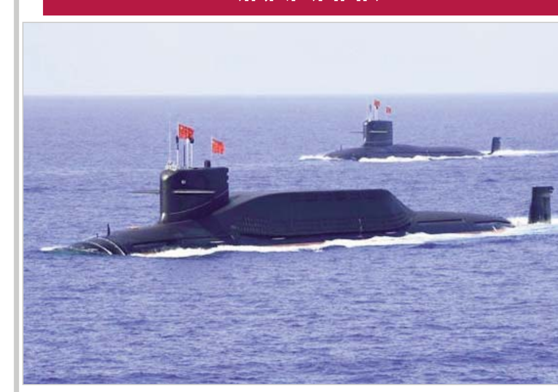

थाईलैंड का चीन को बड़ा झटका, पनडुब्बियों की डील की रद्द

बैंकाक। साउथ चाइना सी में चीन की दादागिरी के चलते थाईलैंड ने उसे बड़ा झटका दे दिया है। कोरोना वायरस महामारी के कारण कमजोर होती अर्थव्यवस्था के चलते जनता के दबाव में थाईलैंड ने चीन के साथ 2 पनडुब्बियों की डील फिलहाल रद्द कर दी है। हाल ही में थाईलैंड की नौसेना ने चीन के साथ इन पनडुब्बियों की आपूर्ति को लेकर एक समझौता किया था। इसके लिए थाईलैंड की सरकार अपने राष्ट्रीय धन कोष से विशेष व्यवस्था करने ही वाली थी कि देश के कई लोगों ने एक सुर में थाई सरकार की इस नीति के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। थाईलैंड के निवासियों को पता चल चुका है कि चीन के साथ किसी भी प्रकार का समझौता करना मतलब अपनी कब्र खोदना है। चीन ने ऐसे ही निवेशों के माध्यम से कई देशों को अपने कर्ज जाल में फंसाया है। भारत ने चीन के खिलाफ दूसरी डिजिटल स्ट्राइक करते हुए पबजी समेत चीन के 118 मोबाइल ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत ने लद्दाख में झड़प के बाद चीन की कई परियोजनाओं को रद्द कर दिया था इसके बाद थाईलैंड ने लोगों के विरोध के बाद चीन से 2 पनडुब्बियों को खरीदे जाने की योजना को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। बता दें कि थाईलैंड ने चीन के साथ जून 2015 में पनडुब्बियों की खरीद को लेकर सौदेबाजी शुरू की थी। इसके एक साल पहले ही थाईलैंड में प्रधानमंत्री प्रायुत चान-ओ-चा को सत्ता से हटाकर सेना ने कब्जा कर लिया था। नयी सरकार के साथ चीन के बीच संबंध काफी मजबूत माने जाते हैं। हालांकि चीन के रवैये पर सवाल उठने लगे और लोग सड़कों पर उतर आए। उधर चीन से नजदीकी के चलते अमेरिका ने भी थाईलैंड पर कई तरह के प्रतिबंध भी लगा दिए थे हालांकि अब दबाव बढ़ता देख थाईलैंड की सरकार ने संसद से अगले साल के बजट में से चीन को इन पनडुब्बियों के लिए एडवांस में पैसे देने की अपनी योजना को भी वापस ले लिया है।

प्रशांत क्षेत्र में द्वितीय विश्वयुद्ध खत्म होने की 75वीं बरसी पर चीन में कार्यक्रम

बीजिंग। प्रशांत क्षेत्र में द्वितीय विश्व युद्ध खत्म होने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर बृहस्पतिवार को चीन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव एवं राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में सरकारी अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखा और इस संघर्ष में हिस्सा लेने वाले सैनिकों तथा आम नागरिकों को समर्पित स्मारक हॉल में पुष्पांजलि अर्पित की। जापान ने 1937 में चीन पर बर्बर आक्रमण कर के उसके कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद यहां अत्याचार की की दास्तानें लिखी गईं, जिनमें नानकिंग में बलात्कार की दर्दनाक कहानियां शामिल हैं। इसके बाद कोमिंतांग पार्टी के नेता चियांग काई शेक के नेतृत्व में सेनाओं ने अधिकतर मुख्य जंगें लड़ीं। दूसरी ओर कम्युनिस्ट पार्टी ने माओ त्से तुंग के नेतृत्व में गुरिल्ला युद्ध छेड़कर जापान को खदेड़ने में अहम भूमिका निभाई। कम्युनिस्ट पार्टी ने माओ त्से कम्युनिस्ट पार्टी ने माओ त्से तुंग के नेतृत्व में गुरिल्ला युद्ध छेड़कर जापान को खदेड़ने में अहम भूमिका निभाई। जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध में दो सिंतबर 1945 को ही अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था, लेकिन चीन में तीन सितंबर को विश्वयुद्ध खत्म होने का जश्न मनाया जाता है।

ताइवान ने चीन को दिया झटका, बना रहा नया पासपोर्ट जारी करने की योजना

ताइपे।

ताइवान अपनी स्वतंत्र पहचान स्थापित करने के लिए नया पासपोर्ट जारी करने की योजना है जिसमें वह चीनी गणराज्य की जगह ताइवान पर जोर देगा। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को नए दस्तावेज की तस्वीर जारी की जिसमें बड़े अक्षरों में अंग्रेजी में प्रमुखता से 'ताइवान लिखा है जबकि छोटे-छोटे शब्दों में 'चीनी गणराज्य लिखा है, जो ताइवान के संविधान के अनुसार उसका आधिकारिक नाम है। जापान ने वर्ष 1945 में ताइवान को चीन के हवाले किया था। चार साल के बाद चीनी गृहयुद्ध में माओत्से तुंग के नेतृत्व में कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा चीन पर कब्जा करने के बाद चियांग काई शेक ने चीनी गणराज्य को ताइवान में स्थापित किया। उल्लेखनीय है कि चीन, ताइवान के पासपोर्ट को मान्यता नहीं देता और मुख्यभूमि पर आने के लिए चीन द्वारा जारी दस्तावेज की जरूरत होती है। ताइवान के विदेशमंत्री जोसफ वु

ने पत्रकारों से कहा कि यह दस्तावेज जनवरी से प्रभावी होगा। इसका उद्देश्य ताइवान और चीन से आने यात्रियों में भ्रम दूर करना है।

कोरोना के चलते 2021 तक 4.7 करोड़ और महिलाएं अधिक गरीबी की कगार पर पहुंच जाएंगी: रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र।

कोविड-19 वैश्विक महामारी महिलाओं को बहुत ज्यादा प्रभावित करेगी और 2021 तक 4.7 करोड़ और महिलाओं एवं लड़कियों को अत्यधिक गरीबी की तरफ धकेल देगी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी नये डेटा में यह कहा गया है जिसके मुताबिक इस जनसांख्यिकी को गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए दशकों में हुई प्रगति फिर पीछे की ओर चली जाएगी। संयुक्त राष्ट्र महिला एवं संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के इस नये आकलन में कहा गया कि कोविड-19 संकट महिलाओं के लिए गरीबी दर को बढ़ा देगा और गरीबी में रहने वाली महिलाओं एवं पुरुषों के बीच का अंतर बढ़ जाएगा। महिलाओं के लिए गरीबी दर 2019 से 2021 के बीच 2.7 प्रतिशत तक घटने की उम्मीद थी लेकिन वैश्विक महामारी और उसके दुष्परिणामों के कारण अब इसके 9.1 प्रतिशत तक बढने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा, वैश्विक महामारी 2021 तक 9.6 करोड़ लोगों को अत्यंत गरीबी की ओर धकेल देगी जिनमें से 4.7 करोड़ महिलाएं एवं लड़कियां होंगी। यह संकट बेहद गरीबी में रहने वाली कुल महिलाओं की संख्या को बढ़ाकर 43.5 करोड़ कर देगा जहां अनुमान दिखाते हैं कि 2030 तक यह संख्या वैश्विक महामारी से पहले के स्तर तक नहीं लौट पाएगी। अनुमान दिखाते हैं कि वैश्विक महामारी सामान्य तौर पर समूची वैश्विक गरीबी को प्रभावित करेगी लेकिन महिलाएं अत्यधिक प्रभावित होंगी और इनमें खासकर प्रजनन आयु वर्ग की महिलाएं और भी प्रभावित होंगी। 2021 तक बेहद गरीबी में रह रहे 25 से 34 साल के 100 पुरुषों पर 118 महिलाएं होंगी।

यह अंतर 2030 तक प्रति 100 पुरुष पर 121 महिलाएं हो जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन वीमन) संस्था की कार्यकारी निदेशक फुमजाइल म्लाम्बो नगकुका ने कहा, महिलाओं की अत्यंत गरीबी में यह बढ़ोतरी, हमारे समाजों एवं अर्थव्यवस्थाओं को हमने जिन तरीकों से बनाया है उनमें गहरी खामियों को दिखाता है।

गुब्बारों से 25000 फुट की ऊंचाई पर उड़ा ये शख्स, यूट्यूब पर लाइव वीडियो ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

लॉस एंजलिस। अमेरिका के एक जादूगर व स्टंटमैन ने इस बार ऐसा कारनामा कर दिखाया कि पूरी दुनिया हैरान है और उसके वीडियो ने यू-ट्यूब पर सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इस स्टंटमैन का नाम है डेविड ब्लेन (47) जो अक्सर अपने खतरनाक स्टंट के लिए सुर्खियों में रहते हैं। डेविड हालही में गुब्बारों के जरिए 25000 फुट की ऊंचाई पर उड़ कर नया रिकार्ड बनाया है। ये करतब उन्होंने बुधवार को किया। अमेरिका के एरीजोना में ही उन्होंने ये खतरनाक स्टंट परफॉर्म किया। इस स्टंट को उन्होंने अधिरोहण यानि का नाम दिया जिसका अर्थ है चढ़ाव। इस स्टंट को करने के बाद डेविड ने कहा-मुझे ये एक जादू की तरह से ही लगा। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं हवा में बह रहा हूं उनके इस स्टंट के पीछे एक पूरी टीम काम कर रही थी।जिस ऊंचाई पर प्लेन उड़ते हैं उसपर जाकर उन्होंने इस गुब्बारों को छोड़ दिया और वो पैराशूट के जरिए लैंड कर गए। ऊंचाई उतनी है जितनी पर आमतौर पर एयरप्लेन उड़ते हैं। डेविड इससे पहले भी हाई रिस्क स्टंट कर चुके हैं। टाइम्स स्क्वायर में वो दो दिनों तक बर्फ के एक ब्लॉक में रहे थे। लगभग 63 घंटों तक वो इस बर्फ के ब्लॉक में रहे थे इस स्टंट को डेविड ने लाइवस्ट्रीम किया था। यूट्यूब के अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा 770,000 व्यूर्स ने उनका ये लाइव वीडियो देखा । डेविड ने इस स्टंट के लिए दो वर्षों तक तैयारी की थी।

जापान में गायों को ले जा रहा जहाज 42 क्रू मेंबर्स के साथ लापता

इंटरनेशनल डेस्क। दक्षिणी जापान में गायों को लेकर जा रहा एक जहाज बुधवार को लापता हो गया जिसकी तलाश जपानी राहत दल कर रहा है । इस जहाज पर चालक दल के 42 सदस्य सवार थे और इसके लापता होने से पहले खराब मौसम के बीच जहाज ने संकट में होने का संदेश भेजा था । तट रक्षक अधकिारियों ने बताया कि तट रक्षकों ने बुधवार की देर रात चालक दल के एक सदस्य को पानी में से बचा लिया था। उन्होंने बताया कि फिलीपीन का रहने वाला चालक दल का यह सदस्य चलने में सक्षम है और उसका स्वास्थ्य ठीक है । उन्होंने बताया कि इससे पहले जापानी नौसेना के पी-3सी निगरानी विमान ने पाया कि जीवन रक्षक जैकेट पहने एक व्यक्ति पानी में बचने की मशक्कत कर रहा है। गल्फ लाइवस्टॉक 1 जहाज ने बुधवार को तड़के संकट संदेश भेजा था। 11,947 टन वजन वाला यह जहाज 5,800 गायों को लेकर पूर्वी चीन सागर में अमामी ओशिमा के तट के नजदीक से गुजर रहा था। संकट में होने का संदेश क्यों भेजा गया था, इसका पता तुरंत नहीं चल पाया है लेकिन इलाके में मेसक टाइफून के कारण मौसम खराब था। जहाज में सवार चालक दल के अन्य सदस्यों में 38 फिलीपीन के, दो न्यूजीलैंड के और एक आस्ट्रेलिया का नागरिक है।

प्लेन के अंदर गर्मी लगी तो एमरजैंसी दरवाजा खोल विंग पर चढ़ गई महिला

इंटरनेशनल डेस्क। प्लेन में ज्यादा गर्मी लगने पर एक महिला ने ऐसी हरकत कर डाली कि क्रू मैंबर्स सहित सहयात्रियों के मुंह भी खुले रह गए। विमान में गर्मी लगने पर एक महिला प्लेन के विंग पर चढ़ गई। हैरान करने वाली घटना यूक्रेन की है। तुर्की से कमर्शियल प्लेन यूक्रेन के कीव एयरपोर्ट पर उतरा तो दो बच्चों की मां इमरजेंसी गेट तक पहुंची, दरवाजा खोला और विंग पर टहलने लगी। उसकी अजीबोगरीब हरकत की तस्वीर व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। उसने बताया कि प्लेन के अंदर बहुत गर्मी लग रही थी और उसे हवा की जरूरत थी। हवाई जहाज के एक यात्री ने बताया कि जिस वक्त महिला विंग पर थी उसके दोनों बच्चे प्लेन से बाहर उसके पास खड़े थे और हैरान थे। उन्होंने बताया कि विंग पर खड़ी महिला उनकी मां है। महिला अपने पति और बच्चों के साथ तुर्की छुट्टियां मनाने गई थी। महिला की अजीबो गरीब हरकत देख मुख्य पायलट ने फौरन एयरपोर्ट कर्मियों के अलावा पुलिस को बुलाया। पूछे जाने पर महिला अपने व्यवहार और आचरण का सटीक जवाब नहीं दे पाई और सिर्फ यही बताया कि प्लेन के अंदर बहुत ज्यादा गर्मी थी। उसके जवाब से संतुष्ट न होने पर महिला को विमानन सुरक्षा उल्लंघन के आरोप में प्रतिबंधित कर दिया गया। विमान कंपनी ने महिला के खिलाफ आर्थिक जुर्माने की भी सजा सुझाई है। टेस्ट से पता चला है कि महिला ने नशा भी नहीं किया था। यूक्रेन इंटरनेशनल एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि की है। टेस्ट से पता चला है कि महिला ने नशा भी नहीं किया था। यूक्रेन इंटरनेशनल एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि की है।

अमेरिका में चुनाव से पहले मिलेगी कोरोना वैक्सीन ! एक नवंबर को टीकाकरण के आदेश

इंटरनेशनल डेस्क।

रूस द्वारा कोरोना वैक्सीन बनाने के दावों के बीच अमेरिका ने वैक्सीन के काम के युद्ध स्तर पर चलने व चुनाव से पहले वितरण का फैसला किया है। अमेरिका ने अपने सभी राज्यों को एक नवंबर से कोरोना वायरस टीके वितरित करने के लिए तैयार रहने को कहा है। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के निदेशक रॉबर्ट रेडफील्ड ने 27 अगस्त को राज्यों के गवर्नरों को लिखे पत्र में कहा, निकट भविष्य में हमें मेककेसन कॉरपोरेशन की ओर से अनुमति पत्र मिल जाएगा, जिसने राज्यों और स्थानीय स्वास्थ्य विभागों तथा अस्पतालों समेत कई स्थानों पर टीकों के वितरण के लिए रोग नियंत्रण केन्द्र (सीडीसी) से अनुबंध कर रखा है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी राज्यों से राष्ट्रपति चुनाव से दो दिन पहले यानि 1 नवंबर तक संभावित कोविड-19 वैक्सीन वितरित करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया है। बता दें कि 3 नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। डलास बेस्ड व्होलसेरल मैक्केसन कॉर्प के पास संघीय सरकार के साथ एक सौदा है और यह कोरोना वायरस की वैक्सीन उपलब्ध हो जाने पर वितरण केंद्र स्थापित करने के लिए परमिट का अनुरोध करेगा। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) के निदेशक रॉबर्ट रेडफील्ड ने 27 अगस्त के पत्र में कहा, इन परमिटों को प्राप्त करने के लिए इस वक्त एक नॉर्मल समय की जरूरत है, जो कि तत्काल सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की सफलता के लिए यह एक महत्वपूर्ण बाधा है। पत्र में आगे हा गया है सीडीसी इन कोरोना वैक्सीन के वितरण सुविधाओं के लिए आवेदनों में तेजी लाने में सहायता की जरूरत है। कुछ हफ्ते बाद दूसरी बूस्टर खुराक की होगी जरूरत अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की एक सलाहकार समिति एक रैंकिंग व्यवस्था पर काम कर रही है, जिसके तहत वरीयता के आधार पर वैक्सीन दी जाएगी। सीडीसी ने अमेरिकी राज्यों को एक वैक्सीन रोलआउट योजना का विवरण देते हुए दस्तावेज प्रदान किए। यह भी कहा कि उन्हें या तो लाइसेंस प्राप्त वैक्सीन के रूप में मंजूरी मिलेगी या फिर आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के तहत मंजूरी मिलेगी। दस्तावेज़ों के अनुसार, प्राप्तकर्ता को पहले डोज के कुछ हफ्ते बाद दूसरी %बूस्टर% खुराक की आवश्यकता होगी। इसमें यह भी कहा गया है कि वैक्सीन और सहायक आपूर्ति संघीय सरकार द्वारा नामांकित कोविड-19 टीकाकरण प्रदाताओं से बिना किसी खर्च पर खरीदी और वितरित की जाएगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, स्वीकृति मिलने पर वैक्सीन सबसे पहले चिकित्सा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों को दी जाएगी। इसके बाद उन आवश्यक सेवाओं से जुड़े कामगारों को वैक्सीन दी जाएगी, जिन्हें कोरोना महामारी को लेकर ज्यादा खतरे में समझा जाएगा। फिर बुजुर्गो और अन्य लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी। बता दें कि अमेरिका में कोरोना वायरस वैक्सीन बनाने की रेस में 3 कंपनियां आगे चल रही हैं। तीन दवा निर्माता अपने वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल में हैं, जिनमें हजारों वॉलंटियर्स पर ट्रायल हो रहा है। पहली कंपनी एस्ट्राजेनेका जो किस इंग्लैंड की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ पार्टनर्शिप में वैक्सीन बना रही है, दूसरी मॉडर्ना है जो अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के साथ टीका डेवलप कर रही है और तीसरी फीजर अथवा बायोटेक अलायंस है। टीके के प्रयोग के शुरुआती परिणामों में किसी तरह की सुरक्षा संबंधी दिक्कत सामने नहीं आई है और पता चला है कि यह प्रतिरक्षा प्रणाली की अपेक्षित प्रतिक्रिया को बढ़ाता पता चला है कि यह प्रतिरक्षा प्रणाली की अपेक्षित प्रतिक्रिया को बढ़ाता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवसेना पर कंगना का गंभीर आरोप- संजय राउत ने दी मुंबई नहीं लौटने की धमकी

नेशनल डेस्क।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में अभिनेत्री कंगना रनौत ने फिल्म इंडस्ट्री के अंदर के काले सच पर बेबाकी से अपनी बात रख रही हैं। वहीं कंगना रानौत ने ट्वीट कर शिवसेना पर गंभीर आरोप लगाया है। कंगना ने बताया कि शिवसेना ने उसे मुंबई न आने की धमकी दी है। कंगना ने कहा कि संजय राउत ने उसे धमकी देते हुए मुंबई नहीं लौटने को कहा है। संजय राउत ने कंगना को कहा कि वह अब मुंबई आने से परहेज करें। राउत ने शिवसेना के मुखपत्र सामना में कंगना पर निशाना साधा है और कहा कि वह मुंबई में रहती हैं फिर भी यहां के पुलिस बल की आलोचना कर रही हैं, उनका ऐसा कहना शर्मनाक है। राउत ने लिखा कि हम उनसे (कंगना) विनम्र निवेदन करते हैं कि वह मुंबई न आएं। यह मुंबई पुलिस का अपमान करने के अलावा और कुछ नहीं है। गृह मंत्रालय को इसपर कार्रवाई करनी चाहिए। कंगना ने ट्वीट करते हुए कहा था कि वह एनसीबी की मदद करने के लिए तैयार हैं लेकिन इसके लिए वह केंद्र सरकार से सुरक्षा चाहती हैं। उनका कहना है कि वह ना केवल अपने करियर बल्कि अपनी जिंदगी को भी खतरे में डाल रही हैं। कंगना ने कहा कि सुशांत को कुछ डर्टी सीक्रेट पता थे इसलिए उन्हें मारा गया है। रनौत ने कहा था कि बॉलीवुड में ड्रग्स का बहुत इस्तेमाल होता है और अगर जांच की गई तो बहुत से ए लिस्टर एक्टर्स का नाम सामने आएंगे। एक अन्य ट्वीट में कंगना ने कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री का सबसे मशहूर ड्रग्स कोकेन है, वह लगभर हर हाउस की पार्टी में इस्तेमाल होता है और काफी महंगा होता है।

कंगना ने मुंबई पुलिस से भी सुरक्षा मांगी थी जिसके भाजपा नेता राम कदम ने मुंबई पुलिस, महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख और मुख्यमंत्री कार्यालय को टैग करते हुए कहा, 100 घंटे से ज्यादा हो गए हैं, जब चार दिन पहले अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा था कि वह बॉलीवुड-ड्रग माफिया को एक्सपोज करने के लिए तैयार हैं लेकिन उन्हें सुरक्षा चाहिए। दुर्भाग्य से महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें अभी तक सुरक्षा मुहैया नहीं करवाई है।

इस ट्वीट को रीट्वीट करते हुए कंगना ने कहा, सर आपकी चिंता के लिए धन्यवाद, अब मुझे मूवी माफिया से ज्यादा मुंबई पुलिस से डर लगता है, मुंबई में मुझे या तो हिमाचल प्रदेश सरकार या फिर सीधे केंद्र सरकार की ओर से सुरक्षा चाहिए, मुंबई पुलिस से नहीं। कंगना के इसी ट्वीट के बाद संजय राउत ने अभिनेत्री पर निशाना साधा है।

आर्थिक तबाही के लिए वित्त मंत्री इस्तीफा दें या प्रधानमंत्री उन्हें बर्खास्त करें: सुरजेवाला

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने जीडीपी विकास दर में भारी गिरावट और बेरोजगारी को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर देश को आर्थिक आपातकाल की तरफ धकेलने का आरोप लगाया और कहा कि इस आर्थिक तबाही के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि मौजूदा हालात में सरकार के भीतर बड़ी राजनीतिक और वित्तीय सर्जरी की जरूरत है। सुरजेवाला ने जीडीपी में गिरावट, बेरोजगारी और राज्यों को जीएसटी के बकाये से जुड़े आंकड़ों का हवाला देते हुए संवाददाताओं से कहा, आज देश में चारों ओर आर्थिक तबाही का घनघोर अंधेरा है। रोजी, रोटी, रोजगार खत्म हो गए हैं तथा धंधे, व्यवसाय व उद्योग ठप्प पड़े हैं। अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई है तथा जीडीपी पाताल में है। देश को आर्थिक आपातकाल की ओर धकेला जा रहा है। वित्त मंत्री के दैवीय घटना (ऐक्ट ऑफ गॉड) वाले बयान का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया, 6 साल से एक्ट ऑफ फ्रॉड से अर्थव्यवस्था को डुबोने वाली मोदी सरकार अब इसका जिम्मा एक्ट ऑफ गॉड यानि भगवान पर मढ़कर अपना पीछा छुड़वाना चाहती है। सच ही है, जो भगवान को भी धोखा दे रहे हैं, वो इंसान और अर्थव्यवस्था को कहां बख्शेंगे! उनके मुताबिक, 73 साल में पहली बार जीडीपी दर पहली तिमाही में घटकर माइनस 24 प्रतिशत होने का मतलब है कि देशवासियों की औसत आय धड़ाम से गिरेगी। अगर पूरे साल में अगर जीडीपी नकारात्मक 11 प्रतिशत तक भी गिरी, तो आम देशवासी की आय में बढ़ोत्तरी होने की जगह सालाना 14,900 रुपये कम हो जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया, लोगों का विश्वास सरकार से पूरी तरह उठ चुका है। लघु, छोटे और मध्यम उद्योगों से पूछिए, तो वो बताएंगे कि बैंक न तो कर्ज देते हैं और न ही वित्तमंत्री की बात में कोई वजन्। मोदी सरकार का 20 लाख करोड़ का जुमला आर्थिक पैकेज भी डूबती अर्थव्यवस्था, आर्थिक तबाही व गिरती जीडीपी को रोकने में फेल साबित हुआ। कांग्रेस नेता ने दावा किया, 73 साल में पहली बार केंद्र सरकार घोषित रूप से डिफॉल्टर हो गई है।

झारखंड के धनंजय ने पेश की मिसाल, गर्भवती पत्नी को परीक्षा दिलाने के लिए चलाई 1176 किमी. स्कूटी

रांची। अग्नि को साक्षी मानकर पति-पत्नी द्वारा लिए गए 7 फेरों के असली बंधन को झारखंड के धनंजय कुमार ने पूरा करके दिखाया है। धनंजय ने खुद 10वीं भी पास नहीं की लेकिन उनका सपना अपनी पत्नी को शिक्षक बनाना था। उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी को डिलेड की परीक्षा दिलवाने के लिए स्कूटी पर 1176 किमी. का सफर तय किया। साथ ही रास्ते में कई तरह की कठिनाईयों का सामना करते हुए ग्वालियर पहुंचे। मांझी समाज के धनंजय झारखंड के गोड्डा जिले के रहने वाले हैं। वह लगभग 1176 किमी. स्कूटी चलाकर अपनी गर्भवती पत्नी सोनी हेम्बरम को डिलेड द्वितीय वर्ष की परीक्षा दिलाने के लिए ग्वालियर के पद्मा कन्या विद्यालय पहुंचे। उन्होंने ग्वालियर में ठहरने के लिए दीनदयाल नगर में 1500 रुपए में 10 दिन के लिए कमरा किराए पर लिया है। 11 सितंबर को परीक्षाएं संपन्न होने के बाद यह दंपत्ति वापस स्कूटी से ही झारखंड के लिए रवाना होंगे। वहीं धनंजय ने बताया कि सोनी 6 महीने की गर्भवती है। दिसंबर महीने में प्रसव होने की उम्मीद है। परीक्षा देना जरूरी था, लेकिन ट्रेन बंद हैं और किराए के वाहन से आने में लगभग 30 हजार रुपए का खर्चा आ रहा था। ऐसे में दोनों ने तय किया कि दोपहिया वाहन से ही यह सफर तय किया जाए।

आयकर विभाग ने सीमा पार व्यापार में लगे जम्मू कश्मीर के व्यापारियों के यहां मारा छापा

नयी दिल्ली । आयकर विभाग ने पाकस्तान के साथ पिछले साल ही बंद हुए सीमापार व्यापार से जुड़ी करचोरी के आरोप में जम्मू कश्मीर के श्रीनगर और कुपवाड़ा जिलों में तीन हत्वपूर्ण व्यापारियों के यहां बुधवार को छापा मारा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा,इन अभियानों से प्रथम दृष्ट्या इन तीनों द्वारा अर्जित की कई अघोषित आय, बिना लेखा-जोखा वाली संपत्तियां एवं अभियोजन योग्य साक्ष्य तथा बेनामी लेन-देन में संलिप्तता सामने आयी है। वैसे बयान में यह नहीं बताया कि किन लोगों के यहां छापा डाला गया लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि हिलाल अहमद, गुलाम रसूल माग्रे और इशफाक डार के यहां छापा मारा गया। आयकर विभाग के लिए नीतियां बनाने वाले सीबीडीटी ने कहा कि उसने पाया कि कुछ मामालों में इन व्यापारियों ने आय के बावजूद आयकर रिटर्न फाइल नहीं किया जबकि कुछ मामलों में रिटर्न में विसंगतियां थीं। उसने कहा कि नियंत्रण रेखा पार व्यापार से संबंधित अभियोजन योग्य दस्तावेज सीमापार व्यापार के संरक्षक से जब्त किये गये है जो बड़े पैमाने पर कर चोरी को दर्शाते हैं।

तीन स्टेज में शुरू होगी दिल्ली मेट्रो, कोरोना के चलते यात्रियों को करना होगा इन नियमों का पालन

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सात सितंबर से शुरू होने वाली दिल्ली मेट्रो सेवाओं को लेकर दिल्ली मेट्रो रेल निगम(डीएमआसी) ने गुरूवार को यात्रियों के लिए विशेष दिशानिर्देश जारी किए और कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए इनका पालन सभी यात्रियों को करना अनिवार्य होगा। पहले चरण में सात,नौ और 10 सितंबर तथा दूसरे चरण में 11 सितंबर और तीसरे चरण में 12 सितंबर से मेट्रो रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं। मेट्रो परिसरों को कोविड-मुक्त रखे जाने के लिए निवारक उपाय मेट्रो स्टेशनों पर आरंभ में, प्रत्येक स्टेशन पर केवल एक अथवा दो निर्धारित गेट से यात्रियों को प्रवेश/निकास की अनुमति होगी। डीएमआरसी ने कोरोना संक्रमण के बीच अपनी सेवाओं को शुरू करने की तैयारियों संबंधी विस्तृत जानकारी यहां राजीव चौक पर मीडिया को दी। इस दौरान एक ट्रेन को डिसप्ले के तौर पर खड़ा किया गया था और उसमें यात्रियों को बैठने संबंधी जानकारी दी गई। यात्रियों को डिब्बे के भीतर एक सीट छोड़कर बैठना होगा और अगर यात्री खड़े होते हैं तो उनके बीच की दूरी कम से कम एक मीटर तय की गई है। मेट्रो में चढने् के लिए यात्रियों की जानकारी के लिए प्रवेश द्वार के नजदीक गोले बनाए गए हैं और ये निश्चित दूरी को तय करते हैं। स्टेशनों/गाड़ियों में प्रवेश करते समय तथा पूरी यात्रा के दौरान सभी यात्रियों के लिए फेस मास्क पहनना/ चेहरे को कवर करना अनिवार्य होगा। स्वास्थ्य संबंधी अपडेट के लिए यात्रियों द्वारा च्आरोग्य सेतु ऐप का उपयोग अपेक्षित होगा। स्टेशन के प्रवेश द्वारों/फिस्किंग एरिया में सभी यात्रियों को थर्मल स्क्रीनिंग से गुजरना होगा तथा हाथों को सेनिटाइज करना होगा। 45 प्रमुख स्टेशनों पर च्ऑटो थर्मल सह हैंड सेनिटाइजेशन मशीनों की व्यवस्था की गई है। शेष मेट्रो स्टेशनों पर हैंड सेनिटाइजेशन के लिए च्ऑटो सेनिटाइजर डिस्पेंसर लगे होंगे और थर्मल स्क्रीनिंग मैनुअली च्थर्मल गन के द्वारा की जाएगी।

हेट स्पीच को लेकर फेसबुक की कार्रवाई, भाजपा विधायक टी राजा को किया बैन

नई दिल्ली।

घृणा भरे भाषणों से निपटने के तौर-तरीकों को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही फेसबुक ने हिंसा और नफरत को बढ़ावा देने वाली सामग्री से जुड़ी अपनी नीतियों का उल्लंघन करने के मामले भाजपा नेता टी. राजा सिंह को अपने मंच और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंधित कर दिया है। फेसबुक के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए जारी किए एक मेल में कहा, हमारी नीति हिंसा को बढ़ावा देने या हिंसा में संलग्न होने वालों की हमारे मंचों पर उपस्थिति प्रतिबंधित करने की हमारी नीति रही है और इसका उल्लंघन करने पर हमने राजा सिंह को फेसबुक पर प्रतिबंधित कर दिया है। बयान के अनुसार संभावित उल्लंघनों का मूल्यांकन करने की प्रक्रिया व्यापक है और इसके जरिए फेसबुक ने भाजपा नेता का अकाउंट हटाने का निर्णय किया। गौरतलब है कि हाल ही में बीबीसी, च्वॉल स्ट्रीट जर्नल, रॉयटर्स और टाइम मैगजीन ने खबरें प्रकाशित की थीं, जिनमें दावा किया गया था कि फेसबुक की भारतीय इकाई के कुछ पदाधिकारियों ने भाजपा को फायदा पहुंचाया है। इसके बाद से फेसबुक सवालों के घेरे में है। भारत में 30 करोड़ से अधिक लोग फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि फेसबुक के कर्मचारी चुनावों में लगातार हार का सामना करने वाले लोगों तथा प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को गाली देने वालों का समर्थन कर रहे हैं।

हाई प्रोफाइल लव जेहाद मामले में जाकिर नाइक आरोपी, लंदन-बंगलादेश तक पहुंची एनआईए

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एक हाई-प्रोफाइल 'लव जेहाद' मामले में कट्टरवादी इस्लामिक उपदेशक और भगौड़े जाकिर नाइक और पाकिस्तान मूल के 2 कट्टर प्रचारकों को आरोपी बनाया है। हाई-प्रोफाइल मामले में चेन्नई के एक व्यापारी की बेटी और बंगलादेश के एक पूर्व सांसद शेखावत हुसैन बकुल का बेटा नफीस शामिल है जिसका संबंध पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बंगलादेश नैशनलिस्ट पार्टी से है। फिलहाल भारतीय कारोबारी की बेटी और बंगलादेश के राजनेता के बेटे की लंदन में हुई शादी के मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार भारतीय प्रवर्तन एजेंसियों ने

वांछित जाकिर नाइक और अमरीका में पाकिस्तानी मूल के कट्टर प्रचारक यासिर कादी और नौमान अली खान को इस मामले में आरोपी के रूप में नामित किया है। लड़की के पिता ने मई में चेन्नई सैंट्रल क्राइम ब्रांच के पास शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि उनकी बेटी जो लंदन में पढ़ रही थी, वह कट्टरपंथी के संपर्क में आ गई और उसे इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया।

देश में कोरोना का सबसे बड़ा उछाल- 24 घंटे में 83883 नए केस, 67 हजार से ज्यादा की मौत

नेशनल डेस्क।

देश में कोरोना महामारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान पहली बार संक्रमण के 83 हजार से अधिक नए मामले सामने आए जिससे संक्रमितों की संख्या 38.53 लाख के पार पहुंच गई हालांकि राहत की बात यह है कि इस दौरान 68 हजार से अधिक लोग स्वस्थ भी हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 83,883 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 38,53,407 हो गया। कोरोना संक्रमितों की संख्या में हुई यह वृद्धि विश्व के किसी भी देश में एक दिन में दर्ज किया गया सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले भी 78,761 की सर्वाधिक दैनिक वृद्धि भारत में ही 29 अगस्त को हुई थी। पिछले 24 घंटों के दौरान 68,584 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 29,70,493 हो गई है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नए मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 14,256 बढ़कर 8,15,538 हो गए हैं। देश के केवल 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दौरान मरीजों की संख्या कम हुई है तथा इस अवधि में 1,043 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 67,376 हो गई। देश में सक्रिय मामले 21.16 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.09 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.75 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 3,182 बढ़कर 2,02,048 हो गयी तथा 292 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 25,195 हो गया। इस दौरान 13,959 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,98,496 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं।

आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,866 बढ़ने से सक्रिय मामले 1,03,076 हो गए। राज्य में अब तक 4,125 लोगों की मौत हुई है, वहीं कुल 3,48,330 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 3,460 की वृद्धि हुई है और यहां अब 94,478 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 5,950 पर पहुंच गया है तथा अब तक 2,60,913 लोग स्वस्थ हुए हैं।

कुलदेवता को खुश करने के लिए पति ने रेत दिया पत्नी का गला, बेटे के सामने ही दिया घटना को अंजाम

सिंगरौली । मध्य प्रदेश के सिंगरौली के बसौड़ा में अंधविश्वास के चलते एक पति बृजेश केवट ने अपनी पत्नी बिट्टी देवी की गला काट कर हत्या कर दी। असल में यह पूरा मामला अपने कुल देवता को प्रसन्न करने के चक्कर में हुआ है लेकिन सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है इस पूरी वारदात का चश्मदीद गवाह और कोई नहीं बल्कि उसका खुद का बेटा है। बेटे की मानें तो माता-पिता घर में कुल देवता की पूजा कर रहे थे और उसके बाद सभी लोग सो गए। लेकिन रात में जैसे ही शोर शराबा सुना तो लड़का बाहर निकला और वह माता-पिता के कमरे में गया जहां उसने माता-पिता को झगड़ते देखा। इस झगड़े में बीच बचाव करने का बेटे ने प्रयास भी किया तो पिता ने बेटे से कहा कि तुम हट जाओ नहीं तो तुम्हें भी मार दूंगा। बेटे ने बताया कि जब उसने मां के चिल्लाने की आवाज सुनी तो वह हड़बड़ा कर उठा। उसने देखा की मम्मी को पापा ने मार दिया है। इसके बाद पिता ने बेटे से कहा कि तुम भाग जाओ नहीं तुमको भी मार देंगे फिर बेटा भाग गया, और रोने लगा। जब वह बाहर जाकर चिल्लाने लगा तो आस पास के पड़ोसी उसके घर आए। सभी लोग बाहर आए पुलिस वालों को फोन किया। पुलिस पूछताछ में बेटे ने बताया कि हमारे घर में बकरे की हो ती थी जब मैं बाहर निकला तो अंदर से दरवाजा बंद कर दिया गया। बेटे ने यह भी बताया कि पिता ने हत्या करने के बाद मां के शव और उसकी गर्दन को मिट्टी के नीचे दबा भी दिया था। जैसे ही इस जघन्य हत्याकांड की खबर पुलिस के पास पहुंची पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू की गई। पुलिस खुद भी यह मानती है कि यह पूरा जघन्य हत्याकांड अंधविश्वास के चलते हुआ है। इससे पहले देश के अलग-अलग हिस्सों में बेजुबान जानवरों के साथ-साथ नरबलि की खबरें आती रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के अकाउंट हैकिंग पर ट्विटर ने दिया जवाब, कहा- हम जुटें हैं जांच पर

नेशनल डेस्क। ट्विटर ने वीरवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निजी वेबसाइट से जुड़े अकाउंट को हैक कर लिया गया था जिसे बाद में ठीक कर दिया गया। ट्विटर के प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए जारी किए बयान में कहा कि हमें इस गतिविधि की जानकारी है और हमने हैक किए गए अकाउंट को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाए हैं। हम सक्रियता से स्थिति की जांच कर रहे हैं। इस वक्त, हमें अन्य किसी अकाउंट के प्रभावित होने की जानकारी नहीं है। अपना अकाउंट सुरक्षित रखने के लिए आप आवश्यक जानकारी देख सकते हैं। हैक किए गए अकाउंट के करीब 25 लाख फॉलोअर हैं। खबरों के मुताबिक प्रधानमंत्री की निजी वेबसाइट के टिवटर अकाउंट को हैक करने के बाद, साइबर अपराधी ने इस पर क्रिप्टो करेंसी का इस्तेमाल कर कोविड-19 के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में दान देने का अनुरोध करने संबंधी पोस्ट डाली थी। एक अन्य संदेश में कहा गया कि हां, यह अकाउंट जॉन विक ने हैक किया है, हमने पेटीएम मॉल हैक नहीं किया है। इससे पहले 30 अगस्त को, साइबर सुरक्षा की कंपनी साइबल ने दावा किया था कि पेटीएम की ई-कॉमर्स इकाई, पेटीएम मॉल में डेटा उल्लंघन संबंधी घटना के लिए हैकर समूह जॉन विक जिम्मेदार है। ट्विटर ने यह भी कहा कि उसकी जांच के मुताबिक, हालिया हमला ट्विटर प्रणाली या सेवा के असुरक्षित होने की वजह से नहीं हुआ है। ट्विटर ने कहा कि फिलहाल इस बात के कोई संकेत या सबूत नहीं है कि इस अकाउंट को हैक किए जाने और जुलाई में हुई घटना में कोई संबंध है। जुलाई में, जेफ बेजोस, बराक ओबामा, बिल गेट्स, एलन मस्क और अन्य हाई-प्रोफाइल उपयोगकर्ताओं के अकाउंट में भी सेंध लगाई गई थी। अपने ब्लॉग पर 30 जुलाई को दी गई जानकारी में ट्विटर ने कहा था कि हैकरों ने उसकी आंतरिक प्रणाली तक पहुंचने और उसकी प्रक्रियाओं की सूचना जुटाने के लिए कुछ कर्मचारियों की जानकारियों का इस्तेमाल किया। कंपनी ने कहा कि था कि हैकरों ने 130 ट्विटर अकाउंटों को निशाना बनाया था जिसमें से 45 से ट्वीट किये गये, 36 के डीएम इनबॉक्स तक पहुंच बनाई और सात अकाउंटों के ट्विटर डेटा को डाउनलोड किया गया।

बड़ी-ब्राहमणा में संदग्धि हालात में व्यक्ति की मौत

साम्बा । बड़ी-ब्राहमणा में संदग्धि हालात में एक व्यक्ति की मौत होगई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाने में यह सूचना मिली थी कि बड़ी-ब्राहमणा के तेली बस्ती इलाके में अंबेदकर भवन के पास एक शव पड़ा हुआ है। खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और औपचारिकताएं पूरी कर शव को कब्जे में लिया व जीएमसी जम्मू के शवगृह में रखवाया। मृतक के सर व चेहरे पर चोट के निशान पाए गए हैं और चेहरा खून से लथपथ था। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने इस दौरान आसपास के लोगों से भी पूछताश की गई लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई। संदग्धि मौत को देखते हुए पुलिस ने धारा 174 के तहत जांच शुरू कर दी है और शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

मास्क-दस्ताने, सैनिटाइजर और चाय की छोटी थैलियों के साथ कोरोना से मुकाबले को तैयार संसद

नेशनल डेस्क। कोविड-19 की छाया में 14 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के दौरान सांसदों, कर्मचारियों सहित करीब 4000 लोगों के लिए कोरोना वायरस टेस्ट कराने, हजारों की संख्या में मास्क, दास्ताने, सैकड़ों सैनिटाइजर की बोतलें, चेहरे ढकने का आवरण या फेस शिल्ड सहित 18 दिनों के सत्र के लिए कई अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि सम्पूर्ण संसद परिसर की समय-समय पर साफ-सफाई और कीटाणु मुक्त किया जाएगा, वहीं विभिन्न संसदीय कागजातों के अलावा जूता-चप्पल एवं सांसदों के कारों को भी कीटाणु मुक्त बनाने की व्यवस्था होगी। परिसर में आने जाने वाले लोगों की जांच की, बिना छुए सुरक्षा स्कैनिंग की व्यवस्था की जा रही है, साथ ही बिना छुए थर्मल स्कैनिंग भी की जाएगी। पहली बार लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई दो पालियों में आयोजित की जाएगी। सांसदों के लिए सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए बैठने की विशेष व्यवस्था होगी। ष्टश1द्वस्र-19 महामारी को देखते हुए संसद परिसर को सुरक्षा जोन बनाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापित एम वेंकैया नायडु ने कुछ ही दिनों पहले स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय आदि के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। 14 सितंबर से 1 अक्तूबर तक चलने वाले संसद सत्र के लिए तय मानक परिचालन प्रक्रिया के तहत सांसदों और दोनों सचिवालय के कर्मचारियों तथा कार्रवाई को कवर करने वाले मीडिया कर्मियों को सत्र शुरू होने से 72 घंटे पहले कोविड-19 टेस्ट कराने को कहा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सांसदों, कर्मचारियों, पत्रकारों सहित सहित करीब 4000 लोगों के लिए कोरोना वायरस टेस्ट कराने की व्यवस्था की गई है। केवल सांसदों और मंत्रियों को मुख्य भवन में प्रवेश की अनुमति होगी जबकि उनके निजी कर्मचारियों के लिए परिसर में अलग बैठने की व्यवस्था की जाएगी। सामाजिक दूरी के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए दोनों सदनों के सदस्यों के बैठने की नई व्यवस्था तैयार की गई है। सांसदों को मास्क पहनते हुए और बैठकर आसन को संबोधित करने की इजाजत होगी।

भारत के खिलाफ आईएसआईएस को खुलकर स्पोर्ट कर रहा तुर्की राष्ट्रपति का परिवार

इंटरनेशनल डेस्क। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के दोनों बेटे अहमद और बिलाल इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) का खुला सपोर्ट कर रहे हैं। एर्दोगन का एक बेटा मध्यस्थ है। उसने आतंकवादियों से भी पैसे खा लिए हैं। तुर्की भारत के खिलाफ काम करने के लिए पैसे दे रहा है और साजिशें रच रहा है जिसका भारत को सबूत मिल चुका है। भारत सरकार को अब तुर्की से निपटने के लिए कुर्द लड़ाकों को हथियारों, पैसे, राजनीतिक या कूटनीतिक रूप से सपोर्ट करना चाहिए। यह कहना है रक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिकार सेवानिवृत्त मेजर गौरव आर्य का। आर्य ने एक चैनल से बातचीत में कहा कि एर्दोगन और उसका परिवार आतंकवाद का इस्तेमाल कर रहा है। वह कश्मीर को लेकर चाहे जितने भी गाने रिलीज कर ले, कुछ नहीं होने वाला। एर्दोगन अपने आपको इस्लामिक वर्ल्ड का व्लादिमीर पुतिन बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कठोर शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि चीन ने भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने के लिए पांच पागल कुत्ते पाकिस्तान, नॉर्थ कोरिया, तुर्की, ईरान और मलेशिया पाल रखे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सी आर पाटील ने अंबाजी के दर्शन कर उत्तरी गुजरात की यात्रा शुरू की

अहमदाबाद सौराष्ट्र के बाद गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील उत्तरी गुजरात की यात्रा पर हैं।

गुरुवार को अंबाजी के दर्शन करने के बाद सीआर पाटील ने उत्तरी गुजरात की यात्रा की शुरुआत की।

हांलाकि यात्रा प्रारंभ करने से पहले ही अंबाजी में भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ा दीं।

अंबाजी में भाजपा नेता और स्थानीय संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने सीआर पाटील का ढोल–नगारे, परंपरागत वेशभूषा में सांस्कृतिक नृत्य के साथ भव्य स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा नेता और कार्यकर्ता भूल गए कि कोरोना काल चल रहा है और सोशल डिस्टेंस मेन्टेन करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो गज की दूरी का मंत्र दिया है,

जिसे निभाना है। स्वागत कार्यक्रम में मौजूद भाजपा के किसी नेता और कार्यकर्ताओं ने सोशल डिस्टेंस का पालन करना जरूरी नहीं समझा।

इसम के पर प्रदेश संगठन के महासचिव भीखु दलसाणिया, प्रदेश महासचिव केसी पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष गोरधन झडफिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री हरिभाई चौधरी, सांसद परबत पटेल, पूर्व मंत्री शंकर चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता भरत पंड्या, प्रदेश सचिव प्रदीपसिंह वाघेला, प्रदेश युवा मोर्चा के प्रमुख डॉ. ऋत्विज पटेल समेत कई नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

हार्दिक पटेल की मौजूदगी में भाजपा नगर पार्षद कांग्रेस में शामिल

राजकोट (एजेसी) महानगर पालिका चुनाव से पहले भाजपा को राजकोट में झटका लगा हैं। भाजपा की एक महिला पार्षद ने आज हार्दिक पटेल की मौजूदगी में कांग्रेस जॉइन कर लीं। पार्षद के अलावा एबीवीपी और भाजप युवा मोर्चा के 20 जितने पदाधिकारी भी कांग्रेस में शामिल हो गएं। हार्दिक पटेल का दावा है कि भाजपा के 5 नगर पार्षद कांग्रेस के संपर्क में हैं। इस साल के अंत में राज्य की महानगर पालिकाओं के चुनाव होने हैं और भाजपा व कांग्रेस ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस में आवन जावन भी शुरू हो गई है। गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल आज राजकोट में थे। राजकोट में हार्दिक पटेल की उपस्थिति में भाजपा की महिला नगर पार्षद दक्षा भेसाणिया कांग्रेस में शामिल हो गईं। इस घटना को आगामी दिनों में होनेवाले महानगर पालिका चुनावसे पहले भाजपा को झटका माना जा रहा है। इस मौके पर हार्दिक पटेल ने दावा किया है कि भाजपा और 5 नगर पार्षद उनके संपर्क में हैं और जल्द ही वह भी कांग्रेस जॉइन कर लेंगे। दूसरी ओर सौराष्ट्र मार्केट यार्ड के व्यापारी एसोसिएशन के प्रमुख अतुल कमाणी भी कांग्रेस में शामिल हो गए। इसके अलावा एबीवीपी और युवा भाजपा के 20 जितने पदाधिकारी तथा एनजीओ संचालक चांदनी लिंबासिया ने भी आज कांग्रेस जॉइन कर ली। नगर पार्षद दक्षा भेसाणिया के कांग्रेस में शामिल होने पर राजकोट शहर भाजपा प्रमुख कमलेश मिराणी ने कहा कि पार्टी को इसका पहले से पता था। दक्षा भेसाणिया समेत उनके पति पिछले 2 साल से पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे। अतीत में भी दक्षा भेसाणिया ने इस्तीफा देने के ड्रामा किया था। पिछले सप्ताह उनसे साफ कह दिया था कि अब उन्हें कभी टिकट नहीं मिलेगी। टिकट की लालच में दक्षा भेसाणिया ने कांग्रेस जॉइन की है।

24 घंटों में कच्छ में भूकंप के पांच झटके

अहमदाबाद कच्छ में भूकंप के लगातार झटके लग रहे हैं और बुधवार की दोपहर बाद 24 घंटों में भूकंप के 5 झटकों से लोगों में दहशत हैं । बुधवार की दोपहर 2.01 बजे कच्छ के भचाऊ में भूकंप जिसके बाद कच्छ के दुधई, रापर और भचाऊ में भूकंप का झटका लगा। हांलाकि रिक्टर स्कैल पर इसकी तीव्रता कम थी।

बुधवार की दोपहर बाद रात 9.15 बजे 1.6 की तीव्रता का भूकंप दूर, गुरुवार तड़के 2.53 बजे 1.2 की तीव्रता का झटका दुधई से 17 किलोमीटर दूर और सुबह 5.21 बजे 1.9 की तीव्रता का भूकंप का झटका दुधई से 18 किलोमीटर दूर महसूस किया गया ।

का झटका महसूस किया गया थां।

भूकंप का केन्द्रबिंदू दूधई से 7 किलोमीटर दूर स्थित था। का झटका भचाऊ से 9 किलोमीटर दूर, रात 11.07 बजे 2.5 की तीव्रता का झटका रापर से 18 किलोमीटर

24 घंटों में कच्छ में आए भूकंप के पांच झटकों में से 3 झटके दुध ई के आसपास महसूस किए गए।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराकर लोगों को कोरोना मुक्त बनाने की मंशा: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद कोरोना संक्रमण के हालात के मद्देनजर राजकोट सिविल हॉस्पिटल में उपलब्ध उप. चार सुविधा के संदर्भ में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सि. विल हॉस्पिटल का वर्चुअल दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कोरोना संक्रमित मरीजों और दिन–रात उनकी सेवा में जुटे डॉक्टरों व नर्सों के साथ सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार की मंशा राज्य में कोरोना संक्रमण की रोकथाम और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराकर लोगों को कोरोना मुक्त बनाने की है। इसके लिए राज्य के सरकारी हॉस्पिटलों में विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराकर धन्वंतरि रथ के साथ सर्विलांस की गहन व्यवस्था भी की गई है। राजकोट में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में हेल्पलाइन नं. 104 की सुविधा के साथ संजीवनी रथ के जरिए घर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोगों के घर जाकर उनकी निःशुल्क चिकित्सा जांच और उपचार भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सिविल हॉस्पिटल में अपनी जान की परवाह किए बगैर दिन–रात लोगों की सेवा में जुटे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों जैसे फ्रंटलाइन कोरोना योद्धाओं को उनके कार्य के लिए बधाई देते हुए आईसीयू में उपचाराधीन मरीजों को देखने के लिए दिन में दो बार सीनियर डॉक्टरों को विजिट करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकारी हॉस्पिटल में उपचार की जिम्मेदारी को सरकार पूरी निष्ठा के साथ निभा रही है। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को राजकोट

मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने राजकोट सिविल हॉस्पिटल का किया वर्चुअल दौरा

सिविल हॉस्पिटल का वर्चुअली दौरा कराते हुए डॉक्टर संजय कापड़िया ने वेंटिलेटर, ऑक्स. ीजन और बेड जैसी उपलब्ध सुविधाओं के साथ ही हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों और उन्हें मुहैया कराई जा रही उपचार सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों से उन्हें उपलब्ध उपचार सुविधाओं के बारे में पूछा,

जिस पर मरीजों ने पूर्ण संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री के राजकोट सिविल हॉस्पिटल के इस वर्चुअल दौरे के दौरान स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव जयंती रवि, सचिव मिलिंद तोरवणे, उद्योग आयुक्त डॉ. राहुल गुप्ता, कलक्टर रेम्या मोहन और राजकोट मनपा आयुक्त उदित अग्रवाल उपस्थित थे।

तीन अलग अलग सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मौत, 5 घायल

अहमदाबाद तीन अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गईं। जबकि पांच लोग घायल हो गएं। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले के दांता के पांच युवक जीप लेकर राजस्थान के सुंधा घूमने जा रहे थे। रास्ते में राजस्थान के चांडपुर हाईवे पर जीप चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और जीप पलटी खा गई। इस हादसे में शैलेष नामक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि महेश ने अस्पताल ले जाते हुए मौत हो गई। जबकि विजय और रमेश नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का रानीवाडा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार चल रहा है। वहीं अरवल्ली जिले के मोडासा और कपड़वंज रोड पर ट्रक ने एक बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौत ह गई, जबकि दो महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने चक. काजाम कर दिया। जिससे हाईवे पर वाहनों की 2 किलोमीटर लंबी कतार लग गई। खबर मिलते ही धनसुरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और यातायात बहाल किया। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू की है। तीसरी सड़क दुर्घटना में राजकोट के जेतपुर तहसील के सरधारपुर गांव के निकट हुई। सरदारपुर गांव के निकट एक ट्रेक्टर ने मोटर साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल शख्स को जूनागढ़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद ट्रेक्टर चालक मौके पर अपने ट्रेक्टर छोड़कर फरार हो गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जेतपुर सरकारी अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू कीं।

दो नाइजीरियन समेत पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार, अन्य आरोपीयो जांच शुरू।

साइबर क्राइम ने 1.71 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सुलझाया।

सूरत। हैकिंग और सायबर क्राइम के अन्तराष्ट्रीय मामले को सुलझाने में सूरत साइबर क्राइम पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है।पुलिस ने 1.71 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में दो नाइजीरियन समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और इस गिरोह के अन्य सदस्यो की जाँच शुरू की है।

पुलिस सुत्रो से मिली जानकारी के मुताबिक साइबर क्राइम की टीम ने हैकिंग और साइबर क्रिमिनल के मामले को सुलझाते हुए दो नाइनेरियन समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिसमे नेविल शुक्ला,राकेश मालवीया इमरान काजी,राफेल यींकी, और केल्विन ओझोम्बेची शामिल है।

आरोपियों के गिरोह में शामिल मास्टरमाइंड हैकर्स ने अड़ाजन क्षेत्र निवासी शिकायतकर्ता प्रियांक पटेल का कंप्यूटर हैक कर किया या किसी अन्य कारण से उसका ईमेल आईडी तथा नेट बैंकिंग और पासवर्ड चोरी करके इसके बाद ईमेल आईडी से बैंक अकाउंट में रजिस्टर मोबाईल नम्बर बंद करके शिकायतकर्ता के बैंक अकाउंट में से नेट बैंकिंग के माध्यम से 26 और 27 जुलाई को बिहार पश्चिम बंगाल तथा उत्तर प्रदेश के कुल 11 अकाउंट में से टुकड़े–टुकड़े 1,71,80,012 रुपए ट्रांसफर कर लिए गए थे।

इस बारे में जब उसे पता चला तो वह दौड़कर बैंक ऑफ बरोड़ा भटार रोड के ब्रांच में गया और वहां बैंक मैनेजर को नेट बैंकिंग चालू नहीं होने के बारे में शिकायत की थी।

जिसके बाद मैनेजर ने बैंक अकाउंट चेक किया तो उसमें 27 जुलाई को कई सारे अकाउंट में नेट और आरटीजीएस के माध्यम से 1,71,80,012 रुपए ट्रांसफर हो गए थे।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने दोनों अकाउंट पर रजिस्टर मोबाइल नंबर को चेक किया जो बंद बता रहा था।नंबर पर फोन करने का प्रयास करने पर नॉट रजिस्टर्ड और नेटवर्क बताने लगा।

इसके बाद बैंक मैनेजर ने शिकायतकर्ता को पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करने की सलाह और बैंक में भी कंप्लेंट करने के लिए समझाया।जिससे उसने बैंक में शिकायत दर्ज करवाई साथ ही साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने अज्ञात ठग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था।

इस पूरे प्रकरण को साइबर क्राइम ने सुलझाकर अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की जांच पड़ताल शुरू की है।

9 लोगों की जान बचाने वाले आरपीएफ के कॉन्स्टेबल शिवचरण सिंह गुर्जर को मिलेगा राष्ट्रपति का "उत्तम जीवन रक्षा पदक"

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर महेसाणा पोस्ट पर कार्यरत आरपीएफ के कॉन्स्टेबल शिवचरण सिंह गुर्जर को पिछले वर्ष सामाखियाली में बाढ़ से डूबते हुए 9 लोगों की जान बचाने के लिए राष्ट्रपति के "उत्तम जीवन रक्षा पदक" से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा।

मण्डल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने बताया कि पिछले वर्ष 10 अगस्त को ट्रेन संख्या 12959 दादर भुज एक्सप्रेस ट्रेन में ड्यूटी पर गांधीधाम जा रहे शिवचरण सिंह गुर्जर ने मानवता की बेहतरीन मिसाल पेश करते हुए निडर एवं साहसपूर्ण कार्य से सामाखियाली स्टेशन पर भारी वर्षा और बाढ़ से 9 व्यक्तियों की जान बचाई जिसमें एक महिला भी थी। गुर्जर ने अपनी जान की परवाह न करते हुए 20 फुट पानी व तेज बहाव में तैरते हुए लोगों तक पहुंचे जिसमें 8 लोग पेड़ पर फंसे हुए थे जिन्हे उन्होंने उपलब्ध रस्सी के सहारे उन्हें सुरक्षित जगह पहुंचाया।

उस दौरान अंधेरा हो जाने के कारण बचाव कार्य में बाधा भी आ रही थी किंतु अपनी जीवटता एवं दृढ़ निश्चय इरादे के साथ उन्होंने एकाग्रचित्त होकर इस बचाव अभियान को पूरा किया। शिवचरण गुर्जर को इस अदम्य साहस व कर्मनिष्ठा के लिए इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर आरपीएफ के महानिदेशक "प्रशंसा पत्र व पदक" से सम्मानित किया गया।

अहमदाबाद मण्डल, जिला प्रशासन तथा पश्चिम रेलवे स्तर पर भी सम्मानित किया जा चुका है।

नर्मदा नदी का जलस्तर घटने से लोगों को मिली राहत, कृषि फसलें चौपट

अहमदाबाद सरदार सरोवर बांध से 10 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा नदी के तटवर्ती इलाके जलमग्न हो गए थे।

हांलाकि अब नर्मदा नदी का जलस्तर घटने से लोगों को बड़ी राहत मिली हैं।

सरदार सरोवर बांध से लगातार 5 दिनों तक 10 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से तटवर्ती इलाके के गांवों में भारी तबाही हुई है।

सबसे अधिक किसानों का नुकसान हुआ है।

उनकी खड़ी फसलें चौपट हो गई हैं। नदी किनारे के खेत 20 फूट पानी में डूब गए थे।

नर्मदा जिले के धनपोर, धमणाचा, रूंढ, हजरपुरा, भुछाड़, शहेराव, तारसाल समेत 24 जितने गांव जलमग्न हो गए थें। जिले में नर्मदा के पानी से करीब 4000 हेक्टर जमीन में केला, गन्ना, कपास, पपिता और सब्जी समेत अन्य फसलें नष्ट हो गई हैं।

हांलाकि अब सरदार सरोवर बांध से कम पानी छोड़े जाने से नर्मदा नदी के जलस्तर घटा है।। पिछले 17 घंटों में नर्मदा नदी का जलस्तर 18 फूट घटा हैं।

दूसरी ओर नर्मदा डैम का जलस्तर 134.80 मीटर पर पहुंच गया है।

ऊपरी हिस्से से पानी की आय में कम हुई है। फिलहाल सरदार बांध में 387040 क्यूसेक की आय हो रही है और डैम के 10 दरवाजे 0.8 मीटर तक खोलकर 113320 क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। डैम से कम पानी छोड़े जानेसे भरुच शहर भी बाढ़ के संकट से उबर गया है।

भरुच के गोल्डन ब्रिज के निकट नर्मदा नदी का जलस्तर 17.50 फूट पर स्थिर है।

सुरत महानगर पालिका के प्री–मौनसून कार्य पूरी तरह से न किया होने के विरोध में सड़कों पर पड़े गड्ढों को लेकर के प्रतीकात्मक विरोध कोंग्रेसी कार्यकर्ताओं को कतारगाम पुलिस ने पकड़ा.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मारपीट के बाद की गई शख्स की हत्या, पुलिस ने किया खुलासा

लखनऊ (एजेसी)। लखनऊ पुलिस ने एक शख्स की हत्या का खुलासा करते हुए एक युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस बताया कि हत्या से पहले आरोपियों ने एक वीडियो बनाया, जिसमें वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पैसों के लेनदेन को लेकर किस तरीके से आरोपी महिला और आरोपी पुरुष उस शख्स के साथ मारपीट करने के बाद गोली मार देते हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपी युवक और महिला को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। लखनऊ के थाना पीजीआई क्षेत्र के सेक्टर 14 में वृंदावन कॉलोनी में किराए पर रहने वाले दुर्गेश यादव की उन्ही के घर में मिलने आए व्यक्तियों ने गोली मार कर हत्या कर दी। हालांकि पुलिस ने दुर्गेश को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था जहां दुर्गेश यादव की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी मनीष यादव और महिला आरोपी पलक ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। कहा जा रहा है कि दुर्गेश यादव की हत्या पैसे की लेनदेन की वजह से की गई।

वीडियो में देखा जा सकता है कि दुर्गेश यादव को पहले कपड़े उतार कर नग्न किया गया और उन्हें पट्टे से बांधा गया। इसके बाद एक महिला लगातार दुर्गेश यादव को मारती हुई रुपयों के बारे में पूछ रही है। ईस्ट जोन की डीसीपी चारू निगम ने बताया कि मृतक दुर्गेश यादव का पैसों की लेनदेन को लेकर आरोपी मनीष यादव और पलक के साथ कुछ झगड़ा था। आरोपी दुर्गेश यादव से अपने पैसों का लेनदेन और हिसाब करने पहुंचे थे। ये सभी लोग एक साथ काम करते थे। आरोपी अपने बचाव के लिए वीडियो बना रहे थे जो जरूरत पड़ने पर सबूत के तौर पर दिखाया जा सके, लेकिन इस दौरान आरोपी मनीष यादव ने दुर्गेश को गोली मार दी। बाद में दुर्गेश की ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई।

नोएडा के बीच एक्वा लाइन पर 7 सितंबर से फिर शुरू होगी मेट्रो

नोएडा (एजेंसी)। अनलॉक–4 के तहत नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन एनएमआरसी को. विड–19 के दिशानिर्देशों पर अमल करते हुए 07 सितंबर से नोएडा–ग्रेटर नोएडा के बीच एक्वा लाइन पर मेट्रो का संचालन करेगा। इसके लिए एनएमआरसी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। एनएमआरसी की प्रबंध निदेशक ऋतु महेश्वरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार द्वारा कोविड–19 को लेकर जारी नियमों का पालन करते हुए नोएडा–ग्रेटर नोएडा के बीच एक्वा लाइन पर 07 सितंबर से सुबह सात से 11 बजे तक और शाम को पांच से नौ बजे के बीच 15–15 मिनट के अंतराल में मेट्रो रेल का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रविवार को सुबह 8 बजे से 11 बजे तथा शाम 5 से 11 बजे के बीच मेट्रो का संचालन होगा।

उन्होंने बताया कि मेट्रो संचालन के दौरान मेट्रो रेल का तापमान 24 से 30 डिग्री के बीच रखा जाएगा।

माहेश्वरी ने कहा कि स्टेशन परिसर में अधिक भीड़ जमा नहीं होने देने के मकसद से मेट्रो स्टेशन सेक्टर–50, 51, 76, नॉलेज पार्क–2, परी चौक और डिपो स्टेशन पर दोनों ओर 1–1 गेट खुलेंगे, बाकी सभी 15 स्टेशन पर एक ओर का गेट खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि मेट्रो में प्रवेश से पहले यात्रियों के तापमान की भी जांच की जाएगी।

गांव के दबंगों ने नावालिग किशोरी को जबरन अपहृत कर अपने घर में दिन भर रखा बंधक बनाकर

ललितपुर(एजेसी) गांव के दबंग परिवार ने एक नाबालिग किशोरी को उस समय दबोच लिया और अपने घर के अंदर कर लिया जब गांव की है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भैसाई में रूप सिंह का दबंग परिवार रहता है जिसका बेटा दबोचा और धमकी दी कि यदि तुमने यह बात किसी को बताई तो तुम्हारे दो छोटे भाइयों को जान से मार देंगे। जिसके डर से उसकी

पिता की मौत के बाद मां करती है किशोरी की परवरिश

मां के काफी ढूढने के बाद भी नहीं चला पता

मुश्किल से चकमा देकर छुटी नावालिगा परिजनों के साथ पहुंची एसपी की चौखट पर

नावालिगा ने दबंग परिवार पर लगाया जबरन विवाह करने के लिए वाध्य करने का आरोप

एसपी को शिकायती पत्र देकर जानमाल की रक्षा के साथ समुचित कार्यवाही की उठाई मांग

वह अकेली किसी काम से जा रही थी। इतना ही नहीं उक्त परिवार ने नावालिगा को अपने घर के अंदर बंधक बना लिया और लगभग 16 घंटे तक अपने घर के अंदर बंधक बनाए रखा । उसकी मां अपनी पुत्री को गांव में इधर–उधर ढूंढती पूरे गांव में घूमती रही लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला और जिसके बाद नाबालिग किशोरी परिवार के सदस्यों को अपनी भ्रामक बातों में उलझाकर उनके बंधन से आजादी पाई और सीधा अपने घर पहुंची जहां अपनी अपनी मां को पूरी व्यथा सुनाई। बताया गया है कि उक्त नाबालिगा अपने पिता के देहांत के बाद अपने दो छोटे भाइयों और मां के साथ रहती है जिस पर उक्त परिवार गंदी नजर रखता है।

हाल ही में ताजी घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत भैसाई रंजीत मनचला किस्म का है। घटना के बाद नाबालिका की मां अपनी बेटी को लेकर में पुलिस अधीक्षक कैप्टन एमएम बेग की चौखट पर पहुंची जहां उसने एक शिकायती पत्र देकर अपनी बेटी के साथ हुई दुराचार की कहानी सुनाई । इसके साथ ही उसने पुलिस अधीक्षक से अपनी और अपनी बेटी की सुरक्षा की गुहार के साथ–साथ मामले में समुचित कार्यवाही करने की भी मांग उठाई।

पीड़िता की मां ने यह भी बताया कि उसके पति के देहांत के बाद वह अपने बच्चों को बड़ी मुश्किल से पालन पोषण कर रही है। उक्त दबंग परिवार उसकी बेटी पर गन्दी नजर रखता है और लगातार उनकी बेटी को परेशान करता रहता है । कई बार रंजीत ने उनकी बेटी को अकेले में भी बेटी चुप रही लेकिन जब उन लोगों के अत्याचार की अति हो गई तब बेटी ने पूरी बात बताई। इस घटना के बाद उन्होंने विरधा चौकी में एक शिकायती पत्र दिया था जिसके बाद चौकी की पुलिस रंजीत को घर से पकड़ कर ले गई थी । लेकिन उसके बाद लड़की के ताऊ को चौकी बुला कर उसे डरा धमका कर उससे राजीनामा लिखवा लिया और रंजीत को छोड़ दिया। जिसके बाद रंजीत और उसके भाई मुकेश ने गांव में जाकर परिवार के साथ अभद्रता की एवं कई तरह की धमकियां भी दी। जिसके बाद पीड़ित परिवार पुलिस अधीक्षक की चौखट पर सुरक्षा की गुहार लगाता हुआ पहुंचा। इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने समुचित कार्यवाही का भरोसा दिया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज हुआ था।

आयुध वस्त्र निर्माणी ने तैयार की माइनस 50 डिग्री में भी जवानों को सर्दी से बचाने वाली स्वदेशी ड्रेस

शाहजहांपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महात्वाकांक्षी अभियान आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत आयुध वस्त्र निर्माणी (ओसीएफ) ने भी कदम बढ़ाके हुए बड़ा योगदान किया हैं। फैक्ट्री ने अपने विशेष उत्पाद एक्स्ट्रीम कोल्ड विंटर क्लोथिंग सिस्टम (ईसीडब्ल्यूसीएस) को लॉन्च कर दिया है। करीब सात वर्षों से चल रहे शोध के बाद तैयार की गई पूर्णतया स्वदेशी यह विशेष ड्रेस माइनस 50 डिग्री तापमान वाले क्षेत्रों में भी सेना के जवानों को सर्दी से बचाएगी।

स्वदेशी फार्मूले पर तैयार है ड्रेसः

इस प्रकार के वस्त्रों के लिए अब तक निजी क्षेत्र पर निर्भरता थी। यह पहला मौका है जब कोई सरकारी उपक्रम सेनासुरक्षा बलों के लिए इस तरह की ड्रेस को पूरी तरह से स्वदेशी फार्मूले पर तैयार करने में सफल रहा है। भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) के ट्रायल में सैंपल के पास होने के बाद फैक्ट्री प्रबंधन उत्साहित है। एप्रूवल के लिए अब सेना को भी सैंपल भेजे गए हैं। आर्डर मिलते ही आवश्यकतानुरूप उत्पादन शुरू हो जाएगा। सेना को अब तक निजी क्षेत्र से इस प्रकार के वस्त्र लेने पड़ रहे थे।

सात वर्ष के शोध के बाद विकसित हुई स्वदेशी तकनीक :

वर्ष 1914 में स्थापित आयुध वस्त्र निर्माणी सेना के जवानों के लिए विभिन्न उत्पाद बनाती है, बेहतर गुणवत्ता के कारण जिनकी मांग सेना में बनी हुई है, किंतु सर्दी से बचाव में कारगर आधुनिक श्रेणी के इन वस्त्रों का उत्पादन पहली बार होने जा रहा है। ओसीएफ ने अप्रैल 2013 में इस प्रोजेक्ट पर शोध कार्य शुरू किया था, जबकि विगत डिफेंस एक्सपो में इस ड्रेस को पहली बार प्रदर्शित किया गया था। यह ड्रेस सेना के जवानों को सर्दी से बचाने में विशेष रूप से उपयोगी होगी।

थर्मल इंसुलेटेड सिस्टम की तीन लेयर से युक्त है ड्रेस :

थर्मल इंसुलेटेड सिस्टम की तीन लेयर्स से तैयार इस ड्रेस में भारत में ही तैयार ब्रीदवल फैब्रिक मैटेरियल का उपयोग किया गया है। एक कम्प्लीट ड्रेस का वजन साढ़े चार किलोग्राम है।

पहली इनर लेयर शरीर का तापमान नियंत्रित कर नमी को पसीने के रूप में बाहर निकालती है और शरीर को अंदर से सूखा रखती है। इसे कम्फर्ट लेयर कहा गया है।

दूसरी मिडिल लेयर शरीर से निकलने वाली गर्मी को ड्रेस से बाहर नहीं निकलने देती। इसे इंसुलेशन लेयर कहा गया है।

वहीं, तीसरी आउटर लेयर बर्फबारी, पानी और तेज गति की हवा से बचाती है। इस लेयर को प्रोटेक्शन लेयर नाम दिया गया है।

पीआरओ ओसीएफ के कार्य प्रबंधक अनुराग यादव ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत हमने ईसीडब्ल्यूसीएस को लॉन्च किया है।

इसे बनाने में पूरी तरह से स्वदेशी मैटेरियल का उपयोग किया गया है। अभी इस तरह की ड्रेस निजी क्षेत्र से लेनी पड़ रही है।

सेना व सुरक्षा बलों के लिए आर्डर मिलते ही आवश्यकतानुसार उत्पादन प्रारंभ कर दिया जाएगा।

प्रेमी युगल ने पुलिस को बताया जान को खतरा

अलीगढ़ (एजेसी)। थाना इग. लास क्षेत्र के एक गांव के प्रेमी जोड़े ने परिजनों के डर से खैर थाने में शरण ली है। परिजनों से अपनी जान का खतरा होने की बात करते हुए पुलिस से शादी कराने की गुहार लगाई है। अलग–अलग गांव निवासी युवक व युवती का पिछले दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

युवक व युवती के खेत पास पास थे। दोनो का खेत पर आना जाना था। बस वही से दोनों की आंखें चार हो गईं।

दोनो में हुई दोस्ती धीरे धीरे प्यार में बदल गई। दोनों ने साथ जीने व मरने का फैसला कर लिया। जब इस बात का पता परिजनों को चला तो उन्होंने दोनों पर बंदिशें लगा दी।

दोनों का एक दूसरे से मिलना जुलना बंद हो गया, जिसके बाद दोनों ने घर छोड़कर साथ जीने मरने का इरादा करते हुए घर छोड़ दिया, जिसके बाद युवक–युवती को लेकर अपनी खैर क्षेत्र के एक गांव निवासी अपनी बहन के घर आ गए, जिसकी भनक लगने पर लड़के व लड़की के परिजन वहां आ धमके।

उससे पहले ही युवक युवती को लेकर खैर थाने आ गया। जहां दोनों ने परिजनों से अपनी जान का खतरा बताते हुए पुलिस से उनकी शादी कराने का आग्रह किया।

सफलता की कहानी

ललितपुर(एजेंसी) ग्राम पंचायत बगौनी में खिलान तनय खलक सिंह काफी तंगी में कच्चे मकान में निवास कर रहा था।

वह आवास से अब तक लाभान्वित नहीं हुआ है। जिसकी स्थिति आर्थिक रूप से काफी दयनीय थी, वह दैनिक मजदूरी से महज 200 से 250 रूपये ही कमा पाता था, जिससे वह अपने परिवार के सदस्यों की दैनिक जरूरतें ही पूर्ण कर पाता था। उसका कच्चा मकान था उसकी बरसात में चूती हुई छत उसे सोचने पर मजबूर जरूर करती थी कि क्या कभी उसका अपना भी पक्का मकान होगा ? उसने बहुत प्रयास किया किन्तु उसकी आमदनी से केवल वार्षिक मरम्मत ही संभव थी।

उसकी आर्थिक स्थिति को ग्राम प्रधान सुश्री रूचिका राजा, नीरज कुमार ग्राम पंचायत अधिकारी ने समझा एवं भारत सरकार द्वारा प्रयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत उसका आवेदन कराया, आवेदन की जॉच उच्च अधिकारियों द्वारा की गई व ग्राम पंचायत अधिकारी एवं सेक्टर प्रभारी द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया व उसे प्रधानमंत्री आवास हेतु पात्र पाया एवं प्रथम किस्त स्वरूप 40000 रू. की धनराशि उसके खाते के माध्यम से उपलब्ध करायी गई। उक्त धनराशि से उसने अपने जीवन के उस स्वप्न को सजीव किया जो शायद कभी संभव नहीं था। प्रथम किस्त की धनराशि का उपयोग करते हुये उसके आवास का निर्माण शुरू हो गया एवं तय लक्ष्य को पूर्ण करते ही द्वितीय किस्त स्वरूप 70000 रू. उसके खाते में पुनः प्राप्त हुये जिससे उसके आवास का अवशेष कार्य यथा दीवार व छत पूर्ण करायी। इससे उसके आवास का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका था, तभी उसके खाते में पुनः 10000 रू. धनराशि प्राप्त हुई।

इसका लक्ष्य आवास की दीवारों का प्लास्टर कराना व फर्श कार्य पूर्ण कराना था, जिसे उसने पूर्ण कराया। इससे उसका आवास पूर्ण हो चुका था, इसमें उसके द्वारा की गई मजदूरी के पारितोषक स्वरूप मनरेगा से 15000 रू. उसके खाते में प्राप्त हुये। उक्त पूर्ण प्रक्रिया में उसके सपनों का घर देने के लिये लाभार्थी सर्वप्रथम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करता है एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी धन्यवाद देता है। इस आवास को पूर्ण करने में हर चरण पर मार्गदर्शन हेतु ग्राम की प्रथम नागरिक सुश्री रूचिका राजा का कोटि कोटि धन्यवाद एवं आवास को पूर्ण कराने में ग्राम पंचायत अधिकारी एवं समस्त उच्च अधिकारियों का आभार व्यक्त करता है।

एमओआईसी गंभीरता से करे कार्य अन्यथा लापरवाही पर होगी कार्यवाही:डीएम

अलीगढ़ (एजेसी)। कोरोना महामारी की स्थिति को लेकर कोरोना कन्ट्रोल रूम के बेहतर संचालन के संबंध में डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट नवीन सभ. ागार में बैठक आयोजित की गई। जिसमें सीएमओ ने अवगत कराया कि जनपद में लक्षण रहित 143 व्यक्ति कोविड–19 से पॉजिटिव आये हैं। सभी कोविड–19 से संक्रमित मरीजों को लक्षणों के आधार पर होम आइसोलेट तथा एल–1, एल–2 अस्पतालों में भर्ती किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। निर्देश दिये कि पाये गये? कोविड–19 पॉजिटिव मरीजों को तत्काल उपचार शुरू कराते हुये उनके सम्पर्कियों की गहनता से जॉच कर होम क्वारंटीन कराते हुये लक्षणों के आधार पर प्राइमरी का. ॅन्टेट की निमयमानुसार सैम्पलिंग कराना सुनिश्चित करें।

डीएम को स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी/सीडीओ अनुनय झा ने बताया कि जनपद में 1लाख से अधिक लोगो की कोरोना की जांच हो चुकी है जिसमे 4: पॉजि. टिव केस आये है। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी/सीडीओ ने बताया कि दीन दयाल अस्पताल की लैब टेस्ट आरटीपीसीआर जांच में पूरे प्रदेश में नंबर वन पर आई है।

डीएम ने एमओआईसी को निर्देश दिए कि वे गंभीरता से कार्य करे और जो भी कॉमोर्डटी मरीज यदि लक्षण सहित है तो वह मरीज प्रत्येक दशा में अस्पताल में भर्ती किया जाएगा।इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चाहिये। सीएमओ ने बताया कि जेएनएमसी में 100 बेड व दीन दयाल अस्पताल में 250 बेड है इसलिए कुल एल2 में 350 बेड है तथा दीन दयाल में स्टाफ बढ़ाया जा रहा है। इस बैठक में एसएसपी, स्वास्थ्य सीडीओ,अपर जिलाधिक. ारी (नगरध्प्रशासन, वि0रा0),नगर मजिस्ट्रेट,मुख्य चिकित्साधिकारी, उप श्रमायुक्त, बेसिक शिक्षा अधि ाकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रभारी अधिकारी कोरोना कन्ट्रोल रूम, अलीगढ शहर के थानावार समस्त मजिस्ट्रेट, उपस्थिति रहे।

किशोरी से बलात्कार कर बनाया वीडियो, दो गिरफ्तार

बरेली (एजेसी)। शहर के सीबीगंज क्षेत्र में तीन युवकों द्वारा एक नाबालिग लड़की से सामुहिक दुराचार किया और घटना का वीडियो भी बना लिया। मामला पु. लिस तक पहुंचा तो उसने तत्परता दिखाते हुए मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बरेली के वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि सीबीगंज थाना क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी बुधवार को दोपहर में फोटो खिंचवाने जा रही थी। रास्ते में रेलवे कॉलोनी के पास मोहल्ले के ही तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया और वहीं पास में एक खंडहर में जबरन ले गए। आरोप है कि युवकों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और वीडियो फिल्म भी बना ली। उन्होंने बताया कि दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक लड़की के विरोध करने पर उसकी लोहे की छड़ से पिटाई की और धमकाया कि अगर उसने किसी से दुष्कर्म की बात कही तो वीडियो को वायरल कर दिया जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लड़की ने परिजन को आपबीती बताई जिसके बाद उसके पिता ने आरोपी युवकों मोहित, सुमित और अंकित के खिलाफ सीबी गंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया। मोहित और सुमित को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। अंकित अभी फरार है।

हरदोई में जमीन के लिये किया गया था ट्रिपल मर्डर

हरदोई (एजेसी)। हरदोई में साधु,साध्वी और साधु के बेटे के

ट्रिपल मर्डर केस में मुख्य आरोपी साधु के शिष्य और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया कर लिया गया है।

इस मामले में पुलिस को कुछ और लोगों की तलाश है। पुलिस इस मामले का खुलासा करते हुए कहा कि इस वारदात को जमीन के लिये अंजाम दिया गया है।

बता दें कि आश्रम बनाकर रह रहे साधु हीरादास, उनके पुत्र नेतराम और एक साध्वी मीरादास का शव ईंट पत्थरों से कुचला हुआ आश्रम में बरामद हुआ था। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए एडीजी जोन ने भी मौके का निरिक्षण करके पुलिस को इस पूरे मामले खंगालने के निर्देश दिए थे। ट्रिपल मर्डर के इस सनसनीखेज मामले के बाद पुलिस ने 36 घंटे के अंदर आश्रम में हुए इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए आश्रम में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर शिष्य, उसके साले और एक दोस्त को गिरफ्तार किया है।

इन आरोपियों ने 48 बीघा जमीन के लालच में ट्रिपल मर्डर की वारदात को अंजाम दिया था। दरअसल, शिष्य रक्षपाल साल भर पूर्व ही इस आश्रम से तब जुड़ा था जब वह पिछले साल पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के बाद जेल से जमानत पर बाहर आया था।

जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद रक्षपाल अपने एक रिश्तेदार के जरिए आश्रम में पहुंचा और उसके बाद आश्रम में रहने वाले साधु हीरादास का शिष्य बन गया।

साधु पर विश्वास जमा कर वह आश्रम की 48 बीघा जमीन पर खेती करने लगा और इस बीच आश्रम के संचालक साधु हीरादास को उसके आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी हुई तो उन्होंने उसे हटाने का मन बना लिया।

इसके बाद रक्षपाल ने पूर्व में अपने साथ जेल में बंद रहे राजीव और अपने साले संजय के साथ मिलकर साधु को अपने प्रभाव में लेना शुरू किया। इसी 17 अगस्त को उसने साधु हीरादास को विश्वास में लेकर एक वसीयतनामा अपने पक्ष में करा लिया। जिसके बाद वह साधु, उनके बेटे और साध्वी की हत्या करने का प्लान बनाने लगा।

रक्षपाल और उसके साथियों ने हत्या की साजिश रची और तीनों ने मिलकर ईंट पत्थरों से कुचल कर आश्रम में ही साधु हीरादास, साध्वी मीरादास और साधु के पुत्र नेतराम की हत्या कर दी।

इसके बाद जब पुलिस ने इस पूरे हत्याकांड से जुड़े सभी लोगों को एक–एक कर पूछताछ शुरू की तो आरोपी शिष्य रक्षपाल की गतिविधियों पर संदेह हुआ। उसकी पत्नी से भी पूछताछ की गई।

दोनों के बयानों में अंतर मिलने पर और सर्विलांस के जरिए रक्षपाल के दोस्त और साले की गतिविधियों को लेकर पुलिस को संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने रक्षपाल के साले संजय और उसके दोस्त राजीव को भी पकड़कर सख्ती से पूछताछ की।

पुलिस ने बताया कि आश्रम और उसकी 48 बीघा जमीन के लालच में आकर ट्रिपल मर्डर की वारदात को अंजाम दिया गया।

पुलिस को अभी इस मामले में इनके मददगार रहे कुछ और लोगों की भी तलाश है। फिलहाल पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमर दुबे की पत्नी निकली नाबालिग

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में एनकाउंटर में मारे गए अमर दुबे की पत्नी खुशी को कानपुर देहात के किशोर न्याय बोर्ड ने नाबालिग माना है। बता दें कि 2 जुलाई को हुए बिकरू कांड के दो दिन बाद ही पुलिस ने खुशी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था, जबकि उसे किशोर गृह में भेजा जाना चाहिए था। पुलिस की जल्दबाजी से वह दो महीने से जेल में बंद है। कहा जा रहा है कि बिकरू कांड से तीन दिन पहले ही खुशी की अमर से बिकरू गांव में ही विकास दुबे के घर पर शादी हुई थी। खुशी के वकील शिवाकांत ने कहा कि हमने खुशी के नाबालिग होने के कागजात अदालत में लगाए थे, जिसकी जांच अदालत ने किशोर न्याय बोर्ड को सौंपी थी। अब कानपुर देहात के किशोर न्याय बोर्ड ने अपने आदेश में खुशी को नाबालिग माना है। अब हम उसकी जमानत की अपील करेंगे। पुलिस ने गलती की है, उसको गलती सुधारनी चाहिए। इस बीच बिकरू काण्ड के मास्टर माइंड विकास दुबे के खात्मे के बाद पुलिस ने अब उसके खजांची जय बाजपेई को जेल भेज दिया है। साथ ही उसकी काली कमाई और कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने वाले तीन भाइयों के खिलाफ शिकंजा कसे हुए है। बता दें कि पुलिस ने जय बाजपेई के तीनों भाइयों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की थी, लेकिन अभी तक हाजिर न होने के चलते कुर्की की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस संदर्भ में कानपुर नगर के एसएसपी प्रीतिंदर सिंह ने बताया कि जय बाजपेई और उसके भाइयों द्वारा विकास दुबे के अपराधों शामिल होना पाया गया था, जिसपर कानूनी कार्रवाई की गई, लेकिन जय बाजपेई के तीन भाई अभी भी फरार हैं, इसलिए कुर्की का आदेश जारी किया गया है।

आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर डबल डेकर बस के पलटने से करीब 26 लोग

कन्नौज (एजेंसी)। कन्नौज में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर तेज रफ्तार डबल डेकर बस के पलटने से करीब 26 लोग घायल हुए हैं।

घायलों को कन्नौज के मे. डिकल कॉलेज तिर्वा में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बस, बिहार के बेतिया से दिल्ली जा रही थी। इसमें करीब 70 मजदूर सवार थे।

वहीं बस्ती जिले में काम करके वापस आ रहे पांच मजदूरों को अनियंत्रित ट्रक ने रौंद दिया। हादसे में तीन की मौकेपर ही मौत हो गई है, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि बस्ती जिले के हर्रैया थाना क्षेत्र पास कप्तानगंज के पास 5 मजदूर काम करके लौट रहे थे, तभी एक अनियंत्रित गति से आ रहे ट्रक ने पांचों मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए।स्थानीय लोगों ने बताया कि धर्मसिंहपुर गांव के मजदूर राशन उतारने गए थे।

इसके बाद देर रात वह से एक ट्रक पर बैठकर घर लौट रहे थे। हर्रैया के आगे संसारीपुर के एक ढाबे पर उतरकर इन सभी ने देर रात भोजन किया।

इसके बाद सभी मजदूर पैदल ही घर को निकल पड़े।इसी दौरान पीछे से एक ट्रक ने उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी।

सार–समाचार

नोएडा में कोरोना संक्रमण के 140 मामले, एक व्यक्ति की मौत

नोएडा (एजेंसी)। यूपी के गौतमबुद्ध नगर में कोरोना वायरस संक्रमण के 140 मामले उजागर हुए है, जबकि एक मरीज की मौत हो गई। जिला निगरानी अधिकारी नीरज त्यागी ने गुरुवार को बताया कि बीते 24 घंटे में कोविड–19 से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे जिले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई।

उन्होंने कहा कि संक्रमण के 140 नए मामले सामने आए हैं, जिससे जनपद में संक्रमित मरीजों की संख्या 8,333 हो गई। नए मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। उन्होंने बताया कि 86 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब यहां 1,163 मरीजों का इलाज चल रहा है।

गाजियाबाद के तीन स्कूलों पर प्रशासन की कार्रवाई

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में प्राइवेट स्कूलों पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। इसके चलते जिलाधिकारी ने वसुंधरा के जयपुरिया स्कूल पर बैलेंस शीट नहीं जमा करने पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जबकि डीएलएफ साहिबाबाद की मान्यता रद्द करने का निर्देश दिया गया है। जयपुरिया स्कूल और डीएलएफ साहिबाबाद पर कार्रवाई के अलावा सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल से तीन दिनों में जवाब मांगा गया है। सभी स्कूलों से पूर्व में बैलेंस शीट मांगी गई थी, लेकिन इन स्कूलों ने बैलेंस शीट जमा नहीं की थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने एक्शन ने एक्शन लेते हुए तीनों स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की है। दरअसल, स्कूलों की फीस को लेकर गाजियाबाद पैरेन्ट्स एसोसिएशन ने जिला प्रशासन को पांच सूत्रीय ज्ञापन दिया था। इसके बाद डीएम अजय शंकर पांडेय ने स्कूलों से उनकी बैलेंस शीट मांगी थी। इसके साथ ही डीएलएफ साहिबाबाद को डीएफआरसी आदेशों की अनदेखी का दोषी पाया गया था और उस पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था, जिसे स्कूल प्रबंधन ने जमा नहीं किया है। अब स्कूल की मान्यता रद्द करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल से तीन दिनों में जवाब मांगा गया है। इसके साथ ही डीएम अजय शंकर पांडेय ने शासन से अनुरोध किया कि जो पैरेंट्स कोरोना काल में फीस माफी की मांग कर रहे हैं, उनसे आय प्रमाण पत्र या वेतन पर्ची ली जाए।

विधायकों ने महानगर की जनता को निशुल्क मास्क बांटे

अलीगढ़ (एजेंसी)। कोविड–19 से महानगर की जनता को बचाने के लिए अलीगढ़ के तीन विधायकों संजीव राजा, अनिल पाराशर व राजकुमार सहयोगी ने महानगर की जनता को निशुल्क मास्क वितरित किये। आज भाजपा महानगर के निवर्तमान महामंत्री प्रदीप पेन्टर के नवीनतम प्रतिष्ठान मोबाइल स्टेशन खैर रोड के शुभारंभ के अवसर पर लोगों को कोविड–19 से बचाव हेतु मास्कों का वितरण किया गया। इस अवसर पर भाजपा महानगर के निवर्तमान महामंत्री प्रदीप पेन्टर ने तीनों विधायकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर नगर विधायक संजीव राजा व प्रदीप पेन्टर ने कहा कि इस वक्त अलीगढ़ जनपद में कोविड–19 के पीड़ितों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसलिए सभी को कोरोना से डरना नहीं है। मास्क, हैण्डवाश का इस्तेमाल एवं सामाजिक दूरी का पालन करके कोरोना का हराना है। और कोरोना से अपनी व अपने ईष्ट मित्रों की रक्षा करनी है। इस अवसर पर अंकित गुप्ता, सजल गुप्ता, जागृत वार्ष्णेय, करन वार्ष्णेय, शकुंतला भारती, .ष्णा गुप्ता, विवेक सारस्वत आदि उपस्थित थे।

लेखपाल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बागपत (एजेंसी)। कलक्ट्रेट की आवासीय कॉलोनी में रह रहे एक लेखपाल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लेखपाल का शव बुधवार को पंखे से लटकता पाया गया। जिले के छपरौली कस्बा निवासी अंशुल 2016 में लेखपाल पद पर भर्ती हुए थे। वर्तमान में उनकी तैनाती बागपत तहसील के ढिकौली गांव में थी। कलक्ट्रेट स्थित आवासीय कालोनी में वो अकेले ही रहते थे। पता तब लगा तब परिजनों के फोन करने पर फोन नहीं उठाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को सूचना दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लूट का मोबाइल व चोरी की बाइक सहित दो दबोचे

अलीगढ़ (एजेंसी)। सासनीगेट थाने की पुलिस ने बुधवार की प्रातः आगरा रोड राठी चौराहे के पास से 25 हजार के इनामी व गैंगस्टर में वांछित दो बदमाशों को गिरतार किया है। इनके कब्जे से चोरी की बाइक व लूट का मोबाइल बरामद हुआ हैं। एसएपी ग्रामीण शुभम पटेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इन्होंने पूछताछ में अपने नाम विशाल पुत्र दयाल बाबू व वीरू पुत्र मदन निवासीगण कैलाश गली थाना देहलीगेट बताये इनसे बरामद बाइक चोरी की थी, जिसका मुकदमा थाने में दर्ज है। वहीं थाने में दर्ज लूट को माबाइल भी बरामद हुआ। यह 25 हजार रुपये के इनामी व गैंगस्टर में वांछित थे। दोनों को आवश्यक कार्यवाही के बाद जेल भेज दिया है।

होर्डिंग्स के जरिए कायस्थ समाज ने किया बीजेपी का विरोध

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ की सड़कों पर कायस्थ समाज की तरफ से कई होर्डिंग्स लगाए गए हैं। इन पोस्टर के जरिए बीजेपी के खिलाफ विरोध किया गया है। दरअसल, होर्डिंग्स पर 'उत्तर प्रदेश के कायस्थ बंधुओं को भाजपा का स्थाई वोट बैंक बनने पर बधाई', 'कायस्थों अब जाग जाओ या फिर हमेशा के लिए सो जाओ' और 'तुम हमें वोट दो हम तुम्हें दुत्कार देंगे, तुम हमें सपोर्ट दो, हम तुम्हें फटकार देंगे' जैसे स्लोगन लिखे हैं। होर्डिंग्स के जरिए बीजेपी पर तंज कसते हुए नवगठित कार्यकारिणी में किसी भी कायस्थ को स्थान न देने के लिए राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व का आभार भी जताया है। ये होर्डिंग्स लखनऊ के अलग–अलग एरिया महानगर, कपूरथला, हजरतगंज, आलमबाग, गोमती नगर सड़कों पर नजर आ रहे हैं। हालांकि कुछ होर्डिंग्स पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा भी लिखा हुआ है। होर्डिंग्स लगने के बाद पूरे लखनऊ में हड़कंप मच गया, उसके बाद पुलिस प्रशासन ने देर रात इन सभी होर्डिंग्स को उतारने की कवायद चालू कर दी है। बता दें, हाल ही में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ठाकुरों के प्रति कार्य किए जाने के लिए हां या ना में सर्वे कराया था। इसका खुलासा उन्होंने खुद वीडियो रिलीज करके किया था।

लॉकडाउन में छूटी नौकरी, आर्थिक तंगी से परेशान दंपति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर (एजेंसी)। यूपी की औद्योगिक नगरी कानपुर के चकेरी इलाके में कथित रूप से आर्थिक तंगी के कारण एक दंपति ने गुरुवार तड़के फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि राकेश कुमार सिंह (40) और उसकी पत्नी अर्चना (36)ने चकेरी थाना क्षेत्र के जगई पुरवा स्थित अपने घर में छत के कुंडे से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बताया कि दोनों ने एक ही चादर के दोनों सिरों से फांसी लगाई।

अग्रवाल ने बताया कि वहां पहुंचे परिवार के अन्य सदस्य और पड़ोसी पति–पत्नी को अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चकेरी के थाना अध्यक्ष रवि श्रीवास्तव ने बताया कि राकेश और उसकी पत्नी अर्चना के बीच अक्सर झगड़ा होता था। लॉकडाउन के दौरान राकेश की नौकरी छूट गई थी जिसकी वजह से परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। बहरहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अब नए तरीके से अयोध्या को सजाया जाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर भूमि पूजन के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या को भी नए तरीके से सजाया जाने के कोशिश में लगे हैं। इसके कारण सीएम योगी अयोध्या के विकास कार्यों और तैयारियों का लगातार मुआयना कर रहे हैं।

सीएम योगी गुरुवार शाम 5.30 बजे एक बार फिर से अयोध्या के विकास पर चर्चा के लिए महत्वपूर्ण बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में सीएम योगी अब तक के कार्यों की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में सीएम योगी अयोध्या मंडल के अधिकारियों से बात करेंगे।

पर्यटन विभाग ने अनुमान लगाते हुए कहा कि साल 2021 में लगभग ढाई करोड़ पर्यटक अयोध्या आ सकते हैं।

वहीं 2031 तक यह संख्या 6.30 करोड़ से अधिक होगी। माना जा रहा है कि सीएम योगी बैठक में आनेवाले समय में पर्यटकों की भीड़ के हिसाब से अयोध्या में सुविधाएं विकसित करने पर जोर देंगे।

मथुरा जेल से रिहा डॉ. कफील खान बोले 5 दिनों तक नहीं दिया गया खाना–पानी

लखनऊ (एजेंसी)। गोरखपुर ऑक्सीजन कांड में मथुरा जेल में बंद डॉक्टर कफील खान को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। जिसके बाद उन्होंने न्यायपालिका का शुक्रिया अदा किया और कहा कि मैं न्यायपालिका का शुक्रगुज़ार हूं जि. सने एक उत्कृष्ट आदेश दिया है, जिसने साफ शब्दों में कहा है कि मेरा भाषण हिंसा को उकसाने वाला नहीं था और आखिर में एसटीएफ को भी धन्यवाद कहूंगा जिन्होंने मुंबई से मथुरा लाते वक्त मेरा एनकाउंटर नहीं किया।

इसके साथ ही डॉक्टर कफील खान ने कहा कि मैं अपने उन सभी शुभचिंतकों का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा जिन्होंने मेरी रिहाई के लिए आवाज बुलंद की। प्रशासन रिहाई के लिए तैयार नहीं था लेकिन लोगों की दुआओं की वजह से मुझे रिहा किया गया। हालांकि, रिहाई के बाद उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने कहा था कि राजा को राज धर्म के लिए काम करना चाहिए। उत्तर प्रदेश में राजा 'राज धर्म' नहीं निभा रहा बल्कि बाल हठ कर रहा है।

4–5 दिनों तक नहीं दिया खाना–

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉ. कफील खान को जेल में शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। शुरुआत में तो चार से पांच दिनों तक खाने के लिए कुछ नहीं दिया और न ही पीने को पानी मिला। फिर उन्होंने एक–दो चपाती देना शुरू किया। उन्होंने कहा कि मैं अब तक तीन बार जेल जा चुका हूं लेकिन इस बार अनुभव काफी भयानक था। हालांकि, कैदियों का व्यवहार मेरे प्रति सहज था।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टर कफील खान कुछ वक्त के लिए परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि यह बताते–बताते वह उत्तर प्रदेश की सीमा को पार कर चुके थे।

उन्होंने कहा कि मैं अपने परिवार को अपने साथ ले जा रहा हूं और उनके साथ कुछ समय बिताऊंगा।

मैं जब जेल में था तो उन्हें बहुत याद करता था।

उन्होंने आगे कहा कि मेरा बेटा ओलिवर जब 11 महीने का था उस वक्त मुझे जेल हुई थी और अब वह पापा कहने लगा है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी शबिस्ता और भाई अडेल उन्हें इस सबसे बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे।

जेल की हालत खस्ता–

डॉक्टर कफील खान ने बताया कि जेल की हालत खस्ता थी। 530 कैदियों की क्षमता वाले जेल में 1600 कैदी थे और वहां पर सिर्फ एक टॉयलट था।

इस दौरान उन्होंने गोरखपुर त्रासदी पर एक किताब लिखना शुरू किया था जिसे अब वह पूरा करने की कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा कि वह बाढ़ प्रभावित राज्यों में जाकर शिविरों का आयोजन करना चाहता हूं ताकि बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद कर सकूं।

तीन दशक बाद बीजेपी ने तोड़ा सपा का वर्चस्व

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्रामीण विकास बैंकों के चुनाव में बीजेपी ने 323 शाखाओं में 293 पर जीत दर्ज कर सपा के तीन दशक के राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ दिया है। दरअसल, 1991 से अब तक सहकारिता के क्षेत्र में सपा और खासकर 'यादव परिवार' का एकाधिकार रहा है। यहां तक कि मायावती के दौर में भी सहकारी ग्रामीण विकास बैंक पूरी तरीके से यादव परिवार के कंट्रोल में ही रहा, लेकिन बीजेपी ने इस बार सपा का वर्चस्व तोड़ दिया है। बता दें, प्रदेश में सहकारी ग्रामीण विकास बैंक की 323 शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा से एक–एक प्रतिनिधि चुना जाता है और यह निर्वाचित प्रतिनिधि सूबे में अब 14 डायरेक्टर का चुनाव करेंगे, जिसमें से एक सभापति और उपसभापति चुना जाएगा। इन जीते हुए शाखा प्रतिनिधियों द्वारा बैंक की प्रबंध कमेटी के सदस्यों का निर्वाचन 22 और 23 सितंबर को किया जाएगा। इस चुनाव के बाद अब बैंक के प्रबंध कमेटी पर बीजेपी का कब्जा हो जाएगा और 23 सितंबर को बैंक के सभापति, उप सभापति और अन्य समितियों में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का चुनाव होना है। दरअसल प्रगतिशील समाजवादी

पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ग्रामीण विकास बैंक के सभ. पति रहे हैं, जिसकी वजह से यह चुनाव बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है। हालांकि, सरकार और बीजेपी संगठन की व्यूह रचना ने इस बार यादव परिवार को ध्राशाई कर दिया।

बता दें कि शिवपाल यादव के सहकारिता क्षेत्र में तिलस्म को तोड़ने की व्यूह रचना बीजेपी के संगठन महामंत्री सुनील बंसल ने रखी थी। उन्होंने बीजेपी संगठन के जरिए लगातार काम किया और उसी समीकरण के जरिए बीजेपी ने सपा के सियासी किले को पूरी तरह से ढहा दिया है। जिसके कारण बीजेपी ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में नए आयाम की ओर बढ़ेगी।

सहकारी ग्रामीण बैंक की स्थ. ानीय प्रबंध समितियों व सामान्य सभा के चुनाव में पश्चिम की 59 में से 55, अवध के 65 में 63, काशी क्षेत्र के 38 में से 33 और गोरखपुर के 34 में 30 स्थानों पर बीजेपी ने कब्जा जमाया है। ऐसे ही कानपुर क्षेत्र में 45 में से 34 और ब्रज में 82 में से 78 क्षेत्र में बीजेपी को जीत मिली है। मथुरा के गोवर्धन और नौझील में नामांकन ही नहीं हो सके जबकि कुशीनगर की पडरौना, बांदा की बबेरू, फतेहपुर की बिंदकी खागा, सोनभद्र की राबर्टसगंज व कानपुर की घाटमपुर व चौबेपुर में चुनाव निरस्त हो गए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार फिर हुए गिरफ्तार

फैजाबाद (एजेंसी)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को एक बार फिर गिरफ्तार कर लिया गया है। फैजाबाद में किसानों की भूमि अधिग्रहण के मसले पर अजय कुमार लल्लू उनसे मुलाकात करने जा रहे थे, लेकिन यूपी पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने ट्वीट किया कि 'फैजाबाद के अंदर एयरपोर्ट व सड़क चौड़ीकरण में हो रहे भूमि अधिग्रहण में किसानों के हकों की अनदेखी हो रही है। सरकार भूमि अधिग्रहण कानून का मखौल उड़ा रही है। किसान भाइयों से मिलने के लिए फैज़ाबाद के लिए निकल चुका है। किसान भाईयों के साथ अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।' इसके कुछ देर बाद ही यूपी कांग्रेस की ओर से ट्वीट कर गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। यूपी ईस्ट कांग्रेस ने लिखा कि किसानों का दर्द जा जानने फैज़ाबाद जा रहे प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू को किसान विरोधी सरकार ने बाराबंकी टोल प्लाजा से गिरफ़्तार किया। बता दें कि इससे पहले भी कई बार यूपी पुलिस ने अजय कुमार लल्लू को गिरफ्तार या हिरासत में लिया है। हाल ही में नीट–जेईई परीक्षाओं के मसले पर भी अजय कुमार लल्लू की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन किया था, जब उन्हें हिरासत में ले लिया गया था।

उत्तर प्रदेश में बार खोलने की मिली अनुमति

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बार खोलने की अनुमति दे दी है। ये जानकारी देते हुए आबकारी विभाग ने बताया कि नई गाइडलाइन में बार को बंद करने का कोई निर्देश नहीं है, लिहाजा इसे खोलने की अनुमति दी गयी है। लेकिन मॉडल शॉप्स अभी भी बंद रहेंगे। बार मालिकों को संचालन के समय कोरोना के सभी नियम–निर्देशों का पालन करना होगा। बता दें कि सरकार को एक बड़ा राजस्व आबकारी से मिलता है। शराब की दुकानें पहले ही खोल दी गई थीं और अब बार खोलने की इजाजत दे दी गई है। बीते दिनों ही उत्तर प्रदेश सरकार ने अनलॉक–4 की गाइडलाइन जारी की थी। शनिवार–रविवार के लॉकडाउन को हटा दिया गया था और रविवार को पूरे प्रदेश में बंदी का ऐलान किया गया था। नई गाइडलाइंस के मुताबिक, 21 सितंबर से स्कूलों में स्टाफ को ऑनलाइन शिक्षा परामर्श से जुड़े कार्यों के लिए बुलाया जा सकता है।

वहीं, कंटेनमेंट जोन में पढ़ने वाले कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को स्कूलों में अपनी मर्जी से जाने की अनुमति होगी। इसके लिए उन्हें अभिभावकों की लिखित सहमति की आवश्यकता होगी। इसके अलावा 7 सितंबर 2020 से मेट्रो रेल को चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा।

वहीं, प्रदेश में 21 सितंबर से सभी सामाजिक, एकेडमिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक कार्यक्रमों और अन्य सामूहिक गतिविधियों को अधिकतम 100 लोगों के साथ शुरू करने की अनुमति होगी।

फायरिंग की सूचना पर पहुंची पुलिस पर चलाई गोलियाँ

मैनपुरी(एजेंसी) किशनी : फायरिंग की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायरिंग कर रहे भाइयों और उनके पिता को गिरफ्तार कर तीनों के लाइसेंस असलहे बरामद किए हैं।

थाना किशनी के गांव दूबर निवासी सर्वेश कुमार और उसके भाई दुर्वेश के बीच विवाद है। मंग. लवार को दोनों के बीच फायरिंग हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो दोनों आरोपितों और उनके पिता राजेंद्र सिंह ने पुलिस पर फायर कर दिए। पुलिस ने घेराबंदी की तो तीनों बाइक और स्कूटी से भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर तीनों को नहर के पास से दबोच लिया। उनके कब्जे से दो लाइसेंसी रायफल और एक 12 बोर की बंदूक बरामद हुई है। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं कराया है। पकड़े गए तीनों आरोपितों के खिलाफ पुलिस टीम पर जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एसओ किशनी अजीत सिंह ने बताया कि तीनों आरोपितों जेल भेज दिया गया है। उनके असलहों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस टीम पर ही गोलियां चला दीं। हालांकि, इसमें कोई पुलिसकर्मी हताहत नहीं हुआ। बाद में पुलिस ने दोनों भाइयों